@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार 05 जुलाई 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 संपादक- गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 235 qaumipatrikahindi 011-41509689,23315814,9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रूपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

ऑपरेशन सिंदूर' में भारत ने पाकिस्तान, चीन और तुर्किये के खिलाफ एक साथ जंग लड़ी

*** पाकिस्तान से हम फ्रंटलाइन पर लड़ रहे**

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना के उप प्रमुख (डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ) लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर. सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' से मिले महत्वपूर्ण सैन्य सबक को साझा किया। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा संघर्ष था जिसने आधुनिक युद्ध की असल चुनौतियों को हमारे सामने रखा।

एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा, ÷हमारी एक सीमा थी, लेकिन दुश्मन तीन देश पाकिस्तान, चीन और तुर्किये। पाकिस्तान से हम फ्रंटलाइन पर जंग लड़ रहे थे, लेकिन उसके 81 प्रतिशत सैन्य संसाधन चीनी थे और उसे हरसंभव मदद भी चीन से मिल रही थी। वहीं तुर्किये ने पाकिस्तान को बैराकटर जैसे एडवांस ड्रोन उपलब्ध कराए। जो कि हमारे लिए बड़ी चिंता का सबक थे।

लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने खुलासा किया कि डीजीएमओ स्तर की बातचीत के दौरान पाकिस्तान को हमारी गतिविधियों के लाइव अपडेट मिल रहे थे, जिससे यह साफ हुआ कि हमें एयर डिफेंस और साइबर सुरक्षा के मोर्चे पर कहीं ज्यादा मजबूत होने की जरूरत है। इन दोनों मोर्चों पर तेजी से काम करना होगा।

उन्होंने कहा, 'कुछ साल पहले जैसी स्थितियों को अब हम दुबारा सहन नहीं कर सकते। नेतृत्व का संदेश बिल्कुल स्पष्ट था कि इस बार लक्ष्य चुनना, प्लानिंग और ह्यूमन इंटेलिजेंस, सभी कुछ डेटा और तकनीक पर आधारित था। हमारी सेना ने कुल 21 संभावित लक्ष्यों में से 9 को अंतिम रूप से चुना और सफलतापूर्वक निशाना बनाया।'

इस मौके पर लेफ्टिनेंट जनरल राहुल सिंह ने एयर डिफेंस की भूमिका को सबसे अहम बताया। उन्होंने कहा, ÷इस बार दुश्मनों ने हमारे पॉपुलेशन सेंटर्स पर ध्यान नहीं दिया, लेकिन अगली बार ऐसा हो सकता है। इसके लिए हमें काउंटर-रॉकेट, आर्टिलरी और ड्रोन सिस्टम को और मजबूत करना होगा। जोकि हमारी पहली और सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल रहेगा।

उन्होंने आगाह किया कि आधुनिक युद्ध अब केवल सीमा पर नहीं लड़ा जाता, बल्कि साइबर, इलेक्ट्रॉनिक और तकनीकी मोर्चों पर भी इसकी लड़ाई जारी रहती है। भारत को इन क्षेत्रों में अत्याधुनिक रक्षा उपकरण, तेजी से डेटा प्रोसेसिंग, और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित निर्णय लेने की क्षमता को प्राथमिकता देनी होगी। अपने भाषण का समापन करते हुए डिप्टी डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर हमें यह सिखाता है कि अगली बार दुश्मन अधिक आक्रामक और अप्रत्याशित हो सकता है। हमें ज्यादा तेज़, स्मार्ट और घातक रणनीति के साथ तैयार रहना होगा।'

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की मंजूरी के बाद 9 हाइकोर्ट को मिलेंगे 15 नए जज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पटना सहित देश के 9 उच्च न्यायालयों को 15 नए जज मिल जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की मंजूरी के बाद यह रास्ता साफ हो गया है। जिन न्यायिक अधिकारियों के नाम पर मुहर लगी है उनमें वीरेंद्र अग्रवाल, मंदीप पन्नू, प्रमोद गोयल, शालिनी सिंह नागपाल, अमरिंदर सिंह ग्रेवाल, सुभाष मेहला, सूर्य प्रताप सिंह, रूपिंदरजीत चहल, आराधना साहनी, यशवीर सिंह राठौर हैं। तेलंगाना हाईकोर्ट के जज के रूप में चार अधिवक्ताओं के नामों को भी मंजूरी दी गई है ।कॉलेजियम ने तेलंगाना हाईकोर्ट के जिन अधिवक्ताओं के नाम पर मुहर लगाई है उनमें गौसे मीरा मोहिउद्दीन, चलपति राव सुड्डाला, वक्ति रामकृष्ण रेड्डी और गादी प्रवीण कुमार शामिल हैं। आपको बता दें कि कॉलेजियम में न्यायमूर्ति सूर्यकांत और विक्रम नाथ भी शामिल हैं। उन्होंने राजस्थान हाईकोर्ट के जज के रूप में एक न्यायिक अधिकारी और एक अधिवक्ता के नामों को मंजूरी दी है।

हिमाचल में काल बनी बारिश, 43 मौतें और 500 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति का नुकसान

शिमला (एजेंसी)। देशभर में मानसून ने रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। सिर्फ हिमाचल प्रदेश में 20 जून से शुरू हुए मानसून सीजन में 43 लोगों की मौत हुई है और कुल 500 करोड़ से ज्यादा का नुकसान दर्ज हुआ है। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है, जबकि राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी हैं। हिमाचल राज्य आपदा प्रबंधन विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, राज्यभर में 14 मौतें बादल फटने की घटनाओं में, 8 बाढ़ और 7 डूबने की घटनाओं में, अन्य मौतें करंट लगने, भूस्खलन, सांप काटने और गिरने जैसी घटनाओं में हुईं। इसके अलावा 26 मौतें सड़क हादसों में हुईं। मंडी जिले में सबसे ज्यादा 20 और कांगड़ा में 13 लोगों की मौत हुई है। सिर्फ 3 जुलाई को ही 6 मौतें दर्ज की गईं। कुल मिलाकर 2024 में अब तक 548 मौतें और 958 लोग घायल हुए हैं। इतना ही नहीं 55 मकान और 198 गौशालाएं पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी हैं। संपत्ति को हुए नुकसान का आंकलन कुछ इसप्रकार है, 287.80 करोड़ की सार्वजनिक और 134.32 करोड़ की निजी संपत्ति को नुकसान हुआ है। कृषि क्षेत्र को 20.38 करोड़ और बागवानी को 13.48 करोड़ का नुकसान पहुंचा है।

एस्ट्रोनॉट शुभांशु ने छात्रों से बातचीत कर अंतरिक्ष जीवन का अनुभव किया साझा, जीरो ग्रैविटी में बहकर कहीं और चले जाने का खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पहले इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) तक पहुंचने वाले एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला ने उत्तर प्रदेश और केरल के स्कूली छात्रों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संवाद किया। इस खास बातचीत में शुभांशु ने अंतरिक्ष में जीवन, दिनचर्या और चुनौतियों से जुड़े सवालों के जवाब बेहद सहज अंदाज में दिए। भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु 26 जून को एक्सियम मिशन-4 के तहत आईएसएस पहुंचे हैं। वे 41 वर्षों बाद स्पेस में जाने वाले पहले भारतीय हैं और 10 जुलाई को पृथ्वी पर लौटेंगे। इस संवाद कार्यक्रम में लखनऊ, रायबरेली, हरदोई और सीतापुर समेत चार जिलों के 150 छात्र शामिल हुए। छात्रों के सवालों के जवाब देते हुए शुभांशु ने बताया, स्पेस में नींद के दौरान खुद को बांधना पड़ता है ताकि जीरो ग्रैविटी में बहकर कहीं और न चले जाएं। वहां दीवार, फर्श या छत जैसा कुछ नहीं होता। कोई दीवार पर सोता है, कोई छत पर। उन्होंने कहा कि माइक्रोग्रैविटी में मांसपेशियों को बनाए रखने के लिए रोज एक्सरसाइज और योग करते हैं। सुभांशु ने छात्रों को स्पेस लाइफ की जानकारी देते हुए कहा, कि वहां एक खास साइकल होती है जिसमें सीट नहीं होती, सिर्फ पैडल से खुद को बांधकर एक्सरसाइज करनी होती है। शुभांशु ने बताया कि वे मानसिक मजबूती के लिए तकनीक की मदद से परिवार और दोस्तों से जुड़े रहते हैं। वापसी पर शरीर को फिर से पृथ्वी की ग्रैविटी के अनुसार ढालना बड़ी चुनौती होती है।

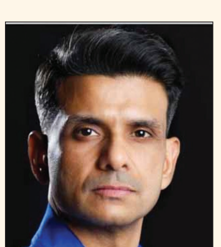

ऑपरेशन सिंदूर स्वराज की रक्षा का बेहतरीन उदाहरण : अमित शाह

पुणे (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय सशस्त्र बल और नेतृत्व 'स्वराज यानी देश की संप्रभुता की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं और इसका बेहतरीन उदाहरण 'ऑपरेशन सिंदूर है। पुणे स्थित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में घोड़े में सवार पेशवा बाजीराव प्रथम की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा, मेरे मन में जब भी नकारात्मक विचार आते हैं, तो मैं छत्रपति शिवाजी महाराज और पेशवा बाजीराव को याद करता हूं, जिन्होंने प्रतिकूल परिस्थितियों में भी स्वराज की स्थापना की थी। आज 140 करोड़ भारतीयों पर स्वराज की रक्षा की जिम्मेदारी है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, जब स्वराज स्थापित करने के लिए संघर्ष की जरूरत थी, हमने किया। और जब स्वराज की रक्षा के लिए लड़ाई लड़ने की जरूरत होगी, तब भी हमारी सेनाएं और नेतृत्व उसे साबित करेंगे। कार्यक्रम के बाद अमित शाह ने एनडीए कैडेट्स से भी संवाद किया। बाजीराव ने लिखी अमर गाथा अमित शाह ने पेशवा बाजीराव प्रथम (1700-1740) को श्रद्धांजलि देते हुए कहा, यदि छत्रपति शिवाजी द्वारा शुरू की गई स्वतंत्रता की लड़ाई को बाजीराव और पेशवाओं ने सौ साल तक आगे न बढ़ाया होता, तो भारत का मूल स्वरूप ही खत्म हो गया होता। उन्होंने कहा, केवल 40 वर्षों के जीवन में पेशवा बाजीराव ने ऐसी अमर गाथा लिखी, जिसे कोई दूसरा नहीं लिख पाया। पेशवा बाजीराव को मध्य और उत्तर भारत में मराठा साम्राज्य के विस्तार का श्रेय दिया जाता है।

जयराज स्पोर्ट्स एंड कन्वेंशन सेंटर के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए

अमित शाह शुक्रवार को जयराज स्पोर्ट्स एंड कन्वेंशन सेंटर के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। यह भव्य भवन श्री पूना गुजराती बंधु समाज द्वारा पुणे में निर्मित किया गया है। उन्होंने कहा, यह भवन न केवल एक सार्वजनिक संस्था है, बल्कि यह व्यवसायिक दृष्टिकोण से निर्मित एक आधुनिक संरचना भी है, जो विभिन्न क्षेत्रों की जरूरतों को पूरा करती है। इससे गुजराती समाज की बदलती और विकसित होती सोच झलकती है।

आज देश के पहले सहकारी विश्वविद्यालय की आधारशिला रखेंगे

केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह शनिवार को गुजरात के आणंद में राष्ट्रीय स्तर के पहले सहकारी विश्वविद्यालय 'त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय की आधारशिला रखेंगे। इस मौके पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल और विधानसभा अध्यक्ष शंकर चौधरी भी उपस्थित रहेंगे। बयान के अनुसार, इस विश्वविद्यालय का उद्देश्य सहकारी क्षेत्र की बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रशिक्षित और पेशेवर लोगों को तैयार करना है।

अगले सप्ताह से शुरू होगा हज-2026 के लिए आवेदन: रिजिजू

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को कहा कि हज-2026 की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं और एक सप्ताह बाद से आवेदन की प्रक्रिया शुरू होगी।

रिजिजू ने आज यहां हज समीक्षा बैठक के बाद पत्रकारों से कहा, 'हमने आज से आधिकारिक तौर पर हज-2026 की तैयारियां शुरू कर दी हैं। मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि हज-2025 को हाल के इतिहास में सबसे बेहतरीन तरीके से प्रबंधित और सबसे सफल हज यात्राओं में से एक माना जा सकता है। उन्होंने कहा कि पिछले साल और उससे पहले हज यात्रा के दौरान कई घटनाएं देखने को मिली। इस बार 64 लोगों की मौत हुई है और पिछले साल ये आंकड़ा 200 के ऊपर था। इस बार जिन 64 लोगों की मौत हुई है उनके अलग-अलग कारण हैं। हज कमिटी की व्यवस्था में कमी से किसी की जान नहीं गई है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एक हफ्ते बाद से हज- 2026 के आवेदन की प्रक्रिया शुरू होगी। मैं लोगों से अनुरोध करता हूं कि वे समय पर अपने आवेदन भरें ताकि भविष्य में उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। हज के दौरान पुरुष और महिलाओं के रहने के अलग-अलग व्यवस्था को लेकर सुझाव आये हैं जिस प्रकार सरकार विचार कर रही है।' उन्होंने कहा कि 65 साल से अधिक उम्र के व्यक्ति को हज यात्रा पर अपने साथ सहयोगी को ले जाना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि हज की प्रक्रिया में चालीस से 45 दिन का समय लगता है लेकिन कम दिनों में भी हज कराने पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हज के पांच दिन मुख्य होते हैं और इन पांच दिनों के अलावा पूरी प्रक्रिया को कम समय में पूरा करने पर विचार किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'हज पर जाने वाले यात्रियों के सिंगल नाम वालों को दिक्कतें आती ही हैं। अगर पासपोर्ट में सिंगल नाम है उसे ठीक कराने की आवश्यकता है ताकि वीजा प्रक्रिया में कोई दिक्कत न आये।'

रुस ने फिर किया यूक्रेन पर मिसाइल व ड्रोन से हमला, 23 लोग घायल

-यूक्रेनी राष्ट्रपति का दावा- 270 मिसाइलों को हवा में मार गिराया

कीव (एजेंसी)। रूस ने शुक्रवार सुबह यूक्रेन पर 500 मिसाइलों और ड्रोनों से हमला बोला। वहीं यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने दावा किया कि उसने रुस की 270 मिसाइलों को हवा में ही मार गिराया। इसके अलावा 330 शाहेद ड्रोन भी थे। इनमें से 208 ड्रोन को इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम के जरिए जाम कर दिया। इस हमले का सबसे बड़ा निशाना राजधानी कीव ही था। कीव के अलावा दिनप्रो, सुमी, खार्किव, चेर्निहिव और आसपास के इलाकों को भी नुकसान पहुंचाया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कीव के मेयर ने बताया कि इस हमले में कम से कम 23 लोग घायल हुए हैं और 14 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस हमले से कीव के कई इलाकों में अपार्टमेंट बिल्डिंग, दुकानों, एक स्कूल, अस्पताल, रेलवे लाइन और दूसरे जरूरी ढांचों को नुकसान पहुंचा है। धमाकों की आवाजें 3 जुलाई को रात 10 बजे से ही सुनाई देने लगी थीं और ये 4 जुलाई सुबह तक जारी रहीं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को फोन पर बात की थी। जनवरी में ट्रम्प के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद दोनों नेताओं ने छठी बार बातचीत की। रूस के मुताबिक दोनों नेताओं ने यूक्रेन, ईरान और अमेरिका-रूस संबंधों समेत कई मुद्दों पर बात की। इस दौरान पुतिन ने साफ कहा कि रूस, यूक्रेन वॉर की असल वजह को खत्म करके दम लेगा। उन्होंने कहा कि वे यूक्रेन के साथ बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन उसे नाटो में शामिल होने की जिद छोड़नी होगी और 2022 के बाद रूस ने जिन इलाकों पर कब्जा किया गया है उन्हें मान्यता देनी होगी। पुतिन के सीनियर एडवाइजर ने बताया कि ट्रम्प ने यूक्रेन वॉर जल्द खत्म करने की जरूरत पर जोर दिया। वहीं, पुतिन ने बातचीत के जरिए जंग का हल ढूंढने की कोशिश कर जोर दिया।

भाषा विवाद पर सीएम फडणवीस बोले- मराठी के नाम पर गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में मराठी भाषा के नाम पर हिंसा और जबरदस्ती के बढ़ते मामलों को लेकर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मराठी भाषा का सम्मान जरूरी है, लेकिन इसके नाम पर गुंडागर्दी और मारपीट को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दरअसल, हाल ही में मीरा रोड स्थित जोधपुर स्वीट शॉप के 48 वर्षीय मालिक के साथ महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कार्यकर्ताओं ने मारपीट की थी। वायरल वीडियो में मनसे कार्यकर्ता दुकानदार को थप्पड़ मारते हुए नजर आए थे। मनसे के कार्यकर्ताओं का आरोप था कि दुकानदार मराठी में बात नहीं कर रहा था और उसने भाषा का अपमान किया। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा, कि मराठी का गौरव हमारा अभिमान है, लेकिन गुंडागर्दी और कानून तोड़ने की इजाजत किसी को नहीं दी जाएगी। जो भी इस तरह की हरकत करेगा, उस पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि महाराष्ट्र में सभी भाषाएं और सभी नागरिकों को समान सम्मान मिलना चाहिए। यह राज्य कानून व्यवस्था और लोकतांत्रिक मूल्यों से चलता है, किसी की जबरदस्ती और हिंसा से नहीं।

मनसे का बयान- इस घटना के बाद मनसे ने अपनी कार्रवाई को भाषा की गरिमा की रक्षा बताते हुए जायज़ ठहराया था। उन्होंने कहा कि दुकानदार ने मराठी का अपमान किया। हालांकि अब मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए संदेश ने साफ कर दिया है कि भाषा के नाम पर हिंसा को कोई सरकारी समर्थन नहीं मिलेगा।

धर्म के मामलों पर बात नहीं करती सरकार, दलाई लामा उत्तराधिकार विवाद पर विदेश मंत्रालय ने किया साफ

नई दिल्ली । दलाई लामा संस्था के भविष्य के बारे में दलाई लामा द्वारा की गई हालिया टिप्पणियों के जवाब में भारत ने कहा है कि वह धार्मिक विश्वास या अभ्यास से संबंधित मामलों पर कोई रुख नहीं अपनाता है। विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस विषय पर मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि हमने दलाई लामा संस्था की निरंतरता के बारे में परम पावन दलाई लामा द्वारा दिए गए बयान से संबंधित रिपोर्ट देखी हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत सरकार ऐसे धार्मिक मामलों में शामिल नहीं होती है, तथा उन्होंने अपने दीर्घकालिक रुख की पुष्टि की।

जायसवाल ने कहा कि भारत सरकार आस्था और धर्म की मान्यताओं और प्रथाओं से संबंधित मामलों पर कोई रुख नहीं अपनाती है और न ही बोलती है। भारत की संवैधानिक प्रतिबद्धता को दोहराते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने हमेशा भारत में सभी के लिए धर्म की स्वतंत्रता को बरकरार रखा है और ऐसा करना जारी रखेगी।

चीन ने अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू की इस टिप्पणी पर आपत्ति जताई कि दलाई लामा को अपनी इच्छानुसार उत्तराधिकारी का चुनाव करना चाहिए। चीन ने भारत से तिब्बत से संबंधित मुद्दों पर सावधानी से काम करने का आह्वान किया, ताकि द्विपक्षीय संबंधों में सुधार पर इसका प्रभाव न पड़े। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने रीजीजू की टिप्पणियों को लेकर पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए यहां प्रेस वार्ता में कहा कि भारत को 14वें दलाई लामा की चीन विरोधी अलगाववादी प्रकृति के प्रति स्पष्ट होना चाहिए और 'शिजांग' (तिब्बत) से संबंधित मुद्दों पर अपनी प्रतिबद्धताओं का सम्मान करना चाहिए। चीन तिब्बत का उल्लेख 'शिजांग' के नाम से करता है।

त्रिनिदाद में भारतीय मूल के लोगों की छठी पीढ़ी को ओसीआई कार्ड जारी किए जाएंगे: मोदी

पोर्ट ऑफ स्पेन/नई दिल्ली (एजेंसी)। त्रिनिदाद और टोबैगो के दौरे पर गए पीएम नरेंद्र मोदी ने पोर्ट ऑफ स्पेन में प्रवासी भारतीयों के लिए बड़ा एलान किया। पीएम मोदी ने कहा कि त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीय मूल के छठी पीढ़ी के नागरिकों को अब ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया (ओसीआई) कार्ड मिलेगा। यह कार्ड मिल जाने के बाद प्रवासी भारतीय बिना किसी प्रतिबंध के भारत में रह सकेंगे और काम कर सकेंगे। पीएम मोदी ने पोर्ट ऑफ स्पेन में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीय प्रवासियों की छठी पीढ़ी को ओसीआई कार्ड दिए जाएंगे। हम सिर्फ खून या उपनाम से नहीं जुड़े हैं। अपनेपन से जुड़े हैं। भारत आपका स्वागत करता है और आपको गले लगाता है।

उन्होंने कहा कि मैं आप सभी को व्यक्तिगत रूप से भारत आने के लिए प्रोत्साहित करता हूं, न कि केवल सोशल मीडिया के माध्यम से वर्चुअल रूप से। आप अपने पूर्वजों के गांवों का दौरा करें। जिस मिट्टी पर वे चले थे, उस पर चलें। अपने बच्चों और पड़ोसियों को साथ लाएं। किसी को भी साथ लाएं जो चाय और एक अच्छी कहानी का आनंद लेना पसंद करता हो। हम आप सभी का खुले दिल, गर्मजोशी और जलेबी के साथ स्वागत करेंगे।

त्रिनिदाद और टोबैगो में शुरू हुआ यूपीआई

पीएम मोदी ने त्रिनदाद और टोबैगो को भारत के एकीकृत भुगतान इंटरफेस (UPI) सिस्टम को अपनाने वाले क्षेत्र के पहले देश बनने के लिए भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि मैं त्रिनिदाद और टोबैगो को UPI को अपनाने वाले क्षेत्र के पहले देश बनने के लिए बधाई देता हूं। अब पैसे भेजना गुड मॉर्निंग टेक्स्ट मैसेज भेजने जितना आसान होगा। मैं वादा करता हूं कि यह वेस्टइंडीज की गेंदबाजी से भी तेज होगा।

भारत बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था

भारत के तेजी से विकास पर प्रकाश डालते हुए पीएम मोदी ने कहा कि देश सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। लाखों लोगों को गरीबी से सफलतापूर्वक बाहर निकाला है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। जल्द ही हम दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो जाएंगे।

उन्होंने कहा कि भारत की वृद्धि और प्रगति का लाभ सबसे जरूरतमंदों तक पहुंच रहा है। भारत ने साबित कर दिया है कि हम गरीबों को सशक्त बनाकर गरीबी को हरा सकते हैं। विश्व बैंक ने उल्लेख किया है कि भारत ने पिछले दशक में 250 मिलियन से अधिक लोगों को अत्यधिक गरीबी से ऊपर उठाया है। भारत की वृद्धि हमारे नवोन्मेषी और ऊर्जावान युवाओं द्वारा संचालित की जा रही।

अंतरिक्ष अन्वेषण पर भी की बात

पीएम मोदी ने कहा कि मुझे यकीन है कि आप में से हर कोई भारत के विकास पर गर्व महसूस करता है। नए भारत के लिए, आकाश भी सीमा नहीं है। जब भारत का चंद्रयान-3 चंद्रमा पर उतरा था, तो आप सभी ने खुशी मनाई होगी। हमने उस स्थान का नाम 'शिव शक्ति बिंदु' रखा है। हम बात करते समय एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर सवार है। हम अब एक मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन, 'गगनयान' पर काम कर रहे हैं। जल्द ही, एक भारतीय चाँद पर चलेगा, और भारत का अपना अंतरिक्ष स्टेशन होगा... हम सिर्फ़ तारे नहीं गिनते, हम 'आदित्य' मिशन जैसे मिशन के ज़रिए उन तक पहुंचने की कोशिश करते हैं... चांद हमसे दूर नहीं है... अंतरिक्ष में भारत की उपलब्धियाँ सिर्फ़ हमारी नहीं हैं, हम इसके फल बाकी दुनिया के साथ साझा कर रहे हैं।

26 साल बाद कोई भारतीय पीएम त्रिनिदाद एंड टोबैगो की यात्रा पर

इससे पहले त्रिनिदाद एंड टोबैगो पहुंचे पीएम मोदी के दौरे की अहमियत को रेखांकित करते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, भारत के प्रधानमंत्री अपनी ऐतिहासिक यात्रा पर राजधानी पोर्ट ऑफ स्पेन पहुंचे। एयरपोर्ट पर उनका स्वागत प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर और उनके अन्य कैबिनेट मंत्रियों ने किया। भारत की तरफ से यह यात्रा ऐतिहासिक है क्योंकि 26 साल बाद कोई प्रधानमंत्री यहां आया है।

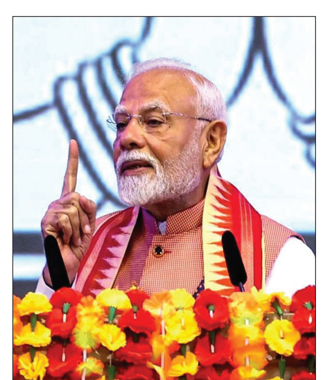

संक्षिप्त समाचार

कोलंबिया यूनिवर्सिटी पर साइबर हमला, छात्र डेटा चोरी और नेटवर्क ठप

बोगोटा, एजेंसी। अमेरिका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी पर 24 जून को एक राजनीतिक मकसद से किया गया साइबर हमला हुआ, जिसमें हैकर ने बड़ी मात्रा में छात्रों के दस्तावेज चुरा लिए और कुछ समय के लिए यूनिवर्सिटी की कंप्यूटर सेवाएं बंद कर दीं। इस दौरान छात्रों और स्टाफ को ईमेल, ऑनलाइन क्लास और वीडियो कॉल सेवाओं से कई घंटों तक बाहर कर दिया गया। हमले के दिन यूनिवर्सिटी परिसर के कई सार्वजनिक स्क्रीन पर अचानक पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुस्कुराती हुई तस्वीरें दिखने लगीं। हालांकि, यह साफ नहीं है कि ट्रंप की तस्वीरें इस डेटा चोरी से जुड़ी थीं या नहीं। यूनिवर्सिटी के प्रवक्ता ने बताया कि यह हमला एक हैक्टिविस्ट (राजनीतिक मकसद वाला हैकर) द्वारा किया गया, जिसने निजी छात्र रिकॉर्ड तक पहुंच बनाई। उसका मकसद किसी राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाना बताया गया है। फिलहाल यूनिवर्सिटी जांच कर रही है कि कितनी जानकारी चोरी हुई और किस पर असर पड़ा। यह हमला ऐसे वक्त में हुआ है जब ट्रंप प्रशासन ने कोलंबिया यूनिवर्सिटी पर यह आरोप लगाया है कि वह यहूदियों (छ्वद्द2द्बह्यद्ध छात्रों) की सुरक्षा नहीं कर पा रही, और इसके चलते 400 मिलियन (करीब 3,300 करोड़ रुपये) की संघीय फंडिंग रोकने की धमकी दी गई है। यूनिवर्सिटी और सरकार के बीच समझौते को लेकर बातचीत जारी है।

गाजा से रिहा हुए आखिरी अमेरिकी बंधक एडन अलेक्जेंडर से व्हाइट हाउस में मिलेंगे डोनाल्ड ट्रंप और मेलानिया

गाजा , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी पत्नी मेलानिया ट्रंप गुरुवार को व्हाइट हाउस में एडन अलेक्जेंडर से मुलाकात करेंगे, जो गाज़ा से रिहा होने वाले अंतिम जीवित अमेरिकी बंधक हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बयान में कहा, राष्ट्रपति और फर्स्ट लेडी पहले भी गाज़ा से रिहा हुए कई बंधकों से मिल चुके हैं, और वे एडन अलेक्जेंडर और उनके परिवार से ओवल ऑफिस में मिलने को लेकर उत्साहित हैं। एडन अलेक्जेंडर, ज अब 21 साल के हैं, न्यू जर्सी के रहने वाले अमेरिकी-इजराइली नागरिक हैं। उन्होंने 2022 में हाई स्कूल के बाद इज़राइल जाकर सेना में भर्ती ली थी। अक्टूबर 2023 में जब हमास के आतंकियों ने उनकी सेना की चौकी पर हमला किया, तब वह 19 साल के थे। हमास ने उन्हें बंधक बनाकर गाजा ले जाया।

तुर्किये में पैंगबर मोहम्मद के कार्टून पर बवाल, 4 गिरफ्तार

अंकारा , एजेंसी। तुर्किये में पैंगबर मोहम्मद के कार्टून पर बवाल मच गया है। कार्टून के विरोध में पूरे तुर्किये में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। विवाद बढ़ने के बाद कोर्ट के आदेश पर बुधवार को कार्टूनिस्ट डोगन पेहलवन समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। मंत्री यिलमाज तुनक ने बताया कि राष्ट्रपति रेसेप तय्यिप एर्दोआन ने कार्टून की कड़ी निंदा की थी। डोगन पर अपने कार्टून से नफरत फैलाने और राष्ट्रपति का अपमान करने के आरोप हैं, हालांकि उन्होंने इससे इन्कार किया है।

यूरोप में भीषण गर्मी जारी, स्पेन के जंगल में लगी आग से दो किसानों की मौत

मैड्रिड, एजेंसी। यूरोप में चल रही भीषण गर्मी के कारण स्पेन के उत्तर-पूर्वी इलाके कैटलोनिया में मंगलवार रात एक भयानक जंगल की आग भड़क उठी। इस आग ने अब तक 6,500 हेक्टेयर (लगभग 16,000 एकड़) गेहूं के खेत को जलाकर राख कर दिया है। यह आग इतनी बड़ी थी कि इससे उठने वाला धुआं और राख का गुबार आसमान में 14,000 मीटर तक फैल गया। स्थानीय प्रशासन ने बताया कि आग से बचने की कोशिश में दो किसानों की मौत हो गई, जो वाहन से भागने की कोशिश कर रहे थे। कैटलोनिया के क्षेत्रीय प्रमुख सल्वादोर इला ने कहा कि आज की जंगल की आग पहले जैसी नहीं रही। ये बेहद खतरनाक हैं। शुरुआत से ही ये आग नियंत्रण से बाहर थी, यहां तक कि अगर तीन गुना ज्यादा दमकलकर्मी होते, तब भी इसे बुझा पाना मुश्किल था। मंगलवार रात आई एक बारिश ने हालात सुधारने में मदद की और आग को स्थिर करने में तेजी लाई। हालांकि, इस दौरान दो दमकलकर्मी घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया।

अमेरिका में ट्रंप का शरणार्थियों पर लगाया गया प्रतिबंध अवैध करार

वाशिंगटन, एजेंसी। एक अमेरिकी संघीय न्यायाधीश ने बुधवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अमेरिका-मेक्सिको सीमा पर शरण पाने पर लगाए गए प्रतिबंध को गैरकानूनी करार दिया है। यह फैसला ट्रंप की आव्रजन (माइग्रेशन) पर सख्ती की योजना के एक अहम हिस्से को झटका देने वाला माना जा रहा है। हालांकि, न्यायाधीश ने अपने फैसले को 16 जुलाई तक के लिए रोक दिया है, ताकि सरकार अपील कर सके। दरअसल, ट्रंप ने 20 जनवरी को एक आदेश जारी कर कहा था कि दक्षिणी सीमा पर हो रही गतिविधि अमेरिका पर आक्रमण के समान है। इसलिए उन्होंने सीमा पर आने वाले प्रवासियों के प्रवेश और उन्हें शरण देने की प्रक्रिया को रोक दिया था।

शुभांशु के बाद अब अनिल मेनन भी जाएंगे अंतरिक्ष स्टेशन, 8 महीने बिताएंगे

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की स्पेस एजेंसी नासा जून 2026 में अपना पहला स्पेस स्टेशन मिशन लॉन्च करने जा रही है जिसके लिए भारतीय मूल के अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन का चयन हुआ है। मेनन जून 2026 में रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कॉसमॉस के सोयूज एमएस-29 यान से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए उड़ान भरेंगे। इस मिशन में वे फ्लाइट इंजीनियर और एक्सपीडिशन 75 के क्रू सदस्य के रूप में शामिल होंगे। इस अभियान में रोस्कॉसमॉस के दो अंतरिक्ष यात्री भी शामिल रहेंगे। टीम आठ महीनों तक आईएसएस में अनुसंधान करेगी। अनिल की पत्नी अन्ना मेनन भी अंतरिक्ष मिशन से जुड़ी हैं। वे 2024 में एक निजी स्पेसवॉक मिशन में शामिल हुई थीं। वे स्पेसएक्स में प्रमुख अंतरिक्ष संचालन इंजीनियर हैं। बच्चों के लिए किसेस फ्रॉम स्पेस किताब लिख चुकी हैं। मेनन को 2021 में नासा ने अंतरिक्ष यात्री चुना था। मिनियापोलिस में जन्मे और पले-बढ़े मेनन आपातकालीन चिकित्सा विशेषज्ञ, मैकेनिकल इंजीनियर और स्पेस फोर्स के कर्नल हैं। उनके पिता भारतीय और मां यूक्रेनी मूल की हैं।

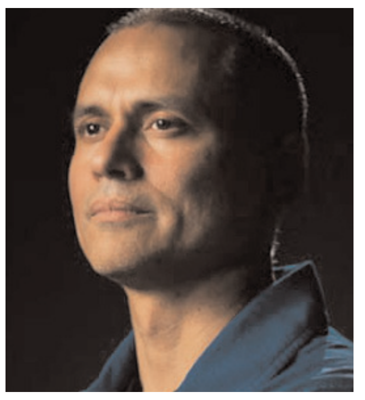

कौन हैं अनिल मेनन : अनिल मेनन साल 2021 में नासा के अंतरिक्ष यात्री के तौर पर चयनित हुए थे। मेनन ने साल 2024 में 23वीं एस्ट्रोनॉट कक्षा से स्नातक किया था। अपनी अंतरिक्षयात्री की ट्रेनिंग पूरी करने के बाद ही अनिल मेनन ने अपने पहले अंतरिक्ष मिशन की तैयारी शुरू कर दी थी। अनिल मेनन का जन्म अमेरिका के मिनियोपोलिस में हुआ और वे वहीं पले-बढ़े हैं। मेनन पेशे से एक आपातकालीन मेडिसिन फिजीशियन और मैकेनिकल इंजीनियर हैं। वे अमेरिका की स्पेस फोर्स में कर्नल के पद पर भी तैनात हैं। अनिल मेनन के माता-पिता भारतीय और यूक्रेनी मूल के हैं। मेनन के पास हार्वर्ड यूनिवर्सिटी से न्यूरोबायोलॉजी की डिग्री है। उन्होंने कैलिफोर्निया की स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से मैकेनिकल इंजीनियर और मेडिकल की भी डिग्री हासिल की है। मेनन ने स्टैनफोर्ड से आपातकालीन मेडिसिन और एयरोस्पेस मेडिसिन की पढ़ाई की और वे टेक्सास मेडिकल सेंटर के मेमोरियल हर्मन अस्पताल में आपात मेडिसिन विभाग में बतौर डॉक्टर काम करते हैं। मेनन यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास में डॉक्टर्स को पढ़ाते भी हैं। मेनन ने मस्क की कंपनी स्पेसएक्स में पहले फ्लाइट सर्जन के रूप में भी काम किया और ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट के पहले क्रू की भी लॉन्चिंग में मदद की। स्पेसएक्स के मेडिकल संगठन से भी मेनन जुड़े हैं, जो भविष्य में अंतरिक्ष यात्रियों की मदद के लिए काम करता है। करीब 25 वर्षों से वैज्ञानिक और अंतरिक्षयात्री अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन पर रहकर शोध कार्य कर रहे हैं ताकि भविष्य में इन शोध का फायदा धरती पर भी लोगों को मिल सके। नासा चंद्रमा और नासा मिशन के लिए काम कर रहा है। साथ ही पृथ्वी की निचली कक्षा में भी व्यापारिक अवसर देख रहा है।

एस्टोनिया में रेस्तरां और सुपरमार्केट में आग लगाने की साजिश का खुलासा

टालिन, एजेंसी। एस्टोनिया की एक अदालत ने बुधवार को कहा कि पिछले साल एक रेस्तरां और सुपरमार्केट में आग लगाने की घटना रूस की खुफिया एजेंसी जीआरयू द्वारा करवाई गई थी। यह हमला यूरोप में हुई कई ऐसी घटनाओं में से एक है, जिनके पीछे रूस का हाथ होने का शक पश्चिमी देशों ने जताया है। इन घटनाओं का मकसद पश्चिमी देशों के भीतर डर और अस्थिरता फैलाना और यूक्रेन के समर्थन को कमजोर करना है।

दो मौल्दोवा नागरिकों को सजा : एस्टोनिया के हरजु काउंटी कोर्ट ने बताया कि इस आगजनी की घटना को दो मौल्दोवा के नागरिकों ने अंजाम दिया। दोनों आपस में चचेरे भाई हैं और दोनों का नाम इवान चिहाईल है। एक को 6 साल 6 महीने की सजा दी गई है। दूसरे को 2 साल 6 महीने की सजा मिली है, क्योंकि वह सिर्फ साथ था लेकिन उसे जीआरयू के बारे में जानकारी नहीं थी।

आग कैसे लगाई गई थी : कोर्ट ने बताया कि जनवरी 2024 में पहले आरोपी ने जीआरयू के कहने पर ट्रायल के तौर पर दक्षिण-पूर्वी एस्टोनिया के ओसूला गांव में एक सीओ -ओपी सुपरमार्केट में आग लगाई। अगले दिन उसे राजधानी टालिन में स्लावा यूक्राइना नामक रेस्तरां को जलाने का आदेश मिला। 31 जनवरी की रात, दोनों भाइयों ने मिलकर रेस्तरां की खिड़की तोड़ी, पेट्रोल डाला, एक बैग में पेट्रोल कैन रखकर उसमें आग लगाई और फिर देश से भाग निकले।

प्रिंस विलियम और प्रिंसेस केट मिडलटन के अधिकार बढ़े, रॉयल वारंट जारी करने की मिली शक्ति

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के राजकुमार विलियम और राजकुमारी केट मिडलटन को राजा चार्ल्स ने नए अधिकार और शक्तियां दी हैं। किंग चार्ल्स ने दोनों को रॉयल वारंट जारी करने की शक्ति दी है। शाही परिवार को सामान की आपूर्ति करने वाली और सेवा देने वाली कंपनियों या व्यक्ति विशेष को यह सम्मान दिया जाता है। अभी तक प्रिंस विलियम और केट मिडलटन के पास यह शक्ति नहीं थी।

केट मिडलटन को 115 साल के इतिहास में पहली बार मिला ये अधिकार : रॉयल परिवार की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, केट मिडलटन पहली राजकुमारी हैं, जिन्हें 115 साल के इतिहास में पहली बार रॉयल वारंट जारी करने की शक्ति मिली है। केट मिडलटन से पहले क्वीन मैरी के पास ये शक्ति थि। क्वीन मैरी के पति जॉर्ज पंचम 1910 में ब्रिटेन के राजा बने थे। साल 1980 में प्रिंस ऑफ वेल्स रहते हुए किंग चार्ल्स को यह अधिकार मिला था। हालांकि उनकी तत्कालीन पत्नी राजकुमारी डायना को यह अधिकार नहीं मिला था। प्रिंस ऑफ वेल्स के निजी सचिव सर इयान पैट्रिक ने भी प्रिंस विलियम और प्रिंसेस केट मिडलटन को रॉयल वारंट जारी करने की शक्ति मिलने की पुष्टि की। जिनके पास अभी रॉयल वारंट है, वे इस महीने के अंत तक इसे फिर से रिन्यू कराया जा सकेगा। वहीं जो नए रॉयल वारंट के लिए आवेदन करना चाहते हैं, वे अगले साल की शुरुआत में आवेदन कर सकेंगे। रॉयल वारंट के लिए आवेदन करने वाली कंपनी को पांच या सात साल के लिए शाही परिवार को सेवा प्रदान करनी होती है। रॉयल वारंट एक सम्मान है।

कमला हैरिस बन सकती हैं कैलिफोर्निया की गवर्नर, सर्वे में मिली जबरदस्त बढ़त

कैलिफोर्निया, एजेंसी। अमेरिका की पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस अगर 2026 में कैलिफ़ोर्निया की गवर्नर रेस में उतरती हैं तो उन्हें पहले से ही मजबूत जन समर्थन हासिल है। यह दावा यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफ़ोर्निया, इरविन के स्कूल ऑफ सोशल इकोलॉजी द्वारा जारी एक नए सर्वे में किया गया है। कमला हैरिस को डेमोक्रेटिक प्रत्याशियों में 24प्रतिशत वोटरों का समर्थन मिला है। दूसरे स्थान पर रियल एस्टेट कारोबारी रिक कारुसो हैं, जिन्हें सिर्फ 9प्रतिशत समर्थन मिला। 40प्रतिशत मतदाता अभी अपना मत तय नहीं कर पाए हैं। एक अनाम रिपब्लिकन के खिलाफ हैरिस को 41प्रतिशत समर्थन मिलता दिख रहा है। वहीं 29प्रतिशत मतदाता रिपब्लिकन के पक्ष में हैं, 16प्रतिशत ने अपना स्टैंड अभी साफ नहीं किया है। 14प्रतिशत वोटर वोट नहीं देंगे। कमला हैरिस ने अभी तक आधिकारिक रूप से चुनाव लड़ने की घोषणा नहीं की है, लेकिन वह जुलाई-अगस्त के अंत तक निर्णय लेने की तैयारी में हैं। उन्होंने अपने पुराने समर्थकों से बातचीत शुरू कर दी है। हालांकि, कुछ लोग 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में उनकी हार को देखते हुए संकोच में हैं।

म्यांमार में सुबह-सुबह 4.1 की तीव्रता से कांपी धरती, भूकंप के झटकों से दहशत में आए लोग

नाएप्यीडॉ , एजेंसी। म्यांमार में गुरुवार को सुबह-सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 4.1 मापी गई। भूकंप के झटके इतने तेज थे कि लोग दहशत में आए गए और अपने घरों से बाहर आ गए। सड़कों पर लोगों के बीच अफरातफरी देखी गई। नेशनल सेंटर ऑफ सीस्मोलॉजी की रिपोर्ट के अनुसार, गुरूवार सुबह 6.10 बजे आए भूकंप का केंद्र 10 किमी की उथली गहराई पर था।

एनसीएस के मुताबिक, उथले भूकंप आमतौर पर गहरे भूकंपों की तुलना में अधिक खतरनाक होते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि उथले भूकंपों से भूकंपीय तरंगों को सतह तक आने के लिए कम दूरी होती है, जिसके कारण जमीन में अधिक कंपन होता है और संभावित रूप से संरचनाओं को अधिक नुकसान होता है।

बता दें कि म्यांमार मध्यम और बड़ी तीव्रता के भूकंपों के खतरों के प्रति संवेदनशील है। यहां अक्सर भूकंप आते रहते हैं। इससे पहले 1 जुलाई को रिक्टर स्केल पर 4.2 तीव्रता का एक और भूकंप 135 किलोमीटर की गहराई पर आया था। इसी साल 28 मार्च को 7.7 तीव्रता के भूकंप ने म्यांमार में भीषण तबाही मचाई थी। इस भूकंप में 3500 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। भूकंप का केंद्र मेंडले और सेगेंग शहरों की सीमा पर जमीन के 10 किलोमीटर भीतर था। भूकंप के

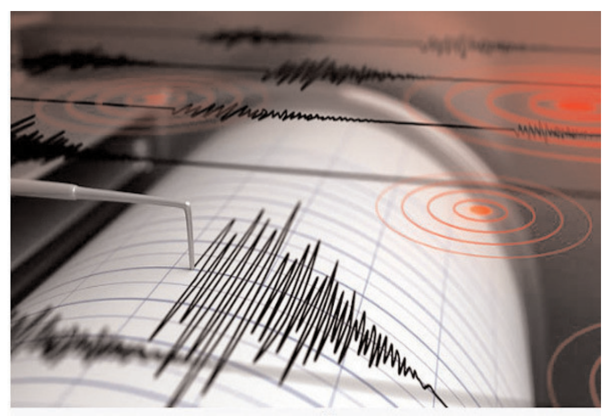

चलते बुनियादी ढांचे, सड़कें और रिहायशी इमारतों को भारी नुकसान हुआ। भूकंप के झटके न सिर्फ म्यांमार बल्कि पड़ोसी देशों में भी महसूस किए गए। थाईलैंड का चियांग मेई शहर में भी इस भूकंप के चलते काफी नुकसान हुआ।

जानें क्यों आता है भूकंप? धरती मुख्य तौर पर चार परतों से बनी होती हैं। इनर कोर, आउटर कोर, मैनटल और क्रस्ट। क्रस्ट और ऊपरी मैन्टल कोर को लिथोस्फेयर कहते हैं। ये 50 किलोमीटर की मोटी परत कई वर्गों में बंटी हुई है जिसे टेक्टोनिक प्लेट्स कहते हैं। ये टेक्टोनिक प्लेट्स अपनी जगह पर कंपन करती रहती हैं और जब इस प्लेट में बहुत ज्यादा कंपन हो जाती हैं, तो भूकंप महसूस होता है। भूकंप के केंद्र और तीव्रता का क्या मतलब है? भूकंप का केंद्र वह स्थान होता है जिसके ठीक नीचे प्लेटों में हलचल से धरती हिलने लगती है। इस स्थान पर या इसके आसपास के क्षेत्रों में भूकंप का असर ज्यादा होता है। अगर रिक्टर स्केल पर 7 या इससे अधिक की तीव्रता वाला भूकंप है तो आसपास के 40 किमी के दायरे में झटका तेज होता है।

दिल्ली से वॉशिंगटन जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट में तकनीकी खराबी, वियना में रोकने के बाद की गई रद्द

वियना, एजेंसी। दिल्ली से वॉशिंगटन जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट में अचानक तकनीकी खराबी आ गई। वियना में ईंधन भरने के लिए फ्लाइट के ठहराव के बाद खराबी का पता चला। इसके बाद फ्लाइट को रद्द कर दिया। एयरलाइन ने विमान से वॉशिंगटन के लिए यात्रा कर रहे यात्रियों को वियना में उतारकर वैकल्पिक सुविधा के जरिये यात्रा कराई गई। साथ ही पूर्ण धनवापसी की पेशकश की गई। इसके अलावा एअर इंडिया की वॉशिंगटन डीसी से वियना के रास्ते नई दिल्ली आने वाली फ्लाइट को भी रद्द कर दिया गया।

एअर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि दो जुलाई को नई दिल्ली से वॉशिंगटन डीसी जा रहे विमान संख्या‚ढ्ढ103 को वियना में ईंधन भरने के लिए रोका गया था। ईंधन भरने के दौरान नियमित जांच के वक्त विमान तकनीकी खराबी का पता लगा। इस खराबी को ठीक करने के लिए अतिरिक्त समय की जरूरत थी। इसके कारण विमान की वियना से वाशिंगटन डीसी तक की यात्रा रद्द कर दी गई और

यात्रियों को उतार दिया गया।

वीजा-मुक्त प्रवेश के लिए पात्र यात्रियों या वैध शेंगेन वीजा वाले यात्रियों को अगली उपलब्ध उड़ान तक वियना में होटल में रहने की सुविधा प्रदान की गई। जबकि प्रवेश की अनुमति के बिना वाले यात्रियों के लिए ऑस्ट्रियाई अधिकारियों की ओर से आव्रजन और सुरक्षा मंजूरी मिलने तक रहने की व्यवस्था की जा रही है।

इसके बाद वॉशिंगटन डीसी से वियना होते हुए दिल्ली जाने वाली उड़ान AIv04 भी रद्द कर दी गई और प्रभावित यात्रियों को दिल्ली के लिए वैकल्पिक उड़ानों में बुक किया गया। साथ ही उनकी प्राथमिकताओं के आधार पर पूरा रिफंड दिया गया। एअर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि असुविधा के लिए गहरा खेद है और वह सभी यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा को प्राथमिकता देने के लिए प्रतिबद्ध है। यह निर्णय उड़ान से पहले सुरक्षा जांच पहल के तहत लिया गया था।

एअर इंडिया और इसकी सहायक कंपनी एअर इंडिया एक्सप्रेस रोज 1100 से अधिक उड़ानें संचालित करती है। इसमें 150,000 से अधिक यात्री यात्रा करते हैं। एयरलाइन ने हवाई क्षेत्र बंद होने, यूरोप और पूर्वी एशिया में हवाईअड्डों पर प्रतिबंध और हवाई यातायात की भीड़ जैसे कारकों के कारण चुनौतियों को स्वीकार किया। एअर इंडिया ने पहले घोषणा की थी कि वह सुरक्षित संचालन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को बनाए रखने के लिए स्वेच्छा से बढ़ी हुई उड़ान पूर्व सुरक्षा जांच करेगी और सेवाओं को अस्थायी रूप से कम करेगी।

इंडोनेशिया के बाली द्वीप के पास जहाज डूबा, 65 लोगों को ले जा रहा था, 4 की मौत, 38 लापता

बाली, एजेंसी। इंडोनेशिया के बाली रिसॉर्ट द्वीप के पास गुरुवार को 65 लोगों को ले जा रही एक जहाज के डूबने से 4 लोगों की मौत हो गई और 29 को बचा लिया गया है। जबकि 32 लोग अब भी लापता हैं। केएमपी टुनु प्रतामा जया नामक ये जहाज पूर्वी जावा के केतापांग बंदरगाह से बाली के गिलिमानुक बंदरगाह जा रही थी, यह 50 किलोमीटर का सफर था। रवाना होने के करीब 30 मिनट बाद यह डूब गई। जहाज पर करीब 53 यात्री और 12 चालक दल के सदस्य सवार थे, साथ ही 22 वाहन भी थे, जिनमें कई ट्रक भी शामिल थे। स्थानीय पुलिस और जांच एजेंसी जहाज के डूबने के कारणों का पता कर रही है।

लापता लोगों की तलाश कर रही एजेंसी : सुरबाया बचाव एजेंसी ने गुरुवार को एक बयान में कहा- जहाज स्थानीय समयानुसार रात के लगभग 11 बजकर 20 मिनट पर डूबी। बचाव के लिए नौ बोट जिनमें टगबोट और इन्फ्लेटेबल जहाज शामिल हैं, सक्रिय रूप से लापता लोगों की तलाश कर रही हैं। दो मीटर तक ऊंची लहरों के कारण बचाव दल को लोगों को ढूंढने में परेशानी हो रही है। राष्ट्रीय खोज और बचाव एजेंसी का कहना है कि जब तक सभी लापता लोगों का पता नहीं चल जाता, तब तक प्रयास जारी रहेंगे।

3 जनवरी को बोट डूबने से 8 की मौत हुई थी : इंडोनेशिया के मालुकु में 3 जनवरी 2025 को एक स्पीडबोट 2 नोना डूब गई थी। यह बोट सेराम भागियन बारात से अम्बोन जा रही थी। रास्ते में यह एक तैरते लकड़ी के लट्ठे से टकरा गई, जिससे इसका पतवार टूट गया और यह डूब गई। बोट में 30 यात्री सवार थे, जिनमें से 8 की मौत हो गई और कई गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष लेयेन की बढ़ीं मुश्किलें, सांसदों ने पेश किया अविश्वास प्रस्ताव; 10 जुलाई को मतदान

ब्रुसेल्स, एजेंसी। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन की मुश्किलें बढ़ गई हैं। लेयेन के खिलाफ दक्षिणपंथी यूरोपीय सांसदों ने अविश्वास प्रस्ताव पेश किया है। इस प्रस्ताव पर 10 जुलाई को मतदान होगा। हालांकि अविश्वास प्रस्ताव के असफल होने की संभावना है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन पर कोविड टीकों की खरीद मामले और रोमानिया के राष्ट्रपति चुनाव में हस्तक्षेप करने के आरोप लगे हैं। इसके बाद लेयेन के खिलाफ यूरोपीय सांसदों ने अविश्वास प्रस्ताव पेश किया है। इस प्रस्ताव पर मतदान की तिथि तय करने के लिए जरूरी कम से कम 72 सांसदों के हस्ताक्षर हो चुके हैं। अब सांसद सोमवार को स्ट्रासबर्ग में अविश्वास प्रस्ताव पर बहस करेंगे। अविश्वास प्रस्ताव लाने वाले रोमानिया एमईपी घोरघे पिपेरेया ने कोविड के दौरान फाइजर की सीईओ अल्बर्ट बौर्ला के साथ चैट को लेकर वॉन डेर लेयेन की पारदर्शिता की कमी की आलोचना की। पिपेरेया ने यूरोपीय आयोग पर रोमानिया के राष्ट्रपति चुनाव में हस्तक्षेप करने का भी आरोप लगाया। हालांकि लेयेन के अविश्वास प्रस्ताव हारने की संभावना कम हैं। क्योंकि पिपेरेया की अपनी ही पार्टी ईसीआर ने पहले ही अविश्वास प्रस्ताव से खुद को अलग कर लिया है। पार्टी के प्रवक्ता ने कहा कि यह हमारी पहल नहीं है। प्रस्ताव को पारित कराने के लिए पूर्ण बहुमत यानि 720 में 361 वोटों की जरूरत होगी। 2024 में उर्सुला वॉन डेर लेयेन यूरोपीय आयोग की दूसरी बार अध्यक्ष बनीं थीं। टीका मामले में लगे यह आरोप साल 2021 में यूरोपीय संसद के

कुछ सदस्यों ने यूरोपीय आयोग से कोविड टीकों को लेकर समझौतों का पूरा विवरण मांगा था, लेकिन आयोग केवल कुछ अनुबंधों और दस्तावेजों तक आंशिक पहुंच प्रदान करने के लिए सहमत हुआ, जिन्हें संशोधित संस्करणों में ऑनलाइन रखा गया था। इसने यह बताने से भी इनकार कर दिया कि उसने अरबों खुराकों के लिए कितना भुगतान किया, यह तर्क देते हुए कि गोपनीयता कारणों से अनुबंधों को संरक्षित किया गया था। इस पर यूरोपीय संघ की अदालत ने भी कहा था कि यूरोपीय आयोग ने महामारी के दौरान दवा कंपनियों के साथ किए गए कोविड-19 वैक्सीन खरीद समझौतों के बारे में जनता को पर्याप्त जानकारी नहीं दी।

ऑस्ट्रेलिया में साइबर अपराध, एयरलाइन ग्राहकों का डाटा चोरी :

कैनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई एयरलाइन क्वांटास ने कहा है कि साइबर अपराधियों ने उसके ग्राहकों का डाटा चोरी किया है। कंपनी की तरफ से जारी एक बयान के मुताबिक एक हैकर ने यात्रियों के नाम, ईमेल, फोन नंबर, जन्मतिथि और फ्रीक्वेंट फ्लायर नंबर जैसे निजी डाटा चुराए हैं। बुधवार को जारी बयान के मुताबिक अपराधी ने सोमवार को उसके एक कॉल सेंटर को निशाना बनाया। कंपनी के पास करीब 60 मिलियन यात्रियों का रिकॉर्ड है। क्वांटास ने इस मामले में ग्राहकों से माफी मांगी है। कंपनी ने कहा, जिस सिस्टम में सेंध लगाई गई थी, उसमें क्रेडिट कार्ड और पासपोर्ट विवरण या अन्य व्यक्तिगत वित्तीय जानकारी नहीं थी। ऑस्ट्रेलिया की सबसे बड़ी एयरलाइन क्वांटास ने कहा कि साइबर अपराधियों के इस कृत्य के बाद विमान परिचालन या सुरक्षा पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। सीईओ वैनेसा हडसन ने कहा कि सुरक्षा उपायों को और कड़ा कर दिया गया है। ऑस्ट्रेलियाई साइबर और डाटा गोपनीयता प्राधिकरणों और संघीय पुलिस को इसकी सूचना दे दी गई है।

सीवरेज से निकले गंदे पानी को ट्रीट कर 140 करोड़ में इंडस्ट्री को बेचता है सूरत नगर निगम

चंडीगढ़। सीवर से निकले गंदे पानी से करोड़ों रुपए कमाए जा सकते हैं ऐसा हम सोच भी नहीं सकते लेकिन सूरत नगर निगम ने ऐसा करके दिखाया है। गटर से निकले पानी को ट्रीट करके एक-दो करोड़ में नहीं बल्कि 140 करोड़ में वहां लगे उद्योगों को बेचा जा रहा है। इससे नगर निगम को रिवेन्यू का लाभ भी मिल रहा है। मानेसर में आयोजित शहरी स्थानीय निकायों के अध्यक्षों के राष्ट्रीय सम्मेलन में संबोधित करते हुए सूरत नगर निगम के कमिश्नर शालिनी अग्रवाल ने यह सक्सेस स्टोरी सभी को सुनाई। उन्होंने बताया कि सूरत विश्व भर में डायमंड सिटी के नाम से जाना जाता है। इसके साथ-साथ यहां बड़े पैमाने पर टेक्सटाइल इंडस्ट्री और सोलर प्लेट की यूनिट भी स्थापित हैं। सूरत शहर से हर रोज बड़ी मात्रा में पानी इस्तेमाल किया जाता है। गंदा पानी सीवरेज के माध्यम से ट्रीटमेंट प्लांट तक पहुंचता है। 115 एमएलडी क्षमता के तीन ट्रीटमेंट प्लांट इस पानी को ट्रीट करते हैं और इस शहर के उद्योगों को भेजा जाता है।

इससे करीब 140 करोड़ रुपये के रिवेन्यू का लाभ मिलता है। अभी महज 33 प्रतिशत पानी ट्रीट किया जा रहा भविष्य में 450 करोड़ का रिवेन्यू लेने का लक्ष्य नगर निगम की कमिश्नर शालिनी अग्रवाल ने बताया कि अभी शहर से निकलने वाले महज 33 प्रतिशत पानी को ट्रीट किया जा रहा है। भविष्य में इसे बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। वर्ष 2030 में 70 प्रतिशत और 2035 तक 100 प्रतिशत गंदे पानी को ट्रीट करने का लक्ष्य रखा गया है। इससे 450 करोड़ रुपये का रिवेन्यू प्राप्त होगा। उन्होंने बताया कि ट्रीटेड पानी को न केवल उद्योगों बल्कि कंस्ट्रक्शन के कार्य में भी इस्तेमाल किया जाता है। इस पानी को टैंकर के माध्यम से कंस्ट्रक्शन साइट तक भेजा जाता है। नगर निगम की कमिश्नर शालिनी अग्रवाल ने बताया कि शहर में इंटिग्रेटिड वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम बनाया गया है। महज एक क्लिक करके कोई भी कंस्ट्रक्शन वेस्ट को वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट तक भेज सकता है। जैसे ही कोई ऑनलाइन रिक्वेस्ट डालेगा यूनिट से कंस्ट्रक्शन वेस्ट उठाया जाएगा। उन्होंने बताया कि पांचवे नेशनल वॉटर डे पर सूरत नगर निगम को सम्मानित भी किया जा चुका है। सूरत नगर निगम आम नागरिकों के लिए निरंतर बेहतर कार्य कर रहा है।

वैश्विक बाजार में उत्तर प्रदेश की शान बढ़ा रही हैं विभिन्न प्रकार के आमों की किस्में: सीएम योगी

कौमी पत्रिका

लखनऊ, 4 जुलाई। मुख्यमंत्री योगी ने लखनऊ के अवध शिल्प ग्राम, अवध विहार योजना, सेक्टर 9, में तीन दिवसीय 'उत्तर प्रदेश आम महोत्सव 2025' का शुभारंभ किया। इस महोत्सव में देशभर के बागानों से चुनकर लाए गए 800 से अधिक किस्मों के आमों की प्रदर्शनी ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि हमारे बागवानों ने जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग की चुनौतियों के बावजूद तकनीक का उपयोग कर शानदार प्रदर्शन किया है। ढाई से तीन किलो के आमों की किस्में देखकर आश्चर्य होता है, जो न केवल स्वाद में बेजोड़ हैं, बल्कि वैश्विक बाजार में भी उत्तर प्रदेश की शान बढ़ा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आम महोत्सव न केवल किसानों की आमदनी ब ?ाने का माध्यम है, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी के आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के विजन को साकार करने की दिशा में एक ठोस प्रयास है। उन्होंने कहा कि आम उत्पादन को वैश्विक स्तर पर पहुंचाने के लिए लखनऊ, अमरोहा, सहारनपुर और वाराणसी में चार आधुनिक पैक हाउस स्थापित किए गए हैं। इन पैक हाउसों के माध्यम से आम की गुणवत्ता, वैरायटी और एक्सपोर्ट के मानकों की जानकारी किसानों को दी जाती है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आम महोत्सव न केवल आम उत्पादन और निर्यात को बढ़ावा देता है, बल्कि बागवानों में

औद्यानिक फसलों, आधुनिक तकनीक और वैश्विक बाजारों के प्रति विश्वास जगाने का भी माध्यम है। सीएम योगी ने जोर देकर कहा कि डबल इंजन सरकार की डबल इंजन नीति ने औद्यानिक फसलों के निर्यात को कई गुना बढ़ाया है। इस महोत्सव के दौरान दो देशों के लिए आमों का एयर कार्गो रवाना किया गया, जिसमें सरकार द्वारा दी गई सब्सिडी ने बागवानों को बेहतर दाम दिलाने में मदद की। मुख्यमंत्री ने महोत्सव में सभी स्टॉलों का निरीक्षण किया और लखनऊ की दशहरी, वाराणसी का लंगड़ा, गोरखपुर का गवर्जीत, बस्ती का आम्रपाली, मेरठ और बागपत का रटोल जैसी किस्मों की जानकारी ली। उन्होंने बागवानों के परिश्रम की सराहना करते हुए कहा कि उनकी मेहनत और तकनीकी नवाचार ने उत्तर प्रदेश को औद्यानिक फसलों का केंद्र बनाया है। योगी सरकार ने बागवानों को प्रोत्साहित करने के लिए सब्सिडी, प्रशिक्षण और बाजार की सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं, जिससे उनकी आय कई गुना बढ़ी है। सीएम योगी ने बताया कि एक समय उत्तर प्रदेश की जीडीपी में कृषि और औद्यानिक फसलों का योगदान 25-30% था। आज सरकार की नीतियों ने इस क्षेत्र को और सशक्त किया है। अर्जुन सहायक, बांध सागर और सरयू नहर जैसी परियोजनाओं ने बुंदेलखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में जल की समस्या का समाधान किया है। परिणामस्वरूप, जहां पहले एक या दो फसलें होती थीं, वहां अब किसान तीन फसलें ले रहे हैं। उन्होंने हरदोई, कानपुर और औरैया के दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि मक्का की खेती से किसान प्रति एकड़ 1 लाख रुपये का शुद्ध मुनाफा कमा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार ने कृषि विज्ञान केंद्रों और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना के माध्यम से आधुनिक तकनीक को बढ़ावा दिया है। गन्ना, मक्का और औद्यानिक फसलों में नए बीज और तकनीकों का उपयोग किसानों की आय को बढ़ा रहा है। सीएम ने बताया कि 2017 में जहां 5 करोड़ पौधों का रोपण एक चुनौती थी, वहीं अब 9 जुलाई 2025 को 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत 50 करोड़ पौधों का रोपण किया जाएगा। यह उत्तर प्रदेश की प्रगति और पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। महोत्सव में संगोष्ठियों, प्रगतिशील किसानों के अनुभव साझा करने और बायर्स-सेलर्स मीट का आयोजन किया जाएगा। सीएम योगी ने सुझाव दिया कि कमिश्नरी स्तर पर भी ऐसे आयोजन होने चाहिए, ताकि स्थानीय बागवान अपनी फसलों की प्रदर्शनी और बिक्री कर सकें। उन्होंने बागवानों से हल्दी, अदरक और अन्य औद्यानिक फसलों के साथ फूड प्रोसेसिंग को अपनाने का आह्वान किया, ताकि उनकी आय को और बढ़ाया जा सके। यह महोत्सव बागवानों, किसानों और उत्तर प्रदेश की प्रगति को वैश्विक मंच पर ले जाने का एक शानदार मंच साबित होगा। सीएम योगी ने प्रगतिशील बागवानों और निर्यातकों को प्रशस्ति पत्र और एक पौधा देकर सम्मानित किया, साथ ही महोत्सव की स्मारिका का विमोचन भी किया। इस अवसर पर कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह, कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव बीएल मीणा सहित कई अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

बंद पुल से विधायक की कार गुजरी, एंबुलेंस को नहीं जाने दिया

कौमी पत्रिका

कानपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले से शर्मनाक खबर सामने आई है। मरम्मत के चलते शनिवार को सुबह 6=10 बजे वाहनों के लिए यमुना पुल बंद कर दिया गया। पुल बंद होने के 34 मिनट बाद सुबह करीब 6=44 बजे भाजपा विधायक की कार तो गुजर गई, लेकिन मजदूर की मां का शव लेकर सुबह 9=30 बजे आई एंबुलेंस को नहीं जाने दिया। बेटे को मां का शव स्ट्रेचर पर रखकर करीब एक किमी लंबा पुल पार करना पड़ा। इसके बाद शव को ऑटो से लेकर घर जाना पड़ा। इसी तरह 21 जून को भी प्रमुख सचिव का काफिला पुल बंद होने के बाद निकाला गया था। हालांकि, विधायक का कहना है कि वह कार में नहीं थे। उनके बीमार भाई को लेकर पिता कार कानपुर गए हैं। बता दें कि कानपुर-सागर हाईवे पर स्थित यमुना पुल को मरम्मत के लिए शनिवार सुबह छह बजे से वाहनों के आवागमन के लिए बंद कर दिया गया। पैदल आने-जाने वालों पर रोक नहीं थी। सुबह 6=44 बजे सदर विधायक की कार पार कराने के लिए बैरिकेडिंग हटा दी गई। इसी बीच सुबह 9=30 बजे सुमेरपुर क्षेत्र के टेढ़ा गांव निवासी बिंदा कानपुर से निजी एंबुलेंस से मां शिव देवी (63) का शव लेकर पुल के पास पहुंचे। पुल पर तैनात सुरक्षा कर्मियों ने एंबुलेंस को नहीं जाने दिया। मजबूर होकर एंबुलेंस में रखे स्ट्रेचर पर मां का शव लेकर पुल पार किया। इसके बाद वह शव को ऑटो से लेकर घर गए। यमुना पुल से शनिवार की सुबह छह बजे से सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन दो दिनों के लिए रोक दिया गया है। कानपुर आने के लिए लोगों को कुरारा-मनकी मार्ग से गुजारा जा रहा है। मार्ग सिंगल व बड़े-बड़े गड्ढे होने से वाहन चालकों को 25 किलोमीटर की दूरी तय करने में दो घंटे का समय लग गया। शनिवार को कार्यदायी संस्था ने यमुना पुल के 10 नंबर पिलर पर मरम्मत कार्य शुरू किया। कोठी की दो बेयरिंग नई बदली गई, जबकि छह बेयरिंग की मरम्मत व ग्रीसिंग की गई। इस दौरान पैदल यमुना पुल पार करने वाले यात्रियों का आना जाना लगा रहा। यमुना पुल की मरम्मत के चलते कानपुर जाने वाले वाहनों को कुरारा मनकी मार्ग होते हुए मूसानगर से गुजारे जा रहे हैं। कुरारा से मनकी 25 किलोमीटर मार्ग पर 10 किमी सड़क गड्ढों में तब्दील है। सिंगल रोड होने के कारण क्रासिंग के दौरान वाहनों को साइड में खड़ा करना पड़ता है। तब कहीं जाकर दूसरे वाहन निकल पाते हैं। सिमरा से मिश्रीपुर चार किमी मार्ग काली मिट्टी का क्षेत्र होने के कारण वाहन फंस जाते हैं। समस्या को देखते हुए ओवरलोड ट्रक इस मार्ग से न जाकर जोल्हूपुर होते हुए निकल रहे हैं। दरोगा राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि लोडेड ट्रक इस मार्ग से नहीं जाते हैं। कानपुर से आने वाले खाली कुछ ट्रक आ रहे हैं। सिंगल रोड होने के कारण लोगों को समस्या का सामना करना पड़ रहा है। साइट इंजीनियर पंकज सिंह के मुताबिक, 10 नंबर पिलर की दो बेयरिंग नई बदली गई हैं। छह बेयरिंग की मरम्मत की गई हैं। रविवार को कोठी नंबर आठ पर काम शुरू किया जाएगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने की पर्वतीय राज्यों के लिए पृथक विमानन नीति की मांग

कौमी पत्रिका

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को देहरादून स्थित होटल में आयोजित नागर विमानन सम्मेलन-2025 में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर केंद्रीय नागर विमानन मंत्री श्री किंजरापु राममोहन नायडू और उत्तर भारत के नागर विमानन मंत्रियों एवं केंद्रीय नागर विमानन मंत्री श्री किंजरापु राममोहन नायडू का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सम्मेलन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश के नागर विमानन क्षेत्र में आई ऐतिहासिक प्रगति का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि उ ?ान योजना के माध्यम से छोटे शहरों और दुर्गम क्षेत्रों को हवाई संपर्क से जो ?कर न केवल आम नागरिकों के लिए हवाई यात्रा सुलभ हुई है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में वर्तमान में

18 हेलीपोर्ट्स का विकास किया जा रहा है, जिनमें से 12 पर सेवाएं प्रारंभ हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि हेली सेवाएं उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्यों में केवल परिवहन का साधन नहीं, बल्कि जीवन रेखा बन चुकी हैं। चाहे आपदा प्रबंधन हो, स्वास्थ्य सेवाएँ हों या तीर्थयात्रा, हेलीकॉप्टर सेवाओं ने इन क्षेत्रों में अभूतपूर्व सुविधा प्रदान की है। मुख्यमंत्री धामी ने केन्दीय नागर विमानन मंत्रालय से पर्वतीय राज्यों के लिए एक पृथक पर्वतीय विमानन नीति बनाने का आग्रह किया, जिसमें विशेष वित्तीय सहायता, संचालन हेतु सब्सिडी, पर्वतीय क्षेत्रों के लिए उपयुक्त । एटीसी नेटवर्क, सटीक मौसम पूर्वानुमान, स्लॉटिंग और आपदा-पूर्व तैयारी जैसे प्रावधान शामिल हों। मुख्यमंत्री ने सभी ऑपरेटरों से भी पर्वतीय उ ?ानों के लिए विशेष पायलट प्रशिक्षण, सुरक्षा मानकों का कठोर पालन और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का भी अनुरोध किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, राजस्थान के कैबिनेट मंत्री गौतम कुमार , हरियाणा के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल, उत्तराखंड के मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन और संबंधित राज्यों के अधिकारी उपस्थित।

लायंस क्लब फगवाड़ा विश्वास ने शर्मा फार्म रावलपिंडी में पौधे लगाए

फगवाड़ा 2 जुलाई। लायंस इंटरनेशनल 321-डी के इलेवन स्टार स्पेशल स्टेटस मॉडल लायंस क्लब फगवाड़ा विश्वास ने क्लब अध्यक्ष लायन अश्वनी शर्मा के नेतृत्व में लायनिस्टिक वर्ष 2025-26 की शुरुआत शर्मा फार्म रावलपिंडी में पौधारोपण अभियान के साथ की। लायन अश्वनी शर्मा ने बताया कि करीब 80 पौधे लगाए गए हैं। इनमें फलदार, रंग-बिरंगे फूलदार और छायादार पौधे रोपे गए हैं। इस प्रोजेक्ट के डायरेक्टर लायन इंद्रजीत सिंह ने प्रोजेक्ट को सफल बनाने में सहयोग देने के लिए सभी क्लब सदस्यों का हार्दिक आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विशेष रूप से पहुंचे क्लब के चार्टर अध्यक्ष लायन सुशील शर्मा ने बताया कि क्लब हर साल एक हजार से अधिक पौधे लगाता है। उन्होंने क्षेत्र के सभी निवासियों से पुरजोर अपील की कि ग्लोबल वार्मिंग और बढ़ते प्रदूषण के खतरे को देखते हुए प्रत्येक व्यक्ति को अपने खुशी के मौकों पर कम से कम पांच पौधे लगाने का संकल्प लेना चाहिए और उनकी देखभाल की जिम्मेदारी लेनी चाहिए ताकि हम अपनी आने वाली पीढ़ी को हरा-भरा और स्वच्छ वातावरण दे सकें। इस अवसर पर लायन अवतार सिंह, लायन चमन लाल, लायन प्रदीप सिंह, लायन सुखजीत समरा और सोढ़ी राम आदि मौजूद थे।

स्वच्छता अभियान सोसायटी (रजि.) ने किया पौधारोपण

फगवाड़ा। स्वच्छता अभियान सोसायटी रजिस्टर्ड फगवाड़ा द्वारा अपने सदस्यों के जन्मदिन पर शुरू किए गए पौधारोपण अभियान के तहत स्वच्छता अभियान सोसायटी रजिस्टर्ड फगवाड़ा के सदस्य श्याम सुंदर बिल्ला ने स्थानीय बस स्टैंड पर पौधारोपण कर अपना जन्मदिन मनाया। वहां पर डेक, नीम आदि के पौधे लगाए गए तथा श्याम सुंदर बिल्ला ने प्रण लिया कि वे इन पौधों की तन-मन-धन से देखभाल करेंगे तथा जब तक ये पेड़ नहीं बन जाते, तब तक इनकी देखभाल करेंगे ताकि हमारी आने वाली पीढ़ियां इनका लाभ उठा सकें। इसके साथ ही संस्था के वरिष्ठ सदस्य रमन नेहरा, जिनका जन्मदिन भी इसी दिन था तथा जो इस समय विदेश दौरे पर हैं, के नाम पर भी विभिन्न पौधे लगाए गए। कार्यक्रम का आयोजन स्वच्छता अभियान सोसायटी रजिस्टर्ड के चेयरमैन मदन मोहन खट्टर तथा अध्यक्ष आशीष गांधी के नेतृत्व में किया गया। इस कार्यक्रम में महासचिव मैडम पुनीत गुजराल, स्कूल इकाई निदेशक मैडम रजनी गुप्ता, मैडम सीमा, खुशबू आदि मौजूद रहीं। पुनीत गुजराल ने अपने संबोधन में राहगीरों से अपील करते हुए कहा कि वे बस स्टैंड पर लगाए गए पौधों की देखभाल करें और उन्हें अपने पैरों के नीचे न आने दें, अन्यथा आने वाली पीढ़ी उन्हें कभी माफ नहीं करेगी। अध्यक्ष आशीष गांधी ने कहा कि आने वाले दिनों में भी स्वच्छता अभियान सोसायटी रजिस्टर्ड शहर के विभिन्न पार्कों और सार्वजनिक स्थानों पर पौधे लगाएगी और आसपास रहने वाले लोगों को भी उनकी देखभाल करने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

वायएनआरटी 343 द्वारा राजकीय उच्च विद्यालय, पंसरा में 4-कक्षा ब्लॉक का उद्घाटन

यमुनानगर। यमुनानगर राउंड टेबल 343 (वाईएनआरटी 343) ने टेबलिंग वर्ष की शुरुआत सामाजिक उत्थान के संकल्प के साथ की, राजकीय उच्च विद्यालय, पंसरा में नव-निर्मित 4 कक्षा वाले ब्लॉक का उद्घाटन किया गया। इस भवन का उद्घाटन जिला शिक्षा अधिकारी धर्मेन्द्र चौधरी ने किया। जिला शिक्षा अधिकारी धर्मेन्द्र चौधरी ने बताया कि यमुनानगर राउंड टेबल 343 ने राजकीय उच्च विद्यालय पांसरा में नव-निर्मित 4 कक्षा वाला ब्लॉक बनाया जिसमें विद्यार्थियों के बैठने व पढ़ने के लिए अच्छी सुविधा मिलेगी। इस कार्य के लिए जिला प्रशासन की ओर से मैं इनका धन्यवाद करता हूं। इस अवसर पर राउंड टेबल इंडिया एरिया 18 के चेयरमैन अंतरप्रीत सिंह तथा वायएनआरटी 343 के चेयरमैन सिद्धार्थ बंसल ने भी सभा को संबोधित किया और शिक्षा के क्षेत्र में टेबल द्वारा किए जा रहे कार्यों को साझा किया। इस प्रोजेक्ट को सफल बनाने के पीछे इस्जेक, कृष्णा मेटल वर्क्स, वोल्वो कृष्णा ऑटो सेल्स, सनमास्टर, रेंज रोवर मलवा ऑटोमोबाइल्स, नीलकमल एनर्जीज, स्कॉचटैप, सिटी इन्वेस्टमेंट, 41 ईआरएस क्लब एसोसिएशन, कोहली इलेक्ट्रिकल्स और भूप सिंह जैसे प्रमुख दाताओं का विशेष योगदान रहा। साथ ही, प्रॉक्टर एंड गैम्बल (पी एंड जी) द्वारा दिए गए ग्रांट मैचिंग सहयोग ने इस पहल को और अधिक प्रभावशाली बना दिया। कार्यक्रम में वृक्षारोपण भी किया गया। यह नया कक्षा ब्लॉक फ्रीडम थ्रू एजुकेशन (शिक्षा के माध्यम से स्वतंत्रता) मिशन की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है, जिसके अंतर्गत वायएनआरटी 343 देश के ग्रामीण इलाकों में शिक्षा के लिए बेहतर ढांचा प्रदान करने के लिए कार्यरत है। इस अवसर पर वायएनआरटी 343 के सभी सदस्य अपने परिवारों सहित उपस्थित रहे।

बिजली बिल ब्याज माफी योजना-2025 का लाभ उठाएं पात्र उपभोक्ता- डीसी पार्थ गुप्ता

यमुनानगर। उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने बताया कि हरियाणा सरकार ने बिजली उपभोक्ताओं के लिए सरचार्ज माफी योजना 2025 की घोषणा की है। यह योजना 11 नवंबर 2025 तक लागू रहेगी। इस योजना के तहत, बिजली उपभोक्ताओं को 31 अगस्त 2024 तक बकाया बिजली बिलों के लिए सरचार्ज माफ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पात्र बिजली उपभोक्ता शीघ्र ही इस ब्याज माफी योजना का लाभ उठाएं। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में स्थित सभी निजी उपभोक्ता श्रेणियों, कृषि श्रेणी, सरकारी, नगर पालिका, ग्राम पंचायत, राज्य सरकार एवं अन्य पब्लिक सर्विस यूटिलिटी, औद्योगिक और अन्य श्रेणियों के कनेक्ट और डिस्कनेक्ट उपभोक्ताओं को इसका लाभ मिलेगा। यह योजना ऐसे उपभोक्ताओं के लिए वैध है जो 31 अगस्त 2024 तक बिजली निगम के डिफॉल्टर थे और अभी भी डिफॉल्टर बने हुए हैं। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के अधीक्षक अभियंता नरेन्द्र सिंह ने बताया कि एकमुश्त भुगतान किया जाता है, तो पात्र सभी घरेलू एवं कृषि उपभोक्ताओं को मूल राशि पर 10 प्रतिशत की छूट दी जाएगी और पूरा ब्याज माफ किया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत सभी श्रेणी के उपभोक्ताओं के लिए योजना की अधिसूचना की तारीख तक कुल विलंबित भुगतान अधिभार को रोक दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि घरेलू उपभोक्ता जो योजना में भाग लेने का निर्णय लेते हैं, उनके पास अधिसूचना की तारीख तक बकाया मूल राशि का एकमुश्त या 8 मासिक या 4 द्विमासिक किस्तों में भुगतान करने का विकल्प होगा। बकाया ब्याज राशि को 8 चालू मासिक या 4 द्विमासिक बिलों के नियमित भुगतान के साथ किस्तों में माफ किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कृषि श्रेणी उपभोक्ताओं के पास बकाया मूल राशि का भुगतान एकमुश्त या 3 बुकिंग चक्रों में करने का विकल्प होगा। कृषि उपभोक्ताओं का बिलिंग चक्र 4 महीने में एक बार होता है। बकाया सरचार्ज राशि को 3 चालू बिल के नियमित भुगतान के साथ किस्तों में माफ किया जाएगा। इसके अलावा सरकारी, नगर पालिका, ग्राम पंचायत, राज्य सरकार एवं अन्य पब्लिक सर्विस यूटिलिटी कनेक्शन वाले उपभोक्ता योजना में भाग लेने का निर्णय लेते हैं, उनके पास अधिसूचना की तिथि तक बकाया मूल राशि का एकमुश्त भुगतान करने का विकल्प होगा और ब्याज माफ कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि औद्योगिक और अन्य श्रेणियों के उपभोक्ताओं को कुल मूल राशि के साथ 50 प्रतिशत अधिभार राशि का एकमुश्त भुगतान करने पर, शेष 50 प्रतिशत अधिभार राशि माफ कर दी जाएगी। यदि उपभोक्ता 6 चालू बिलों के भुगतान में चूक करता है, तो पूर्ण अधिभार राशि पुन: प्राप्त कर ली जाएगी। बकायादार उपभोक्ता बकाया राशि का भुगतान दी गई किश्तों में कर सकते हैं। किसी भी छूटी हुई किश्त के मामले में, बकाया राशि को वर्तमान किश्तों के साथ अंतिम किस्त तक चुकाना होगा अन्यथा पूरा ब्याज वापस ले लिया जाएगा और उपभोक्ता को योजना से बाहर माना जाएगा। उन्होंने कनेक्शन काटे गए उपभोक्ताओं के मामले में, एकमुश्त राशि के भुगतान पर या मूल राशि की पहली किस्त के भुगतान पर, लागू होने वाले पुन: कनेक्शन आदेश शुल्क को चार्ज करने के बाद दोबारा कनेक्शन किया जाएगा। बशर्ते कि कृषि श्रेणी को छोड ?र सभी श्रेणियों के लिए छह महीने के भीतर कनेक्शन काटा गया हो (कृषि श्रेणी में कनेक्शन दो साल से अधिक पुराना कटा नहीं हो सकता है)। छह महीने या दो साल (जैसा भी मामला हो) से अधिक पुराने कनेक्शन के मामले में आवेदक को नया उपभोक्ता माना जाएगा। अधीक्षक अभियंता नरेन्द्र कुमार ने बताया कि बिजली निगम के निर्देशानुसार गलत बिलिंग के मामले ठीक किये जाना चाहिए। जिन उपभोक्ताओं के मामले वर्तमान में बिलिंग विवादों के कारण किसी न्यायिक फोरम में हैं, वे मामला वापिस लेकर इस योजना का लाभ ले सकते हैं। केस वापिस लेने वाला उपभोक्ता इस योजना का लाभ लेने के लिए पात्र होगा।

NAME CHANGE
I hitherto known as Ritik Yadav S/o Amarjeet Yadav R/o Vill- Patwari Post- Bisrakh, Patwari, Gautam Buddha Nagar Uttar Pradesh- 203207. have changed my name and shall hereafter be known as PRIYANSHU.

NAME CHANGE
I BANDANA KUMARI w/o. Varun Kumar jha R/o. - 1-T, Sector-8, SFS Flats, Jasola, Jamia Nagar, South Delhi Pincode- 110025 I have changed my name Bandana kumari to Bandana jha for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Varun Kumar jha s/o Radhakrishna jha r/o 1-T sector,8 SFS flats.jasola jamia nagar south delhi -110025 have changed my minor son name from YUVRAJ to YUVRAJ JHA for all future purposes.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Ankit Gupta** is purchasing the Property no. 27, admeasuring 100 Sq. yards, out of Khasra no. 68, situated in the area of Village Sarai Pipal Thala, colony Known as Mohinder Park, Delhi from Mr. Jugal Kishor who is the owner of the property vide GPA , Agreement to Sale & WILL dated 16.12.1992 & 21.10.1992 and Intend to mortgage the said property with **SMFG India Home Finance Company Limited.** That SMC of Late Mr. Trilok Singh not available. If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I, No-22055361A Rank-NK Name-KARAN THAPA Presently residing at VILL-TELPUR, PO-AMBARI, TEHSIL-VIKASNAGAR, DISTT-DEHRADUN, UTTARAKHAND-248125, have changed my father's name from CHITRA BAHADUR THAPA to CHITRA BAHADUR for all future purposes vide Affidavit dated 04/07/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client M/s. Bhavishya Nirmaan Realty is the owner of Freehold Residential Plot No. 4 land area measuring 500 Sq. Yards, out of Khasra no. 774/3, situated in the extended abadi of Lal Dora Village Dera Mandi, Tehsil Mehrauli, New Delhi. by virtue of Sale Deed dated 23.08.2024 as Doc. No. 2024/7/I/5034, in Book No. 1, Vol. No. 7026, on Pages No. 31-60, on this dated 23.08.2024, SR-South Hauz Khas, Delhi., in the chain document below mentioned documents not available i.e. Death Certificate & SMC of Late Mrs. Ratti Alias Ratti Devi died on 15.05.2015, Death Certificate & SMC of Late Mr. Singhraj died on 11.07.2019 & Death Certificate & SMC of Late Mr. Raghuraj died on 07.10.2023 now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and Unit No.6, on third Floor, area measuring 780 Sq. Ft., sold too be Mrs. Aishwarya Kakkar and same has been finance by ICICI Home Finance Co. Ltd. Branch: Laxmi Nagar, Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री स्तेव नाथ पुत्र श्री नानक चंद निवासी बी-30, शीशराम पार्क, उत्तम नगर, वेस्ट दिल्ली, दिल्ली-110059 ने अपने पुत्र सौरभ नाथ उम्र 25 साल को उनके दुर्व्यवहार, लडाई झगडा करने व नियन्त्रण से बाहर होने के कारण उनसे अपने सभी रिश्ते / सम्बन्ध समाप्त कर लिये है तथा अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिये है भविष्य में उपरोक्त पुत्र के द्वारा किये गये किसी भी कृत्य, लेन-देन या मुकदमें बाजी के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होगा और जो उससे लेन-देन करेगा व वह भी स्वयं जिम्मेदार होगा, मेरे मुवक्किल व उसके परिवार के अन्य सदस्यों की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।
जय प्रकाश सिंह अधिवक्ता
चैम्बर नं0 534, जिला न्यायालय,
द्वारका कोर्ट, द्वारका, नई दिल्ली 110075

सार्वजनिक सूचना
संपूर्ण जनता को सूचित किया जाता है कि श्री कुलदीप सिंह, निर्मित भूतल (छत के अधिकारों के बिना), जो कि संपत्ति संख्या B-288, क्षेत्रफल 100 वर्ग गज, स्थित गाँव बसई दरापुर, आबादी जनता कॉलोनी, शिवाजी विहार, नई दिल्ली में स्थित है, जिसे वे श्री प्रताप सिंह से खरीदने का इरादा रखते हैं । इस संपत्ति के मूल मालिक श्री प्रताप सिंह, पुत्र श्री इंदर सिंह थे, जिन्होंने यह संपत्ति M/s. मोहन कंपनी एंड कॉलोनाइजर्स से बिक्री विलेख दिनांक 15.02.1953 के माध्यम से खरीदी थी। बाद में, श्री प्रताप सिंह ने यह संपत्ति अपनी पत्नी श्रीमती जीत कौर को बिक्री विलेख दिनांक 21.11.2011 के माध्यम से बेची थी। दुर्भाग्यवश, श्रीमती जीत कौर का दिनांक 26.04.2021 को निधन हो गया। उनके पीछे निम्नलिखित वैध उत्तराधिकारी हैं (1) श्रीमती हरप्रीत कौर (पुत्री) (2) सरदार इंदर जीत सिंह (पुत्र) (3) सरदार अमरजीत सिंह (पुत्र) (4) सरदार प्रताप सिंह (पति)। तत्पश्चात, श्रीमती हरप्रीत कौर, सरदार इंदर जीत सिंह, और सरदार अमरजीत सिंह ने अपने-अपने हिस्से अपने पिता सरदार प्रताप सिंह के पक्ष में परित्याग विलेख दिनांक 05.04.2023 के माध्यम से त्याग दिए। कृपया ध्यान दें कि स्वत्व दस्तावेजों की श्रृंखला, जिसमें स्वनिर्वित सदस्य प्रमाणपत्र (Surviving Member Certificate) जो कि स्व. श्रीमती जीत कौर के नाम पर है, उपलब्ध नहीं है। यह संपत्ति हीरो हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, एनएसपी (नेताजी सुभाष प्लेस) शाखा, नई दिल्ली के माध्यम से वित्तपोषित की जानी प्रस्तावित है। यदि कोई व्यक्ति उपरोक्त संपत्ति के कब्जे में पाया जाता है या किसी प्रकार की आपत्ति है, तो कृपया इस नोटिस की तारीख से 10 दिन के भीतर मूल संपत्ति दस्तावेज के साथ नीचे दिए गए पते पर संपर्क करें। ऐसा न करने पर, उपरोक्त बिक्री पत्र के अनुसार दावा विषय संपत्ति के संबंध में शून्य और अमान्य माना जाएगा।
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE
I, Vivek s/o Vinay Kumar R/o H.No.1032P, Near Atal Park, Sector-56-56A, Faridabad-121004, Haryana, have changed my name to Vivek Singh Permanently.

NAME CHANGE
I, No-14651753H Rank-HAV Name-KAUSHLENDRA KUMAR SINGH Presently residing at VILL-MIRGANJ, PO-BHORE, TEH+DIST-GAYA, BIHAR-823003, have changed my father's name from NAWAL KISHORE SINGH to NAVAL KISHOR SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 04/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, PRIYANKA spouse of No. GS-185352F Rank-STENO-A Name-BIJAY KUMAR UNIT ADD.- 51 RCC (GREF), PIN-930051, C/O 56 APO, R/o VILL-WEST RAMKRISHNA NAGAR, PO- NEW JAGANPURA, DISTT- PATNA, STATE- BIHAR, PIN-800027, have changed my name from PRIYANKA to KM PRIYANKA for all future purposes. Vide Affidavit No. IN-DL 12519215234222X dated 03 Jul 2025 before Sub Divisional Magistrate Delhi.

NAME CHANGE
I, PROMILA W/O DEEPAK PARSHANT R/O 1507-P, SECTOR-21, INDUSTRIAL COMPLEX, DUNDAHERA, GURGAON, HARYANA-122016 HAVE CHANGED MY NAME TO PROMILA YADAV FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I,ANITA W/O ATTAR SINGH R/O HOUSE NO-144, LAMBA PATI, VILLAGE KHAIRA, NAJAFGARH, DELHI-110043 HAVE CHANGED MY NAME TO ANITA YADAV FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, ANITA YADAV W/O ATTAR SINGH R/O HOUSE NO-144, LAMBA PATI, VILLAGE KHAIRA, NAJAFGARH, DELHI-110043, HAVE CHANGED MY MINOR SON NAME FROM DHRUV TO DHRUV YADAV FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, ANITA YADAV W/O ATTAR SINGH R/O HOUSE NO-144, LAMBA PATI, VILLAGE KHAIRA, NAJAFGARH, DELHI-110043, bokanHAVE CHANGED MY MINOR DAUGHTER NAME FROM VANSHIKA TO VANSHIKA YADAV FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I ARIBA MUZAFFAR W/O MOHAMMAD MOHSIN RESIDING AT HOUSE NO 2622, 2ND FLOOR KUCHA CHELAN DARYA GANJ NEW DELHI 110002 HAVE CHANGED MY NAME FROM ARIBA MUZAFFAR TO ARIBA MOHSIN FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I, G M REKHA wife of No-15703167N Rank-HAV Name-RAJESH D S residing at VILL-DHARAPADAVEDU, PO-KATPADI, TEHSIL-KATPADI, DIST-VELLORE, TAMIL NADU-632007, have changed my name from G M REKHA to REKHA G M for all future purposes vide Affidavit dated 04/07/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
Be it known that my client Sh. Mahesh Singh C/o Sunder Lal Singh, R/o Mohalla Chak Majra, Thambha, Post- Nara, Manjhanpur, Kaushambi, Uttar Pradesh-212207 presently at R/o H.no.1337, G-Block, Neem chowk, chungi road, Sangam Vihar, New Delhi -110062, has disowned his son Sh. Sagar Singh@ Tehlu and his Daughter in law namely Smt. Ankita Singh @ Uma and grand daughter Shivani Singh Chandel they all are resident of H.no. F-3/645, Sangam Vihar, New Delhi -110062, from all his movable and immovable properties and has severed all relations from them due to their misbehavior and their indulgence into various illegal activities. If anybody deals with the aforesaid persons, he/she/they will be doing so on its own risk and consequences and their misdeeds will have nothing to do with my client Sh. Mahesh Singh.
Mr. Aakash Gupta, Advocate
Chamber No. 673,
Saket Court, New Delhi
Mob- 8860889988

NAME CHANGE
I, JAT ROSHNI DEVI Mother of No. 16119162X Rank-SPR Name-JAT SURESH KUMAR Presently residing at THASKA (139), PO-THASKA, DIST-HISAR, HARYANA-125047, have changed my name from JAT ROSHNI DEVI to ROSHNI DEVI for all future purposes and in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 10/06/1955 instead of my correct date of birth as 26/04/1957 vide Affidavit dated 04/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Sangeetha Mohan D/O Subramnaian Mohan W/O Rahul Sharma R/O G-102 Ibiza Town, Surajund Road, NHPC Colony Sector 39 Faridabad Haryana 121010 Have changed my name to Sangeeta Mohan for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Satish Dubey S/O Sri Nath Dubey R/O D-23 2nd floor East Of Kailash South Delhi 110065 Have changed my name to Satish Kr Dubey for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Subhash Verma S/O Ganga Charan Verma R/O SD 28, Sector 45, Noida Gautam Budha Nagar Uttar Pradesh 201303 Have changed my name to Subhash Chandra Verma for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Geeta Ben, Spouse of No-7431446L Hav (Late) Gohli Prakash Kumar Shamjibhai resident of House No. A-2/503, Sweet House Society, Near Kosad Road, Post-Amroli, Tehsil-Surat City, District-Surat, State-Gujarat, Pin-394107, have changed my name from Geeta Ben to Gohli Gitaben Prakashbhai vide Affidavit dated 10/06/2025 before Notary Public, Surat Court.

NAME CHANGE
I, VARALAKSHMI Mother of JC-442515P Rank-SUB Name-APPANNA SADU residing at 1-3-162/B, SADU VEEDHI, BALAGA, SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532001, have changed my name from VARALAKSHMI to SADU VARALAKSHMI for all future purposes vide Affidavit dated 04/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SIVA RAO father JC-442515P Rank-SUB Name-APPANNA SADU residing at 1-3-162/B, SADU VEEDHI, BALAGA, SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532001, have changed my name SIVA RAO to SADU SIVARAO for all future purposes vide Affidavit Dated 04/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, ANJALI D/O SATISH SAINI residing at 6/202 DOONGAR MOHALLA SHAHDARA DELHI-110032 . have changed my name to ANJALI SAINI for all future purposes.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

सीजेएम ने किया नशा मुक्ति केंद्र का निरीक्षण

जींद। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव (सीजेएम) मोनिका ने सोमनाथ मंदिर के नजदीक नशा मुक्ति केंद्र का औचक निरीक्षण किया। नशा मुक्ति केंद्र में नौ उपचाराधीन व्यक्ति उपस्थित थे। प्राधिकरण सचिव ने केंद्र में रह रहे व्यक्तियों को दी जानी वाली सुविधाओं की जानकारी ली और जरूरी दिशा-निर्देश भी दिए। प्राधिकरण सचिव ने स्टाफ को निर्देश दिए की व्यक्तियों की देखरेख में कोई कमी नहीं आनी चाहिए तथा उनके स्वास्थ्य से संबंधित कोई भी लापरवाही नहीं की जाए। प्राधिकरण सचिव ने बताया कि हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार नालसा पोर्टल जारी किया गया है और राष्ट्रीय विधिक सहायता हेल्पलाइन नंबर 15100 जारी किया गया है।इस हेल्पलाइन नंबर पर किसी भी प्रकार की कानूनी सहायता प्राप्त कर सकते हैं। इस मौके पर प्राधिकरण सचिव मोनिका ने नशे की परिभाषा से लेकर उसके प्रकार प्रतिबंधित और चेतावनी युक्त नशा के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि भारत में वर्ष 1985 से एनडीपीएस एक्ट अर्थात अपति नारकोटिक्स ड्रग्स एवं साइकोट्रॉपिक सब्सटांस एक्ट लागू किया गया है। इस अधिनियम के तहत होने वाले अपराध संज्ञेय और अजमानतीय होते हैं। कठोर दंड के प्रावधान इसमें है।

आईटीआई में दाखिले की पहली मेरिट जारी

सोनीपत। जिले के युवाओं में तकनीकी शिक्षा को लेकर उत्साह दिखाई दे रहा है। जिले की 12 सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं (आईटीआई) में वर्ष 2025-26 के सत्र के लिए 4020 सीटों पर दाखिले हेतु कुल 8806 युवाओं ने ऑनलाईन आवेदन किया है। इस संबंध में प्रशासन ने पहली मैरिट लिस्ट जारी कर दी है और दाखिला प्रक्रिया की अगली कार्रवाई भी घोषित कर दी है। उपायुक्त सुशील सारवान ने बताया कि 8 जुलाई तक संबंधित आईटीआई में जाकर अभ्यार्थियों को अपने दस्तावेज सत्यापित कराने और फीस जमा करवाने की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। इसके बाद नौ जुलाई को रिक्त सीटों की सूची, 11 जुलाई को दूसरी मैरिट लिस्ट, और 22 जुलाई को तीसरी लिस्ट जारी की जाएगी। दस्तावेजों की मूल प्रमाणित प्रतियोंके साथ आधार कार्ड, हरियाणा रिहायशी प्रमाण पत्र, बैंक खाता, ईमेल आईडी, मोबाइल नंबर, फैमिली आईडी, योग्यता प्रमाण पत्र और चरित्र प्रमाण पत्र अनिवार्य होंगे। आईटीआई संस्थान न केवल तकनीकी प्रशिक्षण देते हैं, बल्कि युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के लिए भी तैयार करते हैं। इन्हीं प्रयासों के चलते हजारों युवा निजी कंपनियों में नौकरी पा रहे हैं या खुद की यूनिट चला रहे हैं।

एंबुलेंस नहीं मिली तो महिला ने ऑटो में ही बच्चे को दिया जन्म

पानीपत। पानीपत में सरकारी एंबुलेंस न मिलने के कारण एक महिला ने ऑटो में बच्चे को जन्म दे दिया। महिला के परिजनों ने आरोप लगाया है कि वह सिविल अस्पताल में एंबुलेंस बुलाने के लिए कॉल करते रहे। उसके बाद परिजनों ने एंबुलेंस न मिलने के आरोप लगाकर अस्पताल में खूब हंगामा किया। जिस पर गुरुवार को सीएमओ ने आरोपों की जांच करवाई। जांच में परिजन के मोबाइल में डायल नंबर देखा तो वे लगातार गलत नंबर डायल कर रहे थे। जब उन्होंने सही नंबर डायल किया, तो सूचना मिलने के 12 मिनट के भीतर एम्बुलेंस उनके एड्रेस पर पहुंच गई थी। लेकिन तब तक परिजन महिला को ऑटो में लेकर सिविल अस्पताल के लिए निकाल चुके थे। अस्पताल पहुंचने से पहले ही बीच रास्ते में महिला ने बच्चे को जन्म दे दिया । अस्पताल पहुंचने पर परिजनों ने लापरवाही के आरोप लगाए थे। इस बारे में सीएमओ डॉ. विजय मलिक ने कहा कि मामला संज्ञान में आने के बाद मामले की जांच की गई। स्पष्टीकारण लेटर जारी कर जबाव मांगा गया। जिसके बाद ये तथ्य सामने आए हैं। जानकारी के अनुसार सनौली खुर्द की एक महिला नगमा जो गर्भवती थी। उसकी अचानक बुधवार रात तबीयत खराब हो गई और उसको प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। जिसको लेकर परिवार ने सरकारी अस्पताल में एम्बुलेंस मंगवाने के लिए 20 से 25 बार फोन किया जिसका कोई उत्तर नहीं मिला।

भाजपा के कुरुक्षेत्र, सिरसा व झज्जर कार्यालय का छह को उद्घाटन करेंगे जेपी नड्डा

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा है कि पार्टी द्वारा प्रदेश के तीन जिलों में कार्यालय खोल जाएंगे। इन कार्यालयों का उद्घाटन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा द्वारा छह जुलाई को दिल्ली से वर्चुअल मोड में किया जाएगा। पंचकूला स्थित भाजपा मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत में बड़ौली ने कहा कि भाजपा जहां संगठन का विस्तार कर रही है वहीं प्रदेश के सभी जिलों में अपने कार्यालय स्थापित कर रही है। इसी दिशा में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जन्म दिवस के अवसर पर छह जुलाई को कुरुक्षेत्र, सिरसा व झज्जर में पार्टी के कार्यालय खोल जाएंगे। यहां जिला स्तर पर जहां कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा वहीं दिल्ली से भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा वर्चुअल मोड में उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि भाग लेंगे। बड़ौली ने कहा कि संगठन में अब बहुत जल्द जिला पदाधिकारियों, जिला कार्यकारिणी सदस्यों का ऐलान किया जाएगा। इसके चलते आज पार्टी मुख्यालय में पंचकूला, अंबाला, कुरूक्षेत्र, करनाल, यमुनानगर, पानीपत, सोनीपत,गोहाना समेत आठ जिला अध्यक्षों के साथ बैठक करके कार्यकारिणी में शामिल किए।

मजबूत लोकतंत्र और राष्ट्र निर्माण में शहरी स्थानीय निकाय की भूमिका महत्वपूर्ण : हरविंद्र कल्याण

राष्ट्रीय शहरी निकाय सम्मेलन का हरियाणा में होने पर सभी हरियाणावासियों को गर्व

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने कहा कि शहरी स्थानीय निकाय देश के लोकतंत्र को मजबूत बनाने और राष्ट्र निर्माण में प्रभावी भूमिका अदा करे। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन का उद्देश्य जनता की जरूरतों को जिम्मेदारी के साथ पूरा करना है। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन संवाद, समन्वय और सहयोग को बढ़ावा देगा। कल्याण मानेसर में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय शहरी निकाय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, विधानसभा उपाध्यक्ष डॉ कृष्ण मिड्ढा, हरियाणा कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल, राव नरबीर सिंह, लोकसभा महासचिव उत्पल कुमार सिंह आदि मंच पर मौजूद रहे।हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि राष्ट्रीय शहरी निकाय सम्मेलन का हरियाणा में होने पर सभी हरियाणावासियों को गर्व है। कल्याण ने हरियाणा को यह जिम्मेदारी देने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का भी आभार जताया वहीं सम्मेलन के भव्य आयोजन के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

का भी धन्यवाद किया। श्री कल्याण ने कहा कि यह मंच शहरों के विकास की चुनौतियों पर विचार करने और समाधान खोजने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा भरोसा है कि इसी मंच से बेहतर शासन व्यवस्था और ठोस सुझाव और नीतियां बाहर आएंगी। हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के मार्गदर्शन में राज्यों के विधानमंडल और विधानसभाओं के बीच अच्छा संवाद बढ़ रहा है। यह दो दिवसीय सम्मेलन निश्चित तौर पर मील का पत्थर साबित होगा और नगर निकायों को प्रेरित करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक देश, एक विधायिका के विजन को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने आह्वान करते हुए कहा कि हम सभी मिलकर एक जिम्मेदार लोकतंत्र बनाने की दिशा में काम करेंगे। हरविंद्र कल्याण ने कहा कि इस तरह के सम्मेलन से जिम्मेदारियों को समझने का अच्छा मौका मिलता है। बेहतर और सार्थक संवाद के माध्यम से अच्छे समाधान निकलते हैं और जनहित के लिए अच्छे फैसले लिए जा सकते हैं। हमारा उद्देश्य नगर निकाय को सशक्त बनाना है ताकि लोगों की समस्याओं का तुरंत समाधान हो सके। उन्होंने कहा कि देश में इस तरह का सम्मेलन एक अच्छी पहल है जिसके दूरगामी परिणाम निकलेंगे। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि लोकसभा के सहयोग से हरियाणा विधानसभा संविधान के मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने का निरंतर प्रयास कर रही है। सभी उपस्थित प्रतिनिधियों का आह्वान करते हुए हरविंद्र कल्याण ने कहा कि हम सभी यहां से यह संकल्प लेकर जाएं कि संवाद केवल शब्दों तक सीमित ना रहे, बल्कि स्थायी बदलाव और सशक्त निकायों की स्थापना की दिशा में आगे बढ़े।

गोहाना में पुलिस कर्मियों ने पहली बार की फुट पेट्रोलिंग

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत के गोहाना क्षेत्र में पुलिस सुरक्षा कर्मियों ने पहली बार फुट पेट्रोलिंग निकाली, लोगों से संवाद किया, समस्याएं सुनी, कुछ लोगों नशे बचने के लिए जागरुक भी किया। सोनीपत पुलिस आयुक्त ममता सिंह ने कहा कि शहरी और कस्बाई इलाकों में नियमित पैदल गश्त अभियान चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य है जनता में सुरक्षा की भावना को मजबूती देना, अपराधियों पर निगरानी बनाए रखना और आमजन से सीधा संवाद स्थापित करना। इसी कड़ी में गोहाना शहर के मुख्य बाजार, फव्वारा चौक और पानीपत चुंगी क्षेत्रों में समता चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक जगदीश कुमार के नेतृत्व में लगभग 20 पुलिसकर्मियों की टीम ने पैदल गश्त की। यह दृश्य न केवल कानून व्यवस्था का प्रतीक था, बल्कि नागरिकों के बीच एक भरोसेमंद उपस्थिति का अनुभव भी था। पुलिस प्रवक्ता एएसआई रविंद्र सिंह ने बताया कि यह फुट पेट्रोलिंग एक पुरानी लेकिन प्रभावशाली पुलिसिंग तकनीक है, जिससे अपराध रोका जा सकता है, समाज के साथ संवाद सशक्त होता है। गश्त के दौरान पुलिस की सक्रिय मौजूदगी से असामाजिक तत्वों में भय का संचार होता है। खासकर बाजारों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पैदल गश्त से नागरिकों को यह अनुभव होता है कि पुलिस उनके साथ है। पैदल चलते

समय पुलिस कर्मी नागरिकों से बातचीत करते हैं, उनकी समस्याएं सुनते हैं और सुझावों को गंभीरता से लेते हैं। यातायात व्यवस्था, सार्वजनिक स्थानों की मर्यादा और कानून का पालन सुनिश्चित करने में यह पहल कारगर होती है। सोनीपत पुलिस का यह पैदल गश्त अभियान रक्षक भी, संवादी भी इसी भावना को चरितार्थ कर रहा है, जिससे पुलिस और जनता के बीच की दूरी घट रही है और सुरक्षा की डोर और मजबूत हो रही है।

यमुना में बाढ़ नियंत्रण को लेकर उपायुक्त ने किया निरीक्षण

एजेंसी

सोनीपत। बढ़ते जलस्तर को देखते हुए बाढ़ नियंत्रण की तैयारियों का जायजा लेने के लिए उपायुक्त सुशील सारवान ने यमुना क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने भैरा बाकीपुर व दहिसरा घाट में सिंचाई विभाग द्वारा बनाई गई ठोकरों की स्थिति का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त ने निर्देश दिए कि यमुना के जलस्तर पर लगातार नजर रखी जाए और ठोकरों की समय-समय पर जांच कर जरूरत पड़ने पर तुरंत मरम्मत की जाए ताकि मिट्टी का कटाव रोका जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगले कुछ दिनों में संभावित वर्षा के चलते जलस्तर और बढ़ सकता है, इसलिए अधिकारी चौबीसों घंटे सतर्क रहें। यमुना बांध के अंदर बसे लोगों को समय रहते जलस्तर की जानकारीदी जाए और स्थिति गंभीर होने पर उन्हें सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया जाए। इसके लिए संबंधित ग्राम पंचायतों के सरपंचों के साथ

समन्वय बनाए रखने व गांवों में मुनादी करवाने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त उपायुक्त ने ड्रेन नंबर-8 का भी निरीक्षण किया, जो भैरा बाकीपुर व अकबरपुर बारोटा से होकर गुजरती है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि ड्रेन में गंदा पानी न छोड़ा जाए, यदि किसी भी प्रकार की लापरवाही सामने आती है, तो सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने ड्रेनों की नियमित सफाई व बहाव में रुकावटों को तुरंत हटाने के भी आदेश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम सुभाष चंद्र, डीडीपीओ जितेन्द्र कुमार, सिंचाई विभाग से दिल्ली डिवीजन के एक्सईएन मंजीत हुड्डा, एक्सईएन मनीष कुमार, आपदा प्रबंधन विभाग से विनित कादियान सहित संबंधित सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि किसी भी परिस्थिति में जान-माल का नुकसान न होने पाए, इसकी सुनिश्चितता की जाए।

भ्रष्टाचार पर जीरो टोलरेंस की नीति से अमल कर रही प्रदेश सरकार : कुलदीप बिश्नोई

एजेंसी

हिसार। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई ने कहा है कि प्रदेश सरकार भ्रष्टाचार पर जीरो टोलरेंस की नीति पर सख्ती से अमल कर रही है। सरकारी सिस्टम से भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए प्रदेश सरकार ने कड़े कदम उठाए हैं। पिछले कुछ समय में ही 129 राजस्व अधिकारियों पर एक साथ चार्जशीट की मंजूरी दी है, 6 महीनों में 50 से अधिक भ्रष्ट अफसरों पर कारवाई की गई है तथा कई निलंबित किए हैं। इस तरह के कदम उठाने से आम जनमानस को राहत मिलती है, क्योंकि दैनिक रोजमर्रा के कार्यों के लिए ज्यादातर उन्हें ही सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ते हैं। कुलदीप बिश्नोई गुरुवार को हिसार आवास पर जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए कार्यकर्ताओं से बातचीत कर रहे थे। इससे पूर्व उन्होंने आदमपुर हलके के सदलपुर, मंडी आदमपुर, ढाणी सीसवाल, डोभी, खारिया, सुंडावास, बुडाक सहित कई गांवों विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया तथा लोगों के सुख-दुख में शिरकत

की। कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी राज्य के हर क्षेत्र का बिना किसी भेदभाव के विकास करवा रहे हैं। साथ ही राज्य के हर वर्ग के उत्थान की दिशा में भी योजनाएं लागू कर रहे हैं। राज्य में पिछड़ा वर्ग के परिवारों को बड़ी राहत देते हुए उन्होंने विवाह शगुन की राशि को बढ़ाते हुए 51 हजार रूपए की है। इसी तरह अनुसूचित जाति, विमुक्त जाति ओर टपरीवास समुदाय के पात्र परिवारों को भी 71 हजार रूपए की राशि मिल रही है। गत दिवस ही पार्ट टाइम एवं दैनिक वेतनभागी कर्मचारियों का वेतन बढ़ाया गया है। हरियाणा कौशल रोजगार निगम के कर्मचारियों के वेतन में बढ़ोतरी का फैसला भी स्वागत योग्य कदम है।कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि वे प्रदेश के हर कोने में जा रहे हैं। स्व. चौ. भजन लाल और उनके साथ जुड़े रहे हमारे पुराने संघर्ष के साथियों का आज भी ही प्यार, उत्साह व समर्थन उन्हें मिल रहा है। इससे मुझमें नई ऊर्जा का संचार हो रहा है।

दिशा की बैठक में सांसद सैलजा ने अधिकारियों को सुनाई खरी-खोटी

एजेंसी

सिरसा। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने गुरुवार को पंचायत भवन में आयोजित जिला विकास, समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण अधिकारियों को नेशनल हाईवे के ड्रेनेज को लेकर खूब खरी खोटी हुई। सांसद ने कहा कि बहाने बनाने से काम नहीं चलेगा वे स्वयं देखकर आई है कि कोई सफाई नहीं हुई है, कोई मरम्मत नहीं है, मीडिया और अधिकारियों के साथ लेकर चलते हैं वे भी देख लेंगे कि कैसे काम हो रहा है। इसके साथ ही सांसद ने नहरों की सफाई और तटबंधों को मजबूत ने किए जाने को लेकर सिंचाई विभाग के अधिकारियों की क्लास लगाई साथ ही कुमारी सैलजा ने उपायुक्त शांतनु शर्मा से कहा कि ये गंभीर मामला है, कमेटी गठित कर इसकी जांच करवाई जाए। लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए, अधिकारियों ने तो मजाक बनाया हुआ है। सैलजा ने सबसे पहले नेशनल हाईवे-9 पर ड्रेनेज की व्यवस्था ठीक न होने, जलभराव से हादसे होने का मुद्दा उठाया। सांसद ने कहा कि हिसार से डबवाली के बीच 41 किमी क्षेत्र में ड्रेनेज ठीक करने के लिए करीब 150 करोड़ रुपये की राशि पांच साल के लिए आई पर देखकर नहीं लगता कि इस दिशा में कोई काम हुआ है। मौके पर मौजूद भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारी ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि सारा काम हो चुका है कही पर भी जलभराव नहीं होता है, इतना सुनते ही सांसद ने उन्हें सच्चाई से अवगत करवाया। चलो मीडिया कर्मियों और अधिकारियों के साथ मौके पर चलते है नेशनल हाईवे-9 पर ड्रेनेज की व्यवस्था को लेकर अधिकारी के जवाब से सांसद कुमारी सैलजा गुस्से में आ गई। सांसद ने कहा कि वे स्वयं आज हिसार से सिरसा आते हुए देखकर आई है, नालों की सफाई नहीं है, कूड़े से अटे पडे है घास और झाडयिां उगी हुई है, मरम्मत तक नहीं करवाई गई है कुछ स्थानों की वीडियोग्राफी भी करवाई है। घग्घर नदी के तटबंधों की मजबूती और नहरों की साफ सफाई को लेकर काफी गंभीर दिखाई दी, ये काम 30 जून तक पूरा हो जाना चाहिए था पर अधिकारी खानापूर्ति में लगे हुए हैं। सांसद कुमारी सैलजा ने सिरसा में चतरगढ़पट्टी फाटक के पास रेलवे ओवर ब्रिज, कोर्ट रोड और कंगनपुर रोड पर अंडर ब्रिज बनाए जाने प्रस्तावित है इन तीनों के निर्माण के लिए क्या प्रगति है, कब तक निर्माण कार्य शुरू होगा।

हिसार से शिमला व गुरुग्राम के लिए एसी बस सेवा शुरू

एजेंसी

हिसार। राज्य परिवहन के हिसार डिपो ने हिसार से दो अन्य स्थानों के लिए एसी बस सेवा शुरू की है। विभाग के अनुसार अब शिमला व गुरुग्राम के लिए एसी बस सेवा शुरू कर दी गई है। इन बसों में आरामदायक सीटें और मोबाइल चार्जिंग पॉइंट्स जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। रोडवेज के अधिकारियों ने गुरुवार को बसों के शुभारंभ अवसर पर बताया कि हिसार से शिमला जाने वाली एसी बस सुबह 9 बजकर 55 मिनट पर हिसार बस स्टेंड से चलेगी। हिसार से शिमला का किराया 813 रुपए रखा गया है और यह बस शाम को सात बजे शिमला पहुंचेगी। यह बस कैथल, अंबाला, चंडीगढ़ सहित 45 स्थानों पर रुकेगी। अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले विभाग की सामान्य बसों का शिमला के लिए संचालन हो रहा है जबकि हिसार से शिमला के लिए एसी बस पहली बार चलाई है। साधारण बसों में यह किराया 602 रुपए निर्धारित है।

मानसून में जल निकासी प्रबंधों के लिए हर जिले को दिए पचास लाख

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मौजूदा मॉनसून सीजन के मद्देनजर अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी ड्रेनों की पूरी तरह सफाई सुनिश्चित की जाए और ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में जलभराव की समस्या से बचने के लिए प्रभावी जल निकासी प्रणाली सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री ने यह निर्देश वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी उपायुक्तों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिए। बैठक में मुख्यमंत्री ने विभिन्न सडक़ों, पुलों के निर्माण तथा जल निकासी के लिए भूमिगत पाइपलाइन बिछाने की प्रगति की भी समीक्षा की। बैठक में बताया गया कि बाढ़ की तैयारियों के लिए प्रत्येक जिले को 4.50 लाख रुपये की राशि आवंटित की गई है। इसके अतिरिक्त, जल निकासी कार्यों के लिए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को 50 लाख रुपये दिए गए हैं। आवश्यकता पड़ने पर राज्य आपदा प्रबंधन कोष के तहत अतिरिक्त धनराशि भी आवंटित की जा सकती है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि आगामी दिनों में भारी बारिश की संभावना को देखते हुए सभी

उपायुक्त अपने-अपने जिलों में बारिश के पानी की निकासी के लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करें, ताकि आमजन को किसी प्रकार की परेशानी न हो। बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रत्येक जिले में उपलब्ध पंपों की संख्या की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी पंपों को पूरी तरह चालू स्थिति में रखा जाए ताकि वर्षा जल की निकासी में कोई समस्या न हो। साथ ही उन्होंने सभी उपायुक्तों को अपने जिलों में सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, शहरी स्थानीय निकाय, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग तथा हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) के पास उपलब्ध पंपों की विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर उनका समुचित उपयोग किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी उपायुक्त निर्धारित प्रारूप में पंपों की उपलब्धता से संबंधित जानकारी पोर्टल पर अपलोड करें।

आयुष्मान लाभार्थियों के इलाज में कोताही बरतने वाले डॉक्टर पर होगी कार्रवाई

एजेंसी

पानीपत। पानीपत में आयुष मान कार्ड धारक व्यक्ति के इलाज में कोताही बरतने वाले अस्पतालों के डॉक्टरो पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। पानीपत प्रशासन ने आयुष्मान कार्ड धारकों के हित में आदेश जारी किए है। जिला उपायुक्त वीरेंद्र कुमार दहिया ने जानकारी देते हुए कहा कि 70 वर्ष ओर उसे से ज्यादा उम्र के वृद्ध का आयुषमान कार्ड कैसे बनवा सकते हैं। कई वृद्धों का आयुष्मान कार्ड मौके पर बनवाया। उपायुक्त ने बताया कि इस कार्ड में सरकार ने किसी भी प्रकार की आय से जुड़ी सीमा निर्धारित नहीं की है। इसका लाभ सभी ले सकते है। उन्हें इसके लिए धरातल पर प्रक्रिया को पूरा करना होगा। उपायुक्त ने बताया कि केंद्र सरकार की इस योजना के लिए 70 व इससे ज्यादा आयु वर्ग के बुजुर्ग ही इस योजना के लिए पात्र होंगे। उपायुक्त ने बताया कि इस योजना के तहत जो हॉस्पिटल पैनल में है बुजुर्गो को उसमें 5 लाख रुपए तक की इलाज की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। और जो वृद्ध इलाज करवाने के लिए अस्पताल में जाते हैं व जो डॉक्टर उनका सही तरह से इलाज नहीं करता उन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर आयुष विभाग के डॉक्टरों ने लोगों को

आयुष्मान कार्ड बनवाने का डेमो भी दिखाया व 70 साल से ज्यादा की आयु के वृद्धों का आयुष्मान कार्ड भी मौके पर बनाया। इस मौके पर भाजपा के जिला अध्यक्ष दुष्यंत भट्ट ने कहा कि सरकार ने बुजुर्गो का सम्मान किया है। यह कार्ड बुजुर्गों को उस वक्त सहयोग प्रदान करेगा जिस वक्त उनकी अपनी संतान भी उनका साथ नहीं देगी।

सरकारी स्कूलों के मेधावी विद्यार्थियों को दी जाएगी मुफ्त कोचिंग : ढांडा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने कहा कि हरियाणा के सरकारी स्कूलों में शिक्षा के स्तर में और अधिक सुधार लाने तथा विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से सरकारी स्कूलों के मेधावी विद्यार्थियों को मुफ्त कोचिंग दी जाएगी, ताकि वे आईआईटी, एनडीए व अन्य परीक्षाओं में सफल हो सकें। इसको लेकर शिक्षा विभाग द्वारा पायलट प्रोजेक्ट तैयार किया जा रहा है, जिसके तहत पहले कुछ ब्लाकों में सरकारी स्कूलों के बेहतरीन शिक्षकों द्वारा स्कूल टाइम के बाद मेधावी विद्यार्थियों को कोचिंग दी जाएगी। ये प्रोजेक्ट सफल रहा तो इसे प्रदेश भर में लागू किया जाएगा।

शिक्षा मंत्री पंचकूला स्थित शिक्षा सदन में शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ हुई समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्राइवेट स्कूलों की तर्ज पर सरकारी स्कूलों में अभिभावकों-शिक्षकों की बैठक करने की योजना है। ताकि अभिभावकों को अपने बच्चों के शिक्षा के स्तर की जानकारी हो और वे बच्चों की शिक्षा में और गुणवत्ता लाने में सहयोग कर सकें। उन्होंने

कहा कि हरियाणा के खिलाड़ियों का विश्व भर में खेलों में डंका बजा हुआ है। हमारे खिलाड़ी ही ओलंपिक, विश्व चैंपियनशिप, एशियन गेम्स व कामनवेल्थ खेलों में सबसे ज्यादा पदक जीत रहे हैं। खिलाड़ियों की स्कूल टाइम से ही खेल की नींव मजबूत होती है। इसलिए सरकारी स्कूलों में न सिर्फ खिलाड़ियों को अच्छी ट्रेनिंग दी जाएगी, बल्कि खेलों का ज्यादा से ज्यादा सामान भी मुहैया करवाया जाएगा। जो खेल का सामान स्कूलों को पहले दिया गया है, शिक्षक उसे खिलाड़ियों को अभ्यास करने के लिए दें। वे इसकी स्वयं समय-समय पर समीक्षा भी करेंगे। लापरवाही बरतने वाले शिक्षकों पर कार्रवाई की जाएगी। शिक्षा मंत्री ने कहा कि शिक्षा विभाग के कार्यालयों में हिंदी भाषा का प्रयोग किया जाए। इसमें कोई कोताही सहन नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह बड़े ही गर्व की बात है कि सरकारी स्कूलों में बच्चों को दिए जाने वाले मिड-डे मिल की योजना में हरियाणा देश में प्रथम स्थान पर है।

सीवरेज के गंदे पानी को शुद्ध कर 140 करोड़ में बेचता है सूरत नगर निगम

एजेंसी

गुरुग्राम। सीवरेज का गंदा पानी भी करोड़ों रुपये की इनकम करवा सकता है। ऐसी कोई सोच नहीं, बल्कि इस काम को कर रहा है सूरत नगर निगम। सीवरेज से निकले पानी को ट्रीट करके एक या दो करोड़ में नहीं, बल्कि 140 करोड़ में नगर निगम वहां लगे उद्योगों को बेचता है। इससे नगर निगम को रिवेन्यू का लाभ भी मिल रहा है। मानेसर में आयोजित शहरी स्थानीय निकायों के अध्यक्षों के राष्ट्रीय सम्मेलन में सूरत नगर निगम की कमिश्नर शालिनी अग्रवाल ने यह सक्सेस स्टोरी बताई। उन्होंने बताया कि सूरत विश्व भर में डायमंड सिटी के नाम से जाना जाता है। इसके साथ-साथ यहां बड़े पैमाने पर टेक्सटाइल इंडस्ट्री और सोलर प्लेट की यूनिट भी स्थापित हैं। सूरत शहर से हर रोज बड़ी मात्रा में पानी इस्तेमाल किया जाता है। गंदा पानी सीवरेज के माध्यम से ट्रीटमेंट प्लांट तक पहुंचता है। 115 एमएलडी क्षमता के तीन ट्रीटमेंट प्लांट इस पानी को ट्रीट करते हैं और इस शहर के उद्योगों को भेजा जाता है। इससे करीब 140 करोड़ रुपये के रिवेन्यू का लाभ मिलता है। नगर निगम की कमिश्नर शालिनी अग्रवाल ने बताया कि अभी शहर से निकलने वाले महज 33 प्रतिशत पानी को ट्रीट किया जा रहा है। भविष्य में इसे बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। वर्ष 2030 में 70 प्रतिशत और 2035 तक 100 प्रतिशत गंदे पानी को ट्रीट करने का लक्ष्य रखा गया है। इससे 450 करोड़ रुपये का रिवेन्यू प्राप्त होगा। उन्होंने बताया कि ट्रीटेड पानी को न केवल उद्योगों बल्कि कंस्ट्रक्शन के कार्य में भी इस्तेमाल किया जाता है। इस पानी को टैंकर के माध्यम से कंस्ट्रक्शन साइट तक भेजा जाता है।

नगर निगम की कमिश्नर शालिनी अग्रवाल ने बताया कि शहर में इंटिग्रेटिड वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम बनाया गया है।

NAME CHANGE

I, Kanchan D/o Sher Singh R/o Churni Jagir, Churni Jagir Churni(56),Karnal Haryana-132001 hereby undertake that I Kanchan want to change my name to Saveer Harwal and gender as male. I Kanchan henceforth be known as Saveer Harwal S/o Sher Singh

एसएमपीपी को भारतीय सेना ने दिया 300 करोड़ का ठेका

मुंबई।

रक्षा उपकरण विनिर्माता कंपनी एसएमपीपी को भारतीय सेना से 300 करोड़ रुपये के दो ठेके हा सिल हुए हैं। एसएमपीपी ने कहा कि हा सिल किए गए इस ठेके से कंपनी आपात प्रावधान के तहत भारतीय सेना को बुलेटप्रूफ जैकेट और उन्नत बैलिस्टिक हेलमेट की आपूर्ति करेगी। एसएमपीपी भारतीय सेना को 27,700 बुलेटप्रूफ जैकेट और 11,700 उन्नत बैलिस्टिक हेलमेट की आपूर्ति करेगी। एसएमपीपी के एक अ धिकारी ने कहा कि एसएमपीपी भारत में व्यक्तिगत सुरक्षा बाजार में 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी के साथ आगे रहा है, जो अनुसंधान एवं विकास पर इसके अत्यधिक ध्यान से ही संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि कंपनी ने पहले ही 17 से अधिक पेटेंट दाखिल किए हैं और 10 पेटेंट दिए जा चुके हैं। एसएमपीपी रक्षा उपकरणों का स्वदेशी विनिर्माता है। इसकी हरियाणा में एक विनिर्माण सुविधा है।

ब्रिगेड होटल वेंचर्स ने जुटाए 126 करोड़

नई दिल्ली।

ब्रिगेड होटल वेंचर्स लिमिटेड ने अपने पहले आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से पहले 126 करोड़ रुपये जुटा लिए हैं। ब्रिगेड होटल वेंचर्स बेंगलुरु स्थित रियल एस्टेट कंपनी ब्रिगेड एंटरप्राइजेज लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी है। कंपनी ने शुक्रवार को बयान जारी कर कहा कि उसने आईपीओ पूर्व निर्गम में 126 करोड़ रुपये जुटाए हैं।' ब्रिगेड होटल ने 360 वन अल्टरनेट्स एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड (360 वन) को 90 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 1.4 करोड़ शेयर जारी किए। यह लेनदेन कंपनी की पूर्व-प्रस्ताव शेयर पूंजी का 4.74 प्रतिशत है। आईपीओ दस्तावेज के अनुसार, कंपनी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में 900 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे। इससे मिली राशि में से कंपनी करीब 480 करोड़ रुपये का उपयोग कर्ज चुकाने और 107 करोड़ रुपये जमीन के अ धिग्रहण के लिए करेगी। बाकी राशि को अन्य कार्यों के लिए रखा जाएगा।

जिंदल स्टील को ओडिशा में मिला रोइडा-1 लौह, मैंगनीज ब्लॉक के लिए खनन पट्टा

नई दिल्ली।

जिंदल स्टील ने ओडिशा में रोइडा-1 लौह अयस्क एवं मैंगनीज ब्लॉक के लिए 50 साल का खनन पट्टा प्राप्त कर लिया है। जिंदल स्टील ने कहा कि कंपनी ने उक्त खनन पट्टे के अनुदान के लिए ओडिशा सरकार से आशय पत्र (एलओआई) हासिल कर लिया है। बयान के अनुसार 104.84 हेक्टेयर में फैला यह खनिज संसाधन जिंदल स्टील की कच्चे माल की सुरक्षा को बढ़ाता है। साथ ही भारत के खनिज समृद्ध पूर्वी गलियारे में एकीकृत और टिकाऊ इस्पात उत्पादन के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। जिंदल स्टील के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने कहा कि यह खनन पट्टा आत्मनिर्भर इस्पात उत्पादन के हमारे दीर्घकालिक दृष्टिकोण के लिए महत्वपूर्ण है। रोइडा-ढ्ढ ब्लॉक के साथ, हम अपने लौह अयस्क एवं मैंगनीज आपूर्ति आधार को महत्वपूर्ण रूप से मजबूत कर रहे हैं, जो परिचालन स्थिरता, लागत दक्षता सुनिश्चित करेगा व हमारी विकास योजनाओं का समर्थन करेगा।

रिलायंस इंडस्ट्रीज 15 से अधिक प्रोडक्ट्स को मिलाकर नई कंपनी तैयार करेगी

न्यू रिलायंस कंज्यूमर प्रॉडक्ट्स लिमिटेड 8.5 लाख करोड़ से ज्यादा वैल्युएशन पर आईपीओ लाएगी

मुंबई।

मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज अपने एफएमसीजी कारोबार को नए सिरे से संगठित करने की तैयारी कर रही है।

कंपनी अपने लोकप्रिय उपभोक्ता ब्रांड्स जैसे कैंपा कोला, इंडिपेंडेंस और अन्य 15 से अधिक प्रोडक्ट्स को मिलाकर एक नई इकाई - न्यू रिलायंस कंज्यूमर प्रॉडक्ट्स लिमिटेड (एनआरसीएल) बनाने पर `विचार कर रही है। यह कंपनी रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड से अलग होकर सीधे रिलायंस इंडस्ट्रीज के अंतर्गत काम करेगी, ठीक उसी तरह जैसे जियो संचालित होती है। इस कदम का उद्देश्य एफएमसीजी सेगमेंट पर विशेष ध्यान केंद्रित करना और उन निवेशकों को आकर्षित करना है, जो इस सेक्टर में दिलचस्पी रखते हैं। रिलायंस रिटेल वेंचर्स की मौजूदा वैल्यूएशन 8.5 लाख करोड़ से अधिक है और यदि एनआरसीएल का आईपीओ लॉन्च होता है, तो यह भारत के सबसे बड़े सार्वजनिक निर्गमों में से एक बन सकता है। एनआरसीएल का बिजनेस मॉडल आक्रामक होगा। कंपनी अपने प्रोडक्ट्स को स्थापित ब्रांड्स जैसे कोका-कोला और हिंदुस्तान यूनिलीवर की तुलना में 20-40 फीसदी कम कीमत पर बेचेगी। साथ ही रिटेलर्स को अधिक मार्जिन प्रदान कर तेज वितरण नेटवर्क खड़ा करेगी। हाल ही में एनसीएलटी से इस रीस्ट्रक्चरिंग को मंजूरी मिल चुकी है। यह कदम रिलायंस को टाटा, आईटीसी और रेमंड जैसी कंपनियों की रणनीति की राह पर आगे बढ़ने में मदद करेगा, जिन्होंने अपने विभिन्न बिजनेस यूनिट्स को अलग-अलग लिस्ट कर उनकी वास्तविक वैल्यू सामने लाई है।

लंबी गिरावट के बाद स्प्राइट एग्रो के शेयर में दो दिनों से लग रहा अपर सर्किट

मुंबई।

एक समय निवेशकों को करोड़पति बनाने वाला` स्प्राइट एग्रो का शेयर अब फिर से चर्चा में है। एक लंबी गिरावट के बाद इस शेयर में बीते दो दिनों से 5-5 फीसदी अपर सर्किट लग रहे हैं। गुरुवार को यह शेयर 3.25 रुपए पर बंद हुआ। शुक्रवार को भी इस शेयर में अपर सर्किट लगा है। कंपनी ने हाल ही में एक्सचेंज को जानकारी दी कि उसने 102 करोड़ का एग्री कमोडिटी ऑर्डर पूरा कर लिया है। इससे पहले भी कंपनी कुल 299 करोड़ मूल्य के ऑर्डर पूरे कर चुकी है। इन खबरों से निवेशकों का कुछ भरोसा फिर लौटता नजर आ रहा है। ` स्प्राइट एग्रो के शेयर ने एक साल में निवेशकों को करोड़पति बना दिया था। 18 अगस्त 2023 को यह शेयर महज 0.33 पर था। ठीक एक साल बाद 9 अगस्त 2024 को यह 44.66 तक पहुंच गया। इस दौरान इसने निवेशकों को 13,435 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया। अगस्त 2024 के बाद शेयर में जबरदस्त गिरावट शुरू हो गई। 1 जुलाई 2025 को यह गिरकर 2.93 पर पहुंच गया था यानी ऑल टाइम हाई से अब तक यह शेयर 90 फीसदी से ज्यादा गिर चुका है।

भारत-अमेरिका के बीच मिनी ट्रेड डील की तैयारी

कृषि क्षेत्र पर नहीं बनेगी सहमति

नई दिल्ली।

भारत और अमेरिका के बीच 9 जुलाई से पहले एक मिनी ट्रेड डील की घोषणा की जा सकती है। यह डील दोनों देशों के बीच प्रस्तावित 43 लाख करोड़ रुपए के द्विपक्षीय व्यापार समझौते की दिशा में पहला कदम मानी जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार डील को अंतिम रूप देने के लिए दोनों देशों के बीच कई मुद्दों पर सहमति बन चुकी है, हालांकि सभी शर्तों का खुलासा अभी संभव नहीं है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत ने अमेरिका को अपने कृषि क्षेत्र में प्रवेश की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। अमेरिका लंबे समय से भारत में जेनेटिकली मॉडिफाइड फसलों के लिए बाजार की मांग कर रहा था, जिसे भारत ने ठुकरा दिया। भारत का तर्क है कि देश की 60 फीसदी आबादी कृषि पर निर्भर है, इसलिए इस क्षेत्र को विदेशी हस्तक्षेप से सुरक्षित रखना जरूरी है। अमेरिका ने भी फिलहाल इस मुद्दे पर दबाव न डालने का फैसला किया है। दूसरी ओर, भारत ने अमेरिका से एनर्जी और डिफेंस उत्पादों की खरीद शुरू कर दी है ताकि व्यापार संतुलन बना रहे। साथ ही भारत सरकार ने अमेरिकी मोटरसाइकिल और व्हिस्की पर आयात शुल्क कम करने की भी घोषणा की है। जानकारों का मानना है कि इस मिनी डील के बाद आने वाले तीन वर्षों में भारत-अमेरिका व्यापार में वास्तविक बदलाव दिखने लगेंगे। यह समझौता दोनों देशों के लिए रणनीतिक दृष्टि से अहम है और इसके जरिए वैश्विक व्यापार में एक नया समीकरण बन सकता है।

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आई है। आज सुबह बाजार की शुरुआत तेजी के साथ हुई पर बीच में उसमें गिरावट आने लगी हालांकि अंत में खरीदीदारी से बाजार में उछाल आया और ये हरे निशान पर बंद हुआ। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 193.42 अंक बढ़कर 83,432.89 अंकों पर बंद हुआ।

इसी तरह 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 55.70 अंकों के उछाल के साथ ही 25,461.00 अंकों पर बंद हुआ।

आज सेंसेक्स की 30 में से 20 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए, जबकि बाकी की 10 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ ही लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह निफ्टी की 50 में से 31 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ उछला के साथ बंद हुए। वहीं 19 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ लाल निशान में बंद हुए।

आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल बजाज फाइनेंस के शेयर सबसे ज्यादा 1.60 फीसदी ऊपर आये जबकि टाटा ग्रुप के ट्रेंट के शेयर आज सबसे ज्यादा 11.93

फीसदी गिरे। सेंसेक्स की अन्य कंपनियों में आज इंफोसिस के शेयर 1.38 फीसदी , हिंदुस्तान यूनिलीवर 1.19फीसदी , आईसीआईसीआई बैंक 1.14 फीसदी , एचसीएल टेक 0.92 फीसदी , अल्ट्राटेक सीमेंट 0.81 फीसदी , बजाज फिनसर्व 0.68 फीसदी , एसबीआई 0.59 फीसदी , टीसीएस 0.57 फीसदी , रिलायंस इंडस्ट्रीज 0.56 फीसदी , एक्सिस बैंक 0.50 फीसदी , एचडीएफसी बैंक 0.38 फीसदी , एलएंडटी 0.35 फीसदी , बीईएल 0.33 फीसदी , एनटीपीसी 0.21 फीसदी , टाइटन 0.17 फीसदी बढ़कर बंद हुए।

वहीं टाटा स्टील के शेयरों में 1.72 फीसदी , टेक महिंद्रा 1.13 फीसदी , मारुति सुजुकी 0.87 फीसदी , अडाणी पोर्ट्स 0.42 फीसदी , महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.34 फीसदी , आईटीसी 0.24 फीसदी के अलावा टाटा मोटर्स के शेयरों में 0.21 फीसदी की गिरावट रही। इससे पहले आज सुबह बाजार में हल्की तेजी रही है। सेंसेक्स 67 अंकों की बढ़त के साथ 83,307 के स्तर पर कारोबार करता दिखा, जबकि निफ्टी 13 अंकों की तेजी के साथ 25,418 पर पहुंच गया। आज सुबह बैंकिंग, मेटल और रियल्टी शेयरों में बिकवाली का दबाव देखने को मिला, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में गिरावट दर्ज की गई। निवेशकों की नजर इस खबर पर थी कि अमेरिका और भारत के बीच व्यापार समझौता जल्द हो सकता है, जिससे अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा 9 जुलाई से लागू किए जाने वाले टैरिफ से राहत मिल सकती है।

सोने में हल्की तेजी, चांदी की कीमतों में गिरावट

सोने के भाव 96,800 रुपए, चांदी लगभग 1,07,900 रुपए प्रति किलो

नई दिल्ली।

सोने और चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत शुक्रवार को सुस्ती के साथ हुई। लेकिन बाद में सोने के भाव सुधर गए। सोने के भाव 96,800 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,07,900 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 47 रुपये की गिरावट के साथ 96,735 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 96,782 रुपये था। इस समय यह 52 रुपये की तेजी के साथ 96,834 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 96,840 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 96,735 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव ने इस साल 1,01078 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 400 रुपये की गिरावट के साथ 1,07,836 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,08,236 रुपये था। इस समय यह 316 रुपये की गिरावट के साथ 1,07,920 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,07,920 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,07,836 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 1,09,748 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 3,335 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,342.90 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 4.30 डॉलर की गिरावट के साथ 3,338.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर

कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने इस साल 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई छू लिया है। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 37.05 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 37.08 डॉलर था। इस समय यह 0.22 डॉलर की गिरावट के साथ 36.86 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

एसबीआई ने आरकॉम का लोन अकाउंट फ्रॉड घोषित किया

अनिल अंबानी ने फैसले को बताया पक्षपातपूर्ण

नई दिल्ली।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (आरकॉम) के लोन खाते को फ्रॉड बता` दिया है। यह फैसला हाल ही में बैंक की फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन कमेटी की रिपोर्ट के बाद लिया गया। एसबीआई का आरोप है कि कंपनी ने लोन की राशि का दुरुपयोग किया और फंड को रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड (आरटीएल) और समूह की अन्य कंपनियों में डायवर्ट किया गया। साथ ही कंपनी ने लोन की शर्तों का भी उल्लंघन किया। बैंक अब आरकॉम के पूर्व निदेशक अनिल अंबानी का नाम रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया को रिपोर्ट करने की प्रक्रिया में है, जिससे उनकी अन्य वित्तीय गतिविधियों पर प्रभाव पड़ सकता है। इस घटनाक्रम से टेलीकॉम सेक्टर में एक नई कंट्रोवर्सी शुरू हो गई है। वहीं अनिल अंबानी ने एसबीआई को पत्र लिखकर इस निर्णय पर कड़ा ऐतराज जताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि बैंक ने यह फैसला बिना किसी ठोस सबूत और उचित प्रक्रिया के लिया है। उनके अनुसार, उन्हें या कंपनी को व्यक्तिगत रूप से सुनवाई का अवसर नहीं दिया गया, जो न्यायसंगत प्रक्रिया का उल्लंघन है। उन्होंने यह भी कहा कि एसबीआई ने सुप्रीम कोर्ट, बॉम्बे हाईकोर्ट और आरबीआई के दिशा-निर्देशों की अनदेखी की है।

चीन से आयात पर निर्भरता घटाने केमिकल फंड की जरूरतः नीति आयोग

मुंबई।

रसायन के क्षेत्र में भारत की आयात पर बहुत अधिक निर्भरता पर रोक लगाने के लिए नीति आयोग ने वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं (जीवीसी) में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए 8 प्रमुख बंदरगाह आधारित क्लस्टर बनाने, रसायन क्षेत्र में सहायता के लिए एक केमिकल फंड बनाने और विभिन्न सब्सिडी देने का सुझाव दिया है। भारत रसायनों का प्रमुख निर्यातक है, लेकिन भारी आयात पर भी निर्भर है। केंद्र के नीति से जुड़े थिंक टैंक के मुताबिक इसकी वजह से 2023 में इस सेक्टर में 31 अरब डॉलर का व्यापार घाटा हुआ है। इसमें यह भी कहा गया है कि भारत की केमिकल जीवीसी में मौजूदा हिस्सेदारी अभी 3.5 प्रतिशत है। भारत के करीब 34 प्रतिशत रसायनों का आयात चीन से होता है, जिसका कुल व्यापार घाटा 29 अरब डॉलर है। नीति आयोग ने कहा कि राजकोषीय और गैर-राजकोषीय हस्तक्षेपों की एक व्यापक श्रृंखला वाले लक्षित सुधारों से भारत को 1 लाख करोड़ डॉलर का रासायनिक क्षेत्र बनाने और 2040 तक जीवीसी में 12 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल

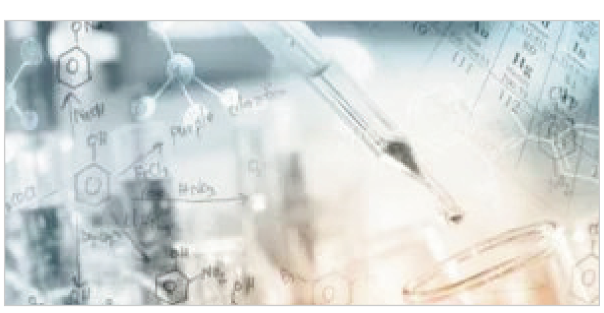

करने में मदद मिलेगी, जिससे वह एक वैश्विक रासायनिक महाशक्ति बन जाएगा। इसमें उम्मीद जताई गई है कि 2030 तक भारत का रसायन के क्षेत्र व्यापार घाटा शून्य हो जाएगा। नीति आयोग के मुख्य कार्याधिकारी और पूर्व वाणिज्य सचिव बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने रिपोर्ट जारी करते हुए कहा` कि दुनिया की आर्थिक और भू-राजनीतिक स्थिति को देखते हुए भारत इस समय आदर्श स्थिति में है। भारत अच्छी स्थिति में है। हम बिल्कुल सही जगह पर हैं।

सेबी ने जाने स्ट्रीट पर लगाया हेराफेरी का आरोप

4,844 करोड़ रुपए लौटाने का आदेश

मुंबई।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अमेरिका की ट्रेडिंग फर्म जाने स्ट्रीट को भारतीय शेयर बाजार में ट्रेडिंग से प्रतिबंधित कर दिया है। सेबी का आरोप है कि यह फर्म बाजार में हेराफेरी कर गैरकानूनी तरीके से मुनाफा कमा रही थी। सेबी ने एक अंतरिम आदेश में जाने स्ट्रीट को 4,844 करोड़ रुपये की अवैध कमाई लौटाने का भी निर्देश दिया है। सेबी के एक पूर्णकालिक सदस्य ने 105 पेज के आदेश में लिखा है कि इस मामले के तथ्यों को देखते हुए तत्काल रोक के आदेश जरूरी हैं। जब तक जांच पूरी नहीं होती और उससे जुड़े मामले निपट नहीं जाते, सभी एक्सचेंजों को जेएस ग्रुप की सभी गतिविधियों पर लगातार नजर रखनी होगी, ताकि यह फर्म भविष्य में हेराफेरी न कर सके। सेबी के मुताबिक जाने स्ट्रीट का तरीका कुछ इस तरह था` कि कंपनी पहले ऑप्शंस सेगमेंट में आक्रामक पोजिशन बनाती थी और फिर शेयर बाजार में बड़ी खरीदारी करके दाम को प्रभावित करती थी। खासकर साप्ताहिक इंडेक्स ऑप्शन की एक्सपायरी वाले दिनों में, जब कैश और फ्यूचर्स सेगमेंट में ट्रेडिंग कम होती है, उस वक्त यह कंपनी भारी ट्रेडिंग करके इंडेक्स को अपनी दिशा में मोड़ देती थी और ऑप्शंस में मोटा मुनाफा कमाती थी। जांच में पाया गया कि कंपनी ने बैंक` निफटी के 12 स्टॉक्स और उनके फ्यूचर्स में भारी खरीदारी की, जिससे इन शेयरों के दाम ऊपर गए और कंपनी ने ऑप्शंस में बड़ी पोजिशन बनाकर मोटा फायदा उठाया। सेबी के अनुसार जाने स्ट्रीट ने बैंक निफ्टी से जुड़े शेयरों में असामान्य रूप से अधिक संख्या में बाय ऑर्डर दिए, जो आखिरी सौदे की कीमत के बराबर या उससे ऊपर थे।

पॉपुलर रियलमी 15 सीरीज भारत में होंगे लॉन्च

नई दिल्ली।

चाइनीज कंपनी रियलमी ने अपनी पॉपुलर रियलमी 15 सीरीज भारत में लॉन्च करने का ऐलान किया है। स्मार्टफोन की इस सीरीज में रियलमी 15 प्रो 5जी और रियलमी 15 5जी शामिल होंगे। रियलमी 15 प्रो को कंपनी ने अपना सबसे एडवांस एआई पार्टी फोन बताया है। फोन में ऐसी एआई तकनीक दी गई है जो कंसर्ट, डांस फ्लोर या घर की पार्टी की लाइटिंग को पहचानकर कैमरा सेटिंग्स को ऑटोमैटिक एडजस्ट करती है। इससे फोटो और वीडियो धुंधले नहीं होते और रंग ज्यादा जीवंत नजर आते हैं। शटर स्पीड, कंट्रास्ट और सेचुरेशन जैसे पैरामीटर रियल टाइम में बदलते हैं ताकि हर पार्टी मोमेंट साफ और यादगार बने। रियलमी 15 प्रो और रियलमी 15 5 जीदोनों फोन में कई शानदार फीचर्स होंगे। इनमें 50 एमपी या उससे ज्यादा रेजोल्यूशन वाला एआई कैमरा होगा जो खासतौर पर पार्टी लाइटिंग में शानदार फोटो ले सकेगा। 5जी सपोर्ट से यूजर को तेज इंटरनेट स्पीड मिलेगी जिससे वीडियो स्ट्रीमिंग और गेमिंग में कोई रुकावट नहीं आएगी। फोन में 6.7 इंच का अमोलेड डिस्प्ले होगा जो 120 एचझेड रिफ्रेश रेट देगा, जिससे यूजर को स्मूद एक्सपीरियंस मिलेगा। इसमें मीडियाटेक डाइमेंसिटी 7300 या बेहतर प्रोसेसर होगा जो गेमिंग और मल्टीटास्किंग के लिए उपयुक्त है। 5000 एमएएच से ज्यादा की बैटरी और फास्ट चार्जिंग सपोर्ट इसकी बड़ी खासियत है। कीमत की बात करें तो रियलमी 15 5जी की कीमत लगभग 20,000 रुपये से शुरू हो सकती है, जबकि रियलमी 15 प्रो 5जी करीब 25,000 रुपये में मिल सकता है। फोन का डिज़ाइन स्टाइलिश और हल्का रखा गया है ताकि यह युवाओं को आकर्षित कर सके। इसकी सटीक लॉन्च डेट तो नहीं बताई गई है, लेकिन संभावना है कि यह जुलाई 2025 के पहले हफ्ते में बिक्री के लिए उपलब्ध होगा।

भारत की 14 प्रमुख कार कंपनियों ने बेचीं कुल 43,20,696 कारें

नई दिल्ली।

भारत की 14 प्रमुख कार कंपनियों ने वित्त वर्ष 2025 में कुल 43,20,696 कारें बेचीं। इन कारों में पेट्रोल, डीजल और सीएनजी गाड़ियों का दबदबा रहा। सबसे ज्यादा पेट्रोल गाड़ियां बिकीं, जिनकी बिक्री 24,84,331 यूनिट रही और इसका मार्केट शेयर 57.5प्रतिशत रहा। पेट्रोल कारों की लोकप्रियता का कारण इनकी कीमत, हर बजट में मौजूद विकल्प, आसान मेंटेनेंस और भरोसेमंद इंजन हैं। मारुति सुजुकी ने सबसे ज्यादा 11,48,363 पेट्रोल कारें बेचीं और इस सेगमेंट में अपनी मजबूत पकड़ साबित की। दूसरी ओर, सीएनजी कारों की मांग ने डीजल को पीछे छोड़ दिया। कम खर्च और खासकर शहरों में बढ़ती मांग की वजह से सीएनजी गाड़ियों की बिक्री 8,38,546 यूनिट तक पहुंच गई, जो कुल बिक्री का 19.4प्रतिशत हिस्सा रही। इसमें मारुति सुजुकी ने 5,91,730 यूनिट्स बेचकर सबसे आगे रही, जबकि टाटा, हुंडई और टोयोटा भी इस सेगमेंट में मौजूद रहे। डीजल गाड़ियों की लोकप्रियता हालांकि घटी है, लेकिन एसयूवी सेगमेंट में इनका वजूद बरकरार है। वित्त वर्ष 2025 में 7,73,303 डीजल गाड़ियां बिकीं और इसका मार्केट शेयर 18प्रतिशत रहा। महिंद्रा ने 4,25,329 यूनिट्स बेचकर डीजल सेगमेंट में अपनी मजबूत स्थिति बनाई। ईवी की कुल बिक्री 1,15,716 यूनिट रही, जो 2.7प्रतिशत मार्केट शेयर है, जिसमें टाटा मोटर्स सबसे आगे रही। वहीं हाइब्रिड गाड़ियों की बिक्री 1,04,800 यूनिट्स तक सीमित रही और इनका मार्केट शेयर 2.4 प्रतिशत रहा। कीमत ज्यादा और माइलेज फायदा सीमित होने के कारण डिमांड कम रही। इस सेगमेंट में टोयोटा ने 82,848 गाड़ियां बेचकर सबसे बड़ी हिस्सेदारी हासिल की, जबकि मारुति और होंडा भी इसमें शामिल हैं। बता दें कि इलेक्ट्रिक गाड़ियों की बिक्री में भी बढ़ोतरी हुई है। सरकार की सब्सिडी और चार्जिंग नेटवर्क के विस्तार से ईवी बाजार धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ रहा है।

दलाई लामा के चयन पर चीन का साजिशपूर्ण हस्तक्षेप

ललित गर्ग

चीन, दलाई लामा के उत्तराधिकारी के चयन में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर रहा है, यह दावा करते हुए कि यह धार्मिक और ऐतिहासिक प्रक्रिया का हिस्सा है। हालांकि, दलाई लामा और तिब्बती समुदाय का कहना है कि यह अधिकार केवल उनके पास है और चीन का हस्तक्षेप धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन है।

तिब्बत के आध्यात्मिक नेता एवं वर्तमान 14वें दलाई लामा, तेनजिन ग्यात्सो की उत्तराधिकार प्रक्रिया न केवल बौद्ध धर्म और तिब्बत की संस्कृति से जुड़ा विषय है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय राजनीति, मानवाधिकार और भारत-चीन संबंधों के संदर्भ में भी अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। चीन द्वारा इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने का प्रयास न केवल धार्मिक स्वतंत्रता का हनन है, बल्कि यह वैश्विक जनमत की भी अवहेलना है। इन स्थितियों में उत्तराधिकार के मसले पर भारत की भूमिका एक निर्णायक मार्गदर्शक के रूप में उभरती है और इसे दृष्टि में रखते हुए भारत ने दलाई लामा का पक्ष लिया है। ऐसा करने में कुछ भी अप्रत्याशित नहीं हैं। भारत शुरू से तिब्बतियों के अधिकार, उनके हितों और उनकी परंपराओं व मूल्यों के समर्थन में खड़ा रहा है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू का बयान चीन के लिए यह संदेश भी है कि इस संवेदनशील मसले पर उसकी मनमानी नहीं चलेगी।

चीन, दलाई लामा के उत्तराधिकारी के चयन में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर रहा है, यह दावा करते हुए कि यह धार्मिक और ऐतिहासिक प्रक्रिया का हिस्सा है। हालांकि, दलाई लामा और तिब्बती समुदाय का कहना है कि यह अधिकार केवल उनके पास है और चीन का हस्तक्षेप धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन है। चीन, 'स्वर्ण कलश' प्रणाली का उपयोग करके अपने पसंदीदा उम्मीदवार को स्थापित करना चाहता है। चीन का कहना है कि दलाई लामा का उत्तराधिकारी चुनने का अधिकार उसे 'स्वर्ण कलश' प्रणाली के माध्यम से है, जो 1793 में किंग राजवंश के समय से चली आ रही है। इस प्रणाली में, संभावित उत्तराधिकारियों के नाम एक कलश में डाले जाते हैं और फिर एक नाम निकाला जाता है।

दलाई लामा केवल तिब्बत के धार्मिक नेता नहीं हैं, वे तिब्बती अस्मिता, स्वतंत्रता और आत्म-सम्मान के प्रतीक हैं। वर्तमान 14वें दलाई लामा, तेनजिन ग्यात्सो, 1959 में चीन की दमनकारी नीतियों के कारण तिब्बत छोड़कर भारत आए और धर्मशाला में निर्वासित तिब्बती सरकार की स्थापना हुई। भारत ने न केवल उन्हें शरण दी, बल्कि एक शांतिपूर्ण संघर्ष के पथप्रदर्शक के रूप में वैश्विक स्तर पर उनके विचारों को मंच भी प्रदान किया। वर्तमान दलाई लामा ने इस पद के लिए अगले शख्स को चुनने की सारी जिम्मेदारी गाडेन फोडरंग ट्रस्ट को दे दी है। उन्होंने कहा है कि इस मामले में किसी और को हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है। उनका इशारा चीन की ओर था। रिजिजू ने भी इस बात का समर्थन किया है। वहीं, चीन ने इस मसले में साजिशपूर्ण हस्तक्षेप करते हुए कहा है कि उत्तराधिकारी का चयन चीनी मान्यताओं के अनुसार और पेइचिंग की मंजूरी से होना चाहिए। चीन दलाई लामा की उत्तराधिकार प्रक्रिया पर नियंत्रण चाहता है ताकि तिब्बती जनता को अपने ही धार्मिक नेता से अलग किया जा सके। 2007 में चीनी सरकार ने एक 'धार्मिक मामलों पर नियंत्रण कानून' लागू किया जिसके अंतर्गत दलाई लामा जैसे धार्मिक नेताओं की नियुक्ति भी राज्य की अनुमति से ही संभव बताई गई। यह न केवल बौद्ध धर्म के सिद्धांतों के विरुद्ध है, बल्कि यह तिब्बती जनता की आस्था और पहचान का गला घोंटने जैसा है।

1959 में जब दलाई लामा को कम्युनिस्ट सरकार के दमन के चलते भारत में शरण लेनी पड़ी थी, तब से हालात बिल्कुल बदल गए हैं- चीन बेहद ताकतवर हो चुका है और तिब्बत कमजोर। इसके बाद भी अगर तिब्बत का मसला जिंदा है, तो वजह हैं दलाई लामा। चीन इसे समझता है और इसी वजह से इस पद पर अपने प्रभाव वाले किसी शख्स को बैठाना चाहता है। चीन की योजना यह है कि जब वर्तमान दलाई लामा का देहांत हो, तो वह अपनी पसंद का एक 'दलाई लामा' घोषित करे, जिसे वैश्विक समुदाय भले ही स्वीकार न करे, लेकिन चीन उसकी पहचान को जबरन वैधता प्रदान करे। यह एक 'राजनीतिक कठपुतली' खड़ी करने जैसा है, जिससे तिब्बत पर उसका शासन वैचारिक रूप से मजबूत हो सके। लेकिन भारत, जो दलाई लामा और तिब्बती निर्वासित समुदाय का स्वागत करता रहा है, अब उस नाजुक मोड़ पर है जहाँ केवल नैतिक समर्थन पर्याप्त नहीं होगा। चीन की विस्तारवादी नीति और आक्रामक कूटनीति को देखते हुए भारत को अपनी रणनीतिक स्थिति स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करनी होगी।

चीन ने तिब्बत की पहचान को मिटाने की हर मुमकिन कोशिश कर ली है। दलाई लामा के पद पर दावा ऐसी ही एक और कोशिश है। उसकी वजह से यह मामला धर्म से आगे बढ़कर वैश्विक राजनीति का रूप ले चुका है, जिसका असर भारत और उन तमाम जगहों पर पड़ेगा, जहां तिब्बत के लोगों ने शरण ली है। भारत पर तो चीन लंबे समय से दबाव डालता रहा है कि वह दलाई लामा को उसे सौंप दे। चीन और तिब्बत की लड़ाई भारतीय भूमि पर दशकों से चल रही है और नई दिल्ली-पेइचिंग के बीच तनाव का एक बड़ा कारण बनती रही है। दलाई लामा की घोषणा के अनुसार, उनका उत्तराधिकारी तिब्बत के बाहर का भी हो सकता है- अनुमान है कि भारत में मौजूद अनुयायियों में से कोई एक, तो यह तनाव और बढ़ सकता है। लेकिन, इसमें भारत के लिए मौका भी है। वह चीन पर कूटनीतिक दबाव डाल सकता है, जो पहलगाम जैसी घटना में भी पाकिस्तान के साथ खड़ा रहा और बॉर्डर से लेकर व्यापार तक, हर जगह राह में रोड़े अटकाने में लगा है।

धर्मशाला, जहाँ वर्तमान दलाई लामा रहते हैं, अब विश्व स्तर पर तिब्बती संस्कृति एवं बौद्ध परंपराओं का केंद्र बन गया है। भारत को इस केंद्र को आधिकारिक मान्यता देनी चाहिए और संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों पर इस धार्मिक स्वतंत्रता के प्रश्न को उठाना चाहिए। अब जबकि दलाई लामा स्वयं कह चुके हैं कि उनके उत्तराधिकारी का चयन भारत में हो सकता है तो भारत सरकार को इस पर एक स्पष्ट नीति बनानी चाहिए कि वह चीन द्वारा घोषित किसी भी 'नकली' दलाई लामा या अनुचित हस्तक्षेप को मान्यता नहीं देगा। भारत को अमेरिका, जापान, यूरोपीय संघ जैसे लोकतांत्रिक देशों के साथ समन्वय स्थापित करके इस विषय पर वैश्विक समर्थन, कूटनीतिक दबाव और अंतरराष्ट्रीय समन्वय तैयार करना चाहिए। अमेरिका भी पहले ही कह चुका है कि दलाई लामा का उत्तराधिकारी केवल तिब्बती परंपराओं के अनुसार चुना जाएगा। अमेरिका में तिब्बती बौद्धों की धार्मिक स्वायत्तता को लेकर डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टी दोनों ही मुखर रही हैं। इतना ही नहीं अमेरिकी सरकार अगले दलाई लामा के चयन में चीन के दखल को भी अमान्य करार देती आई है।

चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के संस्थापक माओत्से तुंग की कमान में चीनी सेना लंबे समय तक तिब्बत पर कब्जे की कोशिश में जुटी रही। इसके खिलाफ जब दलाई लामा के नेतृत्व में तिब्बती बौद्धों ने आवाज उठाई तो चीनी सेना ने इसे बर्बरता से कुचल दिया। इसके बाद 1959 में चीन के तिब्बत पर कब्जा करने के बाद दलाई लामा तिब्बतियों के एक बड़े समूह के साथ भारत आ गए और यहां से ही तिब्बत की निर्वासित सरकार का संचालन करने लगे। तिब्बत में इस घटना ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। तब से दलाई लामा ने हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला को अपना घर बना लिया, जिससे बीजिंग नाराज हो गया और वहां उनकी उपस्थिति चीन और भारत के बीच विवाद का विषय बनी रही। भारत में बसे तिब्बती शरणार्थियों को शिक्षा, रोजगार और यात्रा से संबंधित नागरिक अधिकार देने की दिशा में ठोस कदम उठाकर भारत उनके प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत कर सकता है। भारत में इस वक्त करीब 1 लाख से ज्यादा तिब्बती बौद्ध रहते हैं, जिन्हें पूरे देश में पढ़ाई और काम की स्वतंत्रता है। दलाई लामा को भारत में भी काफी सम्मान दिया जाता है।

दलाई लामा के उत्तराधिकारी का प्रश्न केवल एक व्यक्ति के चयन का विषय नहीं, बल्कि यह बौद्ध संस्कृति, तिब्बती आत्मनिर्णय और धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा का सवाल है। चीन की तानाशाही मानसिकता इसे नियंत्रित करना चाहती है, जबकि भारत को इसकी स्वतंत्रता की रक्षा करनी है। भारत को इस धर्म-राजनीति के संघर्ष में विवेकपूर्ण, दृढ़, निर्णायक और न्यायोचित भूमिका निभाते हुए न केवल तिब्बती जनता का, बल्कि विश्व भर के धार्मिक अधिकारों का भी संरक्षक बनना चाहिए। यही भारत की 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की नीति की सच्ची अभिव्यक्ति होगी।

संपादकीय

कारण तलाशें

देश में अचानक होने वाली मौतों और कोविड़-19 टीकाकरण के दरम्यान किसी भी संबंध से केंद्र सरकार ने इंकार किया है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद व अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के व्यापक अध्ययनों का हवाला देते हुए स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि अचानक अस्पष्ट मौतों के पीछे पहले की स्वास्थ्य समस्याओं को दोषी ठहराया। इन अध्ययनों में 18-45 आयु वालों की अस्पष्टीकत मौतों का कारण पता लगाने के लिए दो अध्ययन किए गए। पहला मई से अगस्त, 2023 तक 19 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के 47 अस्पतालों में किया गया। दूसरा अध्ययन वास्तविक समय में मौतों के कारणों का विश्लेषण करता है।

इनके आधार पर कहा गया कि कोविड़-19 टीके पूरी तरह सुरक्षित हैं, इनके दुष्परिणाम दुर्लभ हैं। अचानक मौतों के पीछे आनुवांशिक, खराब जीवनशैली, पहले से मौजूद बीमारियां व कोविड़ के बाद की जटिलताएं प्रमुख बताई गई। हालांकि अंतिम परिणाम जल्द साझा करने की भी बात की गई। वैज्ञानिकों का दावा है कि कोविड़ टीकों को अचानक मौतों से जोड़ने वाले दावे गलत व भ्रामक हैं। इनका कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि बिना सबूत के अफवाहें फैलाने से वैक्सीन के खिलाफ हिचकिचाहट बढ़ सकती है जो सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। टीके के जो दुष्प्रभाव बताये गए थे उनमें टीकाकरण के एक से चार दिन के भीतर हल्का बुखार, बाजू में दर्द, जोड़ों व सिर में दर्द तथा हल्की मिचली की शिकायतें हैं। हालांकि कुछ लोगों का कहना था कि इस टीके से प्रतिरक्षा प्रणाली प्रभावित हो सकती है। यूं तो कोई भी टीका सौ फीसद सुरक्षित होने का दावा नहीं कर सकता। मगर महामारी के बाद से छोटे-छोटे बच्चों की ह्रदयाघात से होने वाली मौतें गहन अध्ययन की मांग करती हैं। कार्डियोलॉजिस्ट मानते हैं कि 2020-23 के दरम्यान दिल के दौरों के मरीजों की संख्या में 50प्र. चालीस से कम उम्र की है। गतिहीन जीवन शैली, अस्वास्थ्यकर आहार, धूम्रपान-शराब आदि की लत तो है ही, बिगड़ता पर्यावरण और तनाव/अवसाद भी हैं। प्रोसेस्ड़ व रिफाइंड़ खानाङ्क बाजारी खाद्य पदार्थ, नमक व चीनी की अत्यधिक मात्रा, नींद की कमी, बढ़ता मोटापा भी कम दोषी नहीं हैं। बहरहाल, सरकार टीका का पक्ष लेकर अपनी जिम्मेदारी से हाथ नहीं झाड़.सकती।

चिंतन-मनन

शिष्य बना प्रशंसा का पात्र

गंगा किनारे गुरु अभेंद्र का आश्रम था। एक बार देश में भीषण अकाल पड़ा। गुरु अभेंद्र ने संकटग्रस्तों की मदद के उद्देश्य से अपने तीन शिष्यों को बुलाकर कहा - ऐसे संकट के समय में हमें अकाल पीड़ितों की सेवा करनी चाहिए। तुम लोग अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर भूखों को भोजन कराओ।

उनकी बात सुनकर शिष्य बोले - गुरुजी, हम इतने सारे लोगों को भोजन कैसे कराएंगे? हमारे पास न तो अन्न भंडार है और न अनाज खरीदने के लिए धन। तब गुरु अभेंद्र ने उन्हें एक थाली देते हुए कहा - यह थाली दिव्य है। तुम जितना भोजन मांगोगे, यह उतना भोजन उपलब्ध कराएगी। तीनों शिष्य थाली लेकर निकल पड़े। दो शिष्य एक स्थान पर बैठ गए। उधर से जो भी गुजरता, उसे वे भोजन कराते। किंतु तीसरा शिष्य मोहन बैठा नहीं, बल्कि घूम-घूमकर भूखों को खोजता रहा और उन्हें खाना बांटता रहा। कुछ दिनों बाद जब तीनों आश्रम लौटे, तो गुरु ने मोहन की खूब प्रशंसा की। दोनों शिष्यों को यह अजीब लगा।

उन्होंने पूछा - गुरुदेव, हमने भी तो अकाल पीड़ितों की सेवा की है। फिर मोहन की ही प्रशंसा क्यों गुरु ने उत्तार दिया - तुमने एक ही स्थान पर बैठकर पीडघ्तों की सहायता की। ऐसा करने से वे लोग तुम्हारी मदद से वंचित रह गए, जो चलकर तुम्हारे पास आने में असमर्थ थे। जबकि मोहन ने लोगों के पास जा-जाकर उन्हें भोजन कराया। उसकी सहायता अधिकतम लोगों तक पहुंची, इसलिए उसकी सेवा अधिक प्रशंसा के योग्य है। कथा का सार यह है कि वही सेवा अधिक सराहनीय होती है, जो आगे बढ़कर की जाए।

प्रदेश में बेरोजगारी चरम पर ? पलायन को मजबूर प्रदेश का युवा

मयंक डहेरिया

जैसे जैसे चुनाव के वर्ष का समय नजदीक आता है वैसे वैसे सत्ता में बैठी सरकार भी योजनाओ को गति देने में लग जाती हैं। मध्यप्रदेश के कुछ वर्गो को लुभाने के लिए सरकारी खजाने के भंडार खोल दिए जाते हैं। भाजपा का कांग्रेस के लिए तंज भी वही पुराना वाला शुरू हो जाता कि पूर्व की कांग्रेस सरकार ने वर्षो से इस देश में राज किया लेकिन लोगों के लिए क्या किया केवल मुफ्त की रेवडियां बांटी हैं। लेकिन भाजपा सरकार यह कैसे भूल जाती है कि वो खुद रेवडियां बांटकर ही लगातार चुनाव जीत रही है।

दुख इस बात का है कि भाजपा जिन लाड़ली बहनों को हर माह रूपए दे रही है, क्या उन्हें इस बात की जानकारी नही है कि इन बहनों के पढ़े लिखे बेटे बेटियों को भी रोजगार की शक्त जरूरत होगी ? क्या 1250 रुपए में इन बहनों का घर चल सकता है ? आज इनके घरों में बैठे पढ़े लिखे युवाओ के पास कोई विकल्प नही हैं। केवल दूसरे राज्यों में पलायन के सिवा ? मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार बेरोजगारी के मुद्दे में पूरी तरह से फेल और मौन रही है। बीते वर्षों में कुंभ के मेले की तरह 12 वर्षों में आई राजस्व विभाग में पटवारी की नौकरी भी खुद भाजपा की भेंट चढ़ गई। प्रदेश में 6 हजार पदों पर 12 लाख आवेदन आए थे जिसमें 4 लाख से अधिक आवेदन करने वाले वो बेरोजगार थे, जिन्होंने इंजिनियर, एम बीए, और पीएचडी की परीक्षा उत्तीर्ण थी। जिसमें स्नातकोत्तर के 01 लाख 80 हजार, एमबीए के 80 हजार, इंजिनियर बीईड्ड और बीटेक के 85 हजार और पीएचडी के 1000 छात्रों ने पटवारी परिक्षा के लिए आवेदन किया था और जिसके के लिए अभ्यर्थी से 300 रूपए फीस भी ली गई थी। इस परीक्षा में ऐसे मेहनतकश ईमानदार प्रतियोगी भी शामिल हुए थे जिनकी तैयारी वर्षों से चल रही थी जिनका परीक्षा में फेल होना संभव ही नही था ।

दूसरी तरफ भाजपा सरकार के भ्रष्ट तंत्र में उसी वर्ष ग्वालियर के एक ही सेंटर से 7 गधों ने टॉप करके सबको चौंका दिया था। जब हमारे सहयोगी पत्रकारों इन टॉपर से बात की इनका इंटरव्यू लिया तो इसमें से एक टॉपर ने मध्यप्रदेश की राजधानी को ग्वालियर बनाकर रख दिया था। इससे बड़ी शर्मनाक की बात कुछ और नही हो सकती। एक ही सेंटर से टॉप करने का जब यह मामला सामने आया था उस समय शिवराज सरकार ने अपनी साख बचाने के लिए परीक्षा के बाकी परिणाम भी तुरंत रोक दिए।

या यू कहिए कि एक प्रकार से पूरी परीक्षा के परिणाम ही रद्द कर दिए गए। जिन अभ्यर्थीयों ने मेहनत मजदूरी करके अपनी फीस भरी थी सरकार ने वो भी डकार गई। इन बेरोजगारों से लगभग 3 हजार 600 करोड़ रूपए फीस वसूली गई और न नौकरी मिली और ना ही फीस के रूपए वापस हुए। इस प्रकार सरकार ने उल्टे बेरोजगारों से ही अपनी तिजोरी भर ली ।

मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार ने अपने 22 वर्षों के कार्यकाल में बेरोजगारों को छला है कभी व्यापमं घोटाले में तो कभी पटवारी परीक्षा घोटाले में। यशोधरा राजे सिंधिया ने भी उस समय विधान सभा में इस बात को स्वीकारा था कि प्रदेश के रोजगार कार्यालयों में रजिस्टर्ड शिक्षित बेरोजगारों की संख्या उस समय 37 लाख 80 हजार 679 थी । जिन्हें आज तक रोजगार नही मिला । जिन्होंने इंतजार में अपनी उम्र निकाल दी। सितंबर से दिसंबर 2022 की एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि मध्यप्रदेश में 2 करोड़ 50 लाख 97 हजार लोग ऐसे हैं जो बिल्कुल हर तरह के छोटे काम करने को मजबूर हैं, एक इंजिनियर भी मजदुरी करने को मजबूर है। लेकिन इन्हें भी रोजगार नही मिलता।

दुख इस बात का है कि इन आंकड़ो में 20 से 24 वर्ष की पढ़ी लिखी युवतियां है जिन्हें 82-41 प्रतिशत काम आज भी नही मिलता।

यही वजह है की भाजपा की शिवराज सरकार के 17 वर्षों के दौरान भी प्रदेश में कई छात्र पढ़े लिखे बेरोजगारों ने आत्महत्या कर ली थी। मध्यप्रदेश सरकार के रोजगार देने की पोल खोलती एक रिपोर्ट जिसमें विधान सभा में वर्ष 2021- 22 का आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया गया था जिसमें एक वर्ष में 5ड्ड51 लाख बेरोजगार युवाओ का बढ़ा हुआ यह आंकड़ा सभी को हैरान करता है इसी वर्ष शिक्षित बेरोजगारों की संख्या बढ़कर 95 -07 प्रतिशत हो गई थी लेकिन सरकार ने किसी को भी रोजगार उपलब्ध नही करा पाई। यही वजह रही है कि प्रदेश में लगातार बढ़ती बेरोजगारों की संख्या चरम पर पहुंच गई। दुख और शर्म की बात कि कुछ वर्ष पहले भी विभिन्न विभागों में चपरासी और चौकीदार के पदों की भर्ती भी आई थी। इस चतुर्थ श्रेणी के 1333 पदों के लिए सरकार ने ऑठवी पास योग्यता रखी थी लेकिन मध्यप्रदेश के बहुत बढ़े लिखे बेरोजगार युवाओ का दुर्भाग्य देखिए की रोजगार ना मिलने के चलते उन्होंने यहां पर भी आवेदन किया था जिसमे भी बीटेक, इंजिनियर, एमकॉम, एम एससी ,और एम ए पढ़ लिखे डिग्री धारियों ने इस पोस्ट के लिए आवेदन किए थे। इसमें कुल 4 लाख आवेदन आए थे जिसमें 62 हजार इन बड़ी डिग्री धारियों के थे। यही वजह रही की इन में से कुछ बेरोजगार को रोजगार नही मिलने से इनमें इस हद तक निराशा थी कि इन्हें अपने उज्जवल भविष्य बनते नही दिखाई दे रहा था इस कारण इन्होंने अत्महत्या कर ली ।

देश का सबसे बड़ा महा परीक्षा घोटाला मध्यप्रदेश में हुआ है। जिसे व्यापमं परीक्षा कहा जाता था इस परीक्षा के माध्यम से बड़े बड़े पदों की सीधी भर्ती की जाती थी। मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार जैसे ही सत्ता में आई और आते ही व्यापमं घोटाला का बाजार सजा दिया । इस घोटाले का पहला रूप पीएमटी फजीर्वाड़ से संबंधित था। यह टेस्ट परीक्षा भी 13 विभागों से अधिक में सरकारी नौकरी में सीधी भर्ती के लिए थी। इस व्यापमं परीक्षा में प्रदेश के 75 लाख से अधिक युवाओ के भविष्य के साथ खिलवाड़ प्रदेश की भाजपा सरकार ने किया जिसका इल्जाम भी विपक्ष ने लगाया और दो बार सदन में इस विषय को लेकर हंगामा भी किया गया ।

इस महा घोटाले के संदर्भ में तो स्वयं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वर्ष 2006 में विधान सभा में जांच कराने की बात स्वीकारी थी । मगर हजारों युवाओ को बर्बाद करने वाले इस घोटाले पर अब तक पर्दा ही डालकर रखा गया है । यह घोटाला इतना बड़ा था कि स्वयं सीबीआई ने भी इस घोटाले की व्यापकता को देखते हुए सर्वोच्च अदालत में इसकी जांच में अपनी असमर्थता दिखाई थी। यह बेहद शर्मनाक तथ्य है कि व्यवसायिक परीक्षा मंडल ने न सिर्फ युवाओ के भविष्य को लूटा बल्कि बीते 10 साल में उसने इन बेरोजगार युवाओ से 1046 करोड़ रुपए फीस के रूप में वसूल करके शुध्द रूप से 455 करोड़ रूपया भी कमा लिए। यही नही समय आने पर सबूत मिटाने के लिए भाजपा सरकार ने सतपुड़ भवन व कभी वल्लभ भवन में अग्निदेव का सहारा भी लिया है जिसे प्रदेश का बच्चा-बच्चा भी जानता है। इसके बाद भी सरकार को कोई फर्क नही पड़ा । भाजपा सरकार अपने विकास कार्यों का रिपोर्ट कार्ड जारी करती है। जनता और मीडिया के सामने रिपोर्ट कार्ड से बेरोजगार शब्द भी ही हटा दिया गया। मध्यप्रदेश में बेरोजगारों को भाजपा सरकार ने केवल छला और निराशा ही किया है। और आज दिन तक सरकार ने बेरोजगारों के लिए कोई ठोस और जमीनी विकल्प नही खोज पाई।

फल-सब्जी : जागरूक रहें, न बनने दें जानलेवा

अजय प्रताप तिवारी

स्वस्थ आहार ही स्वस्थ जीवन का आधार है। ये बात अब झूठी लगने लगी है। इसलिए कि आज कल फल, सब्जियों, दूध और दही को जहरीले रसायनों से तैयार किया जाता है। सब्जियों और फल को स्वास्थ्यवर्धक माना जाता है लेकिन ये स्वास्थ्यविनाशक बनते जा रहे हैं। फल और सब्जियों का एक मौसम होता है। लेकिन अब हर मौसम में सभी प्रकार के फल-सब्जियां उपलब्ध होती हैं। कितनी आश्चर्य की बात है। प्रकृति के अनुरूप उगने वाली फल सब्जिांा हर मौसम में आसानी से मिल रही हैं। यह सभी को सोचने-समझने की जरूरत है। चमकते रंगों के साथ फल-सब्जियों को उनके मूल गुणों, रंग आकर में बने रहने के लिए कृत्रिम रंगों और विभिन्न प्रकार के रसायनों का उपयोग किया जाता है। ताजे फल और हरी सब्जियों में जहर जैसे रसायनों का इस्तेमाल स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि सामाजिक-आर्थिक ढांचे को भी प्रभावित कर रहा है। फल-सब्जी विक्रेताओं द्वारा ग्राहकों को ताजे फल-सब्जियों के नाम पर स्लो प्वॉयजन दिया जा रहा है। कृत्रिम रंगों और रसायनयुक्त फल-सब्जियां गंभीर चिंता का विषय बन चुका है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण की रिपोर्ट-2023 के मुताबिक, 1.5 लाख फल-सब्जियों के सैंपल में करीब 15 फीसद फल-सब्जियां निर्धारित मानकों से कई गुना अधिक कीटनाशक रसायनों के अवशेष मिले। फल-सब्जियों के साथ पानी, दूध में मिलावट के चलते बच्चों पर इसका प्रभाव दिख रहा है। यूनिसेफ के एक अध्ययन के अनुसार देश में रसायनयुक्त फल-सब्जियों के सेवन से बच्चों के शहरी में लेड की मात्रा बढ़ रही है। केमो-स्फीयर नामक पत्रिका में प्रकाशित एक शोध के अनुसार रसायनयुक्त फल-सब्जियों के सेवन से मां के दूध में 92 फीसद सीसा की मात्रा मिली है, जिससे नवजात शिशुओं में कैंसर का खतरा बढ़ रहा है।

सवाल है कि जब रसायनयुक्त फल-सब्जियां बिक रही हैं तो इस पर रोक क्यों नहीं लगाई जा रही? ऐसे स्वास्थ्यविनाशक रसायन आसानी से उपलब्ध कैसे हो जाते हैं? मंडी निरीक्षण अधिकारी क्या कर रहे हैं? क्या इन्हें बाजारों में रसायनयुक्त फल-सब्जियों के बारे में कुछ नहीं पता? फल-सब्जियों में मिलावट से संबंधित खबर भी मीडिया में साल दो साल बाद देखने को मिलती है। लेकिन रसायनयुक्त फल-सब्जियों के खिलाफ कार्रवाई क्या हुई इसका किसी को पता नहीं चलता। फल-सब्जियों को खतरनाक रसायनों से तैयार करने के कई कारण भी हैं। बढ़ती जनसंख्या के अनुपात में मांग-आपूर्ति का असंतुलन तथा फल-सब्जियों की मांग के अनुरूप सीमित उत्पादन उत्पादन, विक्रेता की अधिक मुनाफे की लालसा, फल-सब्जियों के बाजार में प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए विक्रेता सस्ते दामों पर फल-सब्जियां बेचते हैं, जो रसायनयुक्त होती हैं। देश में बाजार का आकर जैसे-जैसे बढ़ता गया रसायनुक्त फल-सब्जियों का कारोबार भी बढ़ता गया। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन के एक अध्ययन में यह बात स्पष्ट रूप से सामने आई है कि कई प्रमुख मंडियों में हरी सब्जियों में क्लोरपाइरीफॉस, मालाथियॉन और डीडीटी जैसे प्रतिबंधित कीटनाशकों के अंश मिलते हैं। हालांकि उपभोक्ताओं को भी समझने की जरूरत है कि चमकदार, आकर्षक फल-सब्जियों की मांग वाली मानसिकता को बदलना होगा क्योंकि चमकदार और फल-सब्जियों को ताजा बना रहने के लिए ही बड़े पैमाने पर रसायन का उपयोग किया जाता है। लंबे समय तक रसायनों से युक्त फल-सब्जियों का सेवन करने से कैंसर, यकृत एवं गुर्दा रोग, हार्मोनल असंतुलन, नपुंसकता, त्वचा रोग, मोटापा और गर्भस्थ शिशु पर प्रभाव जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं। छोटे बच्चों में यह प्रभाव और भी गंभीर होता है। उनके अंदर मानसिक क्षीणता और प्रतिरक्षा प्रणाली में कमी जैसी चिंताजनक बातें शोध में सामने आई हैं।

ऐसा नहीं कि फल-सब्जी विक्रेताओं पर रोक लगाने से पूरा तंत्र विफल हो जाएगा। इसके लिए किसानों और बड़े बड़े कृषि फार्म हाउस संचालकों को कीटनाशक और रसायनों के उपयोग पर रोक लगाना होगा। रासायनिक प्रयोग की निगरानी हेतु पंचायत स्तर पर खाद्य निरीक्षक तैनात किए जाने चाहिए। मिलावटी

उत्पादों की पहचान हेतु जागरूकता अभियान शुरू करना चाहिए। एआई द्वारा संचालित डिजिटल तकनीक का उपयोग करके फल-सब्जियों में रसायनों की पहचान और गुणवत्ता का विशेष ख्याल रखा जा सकता है। समय रहते फल-सब्जियों में रसायनों का उपयोग नहीं रोका गया तो यह आने वाले कुछ वर्षों में विभिन्न प्रकार की गंभीर बीमारियों को जन्म देगा। सरकार और उपभोक्ता को मिल कर फल-सब्जियों या किसी भी मिलावटी खाद्य पदार्थ को रोकने के लिए मिलकर काम करना जरूरी है। फल-सब्जियों की एक्सपायरी डेट नहीं होती। इसलिए फल-सब्जियों के लिए सरकार को मानक निर्धारित करने चाहिए। ई-मोबाइल जैसी डिवाइस तैयार करनी चाहिए ताकि उपभोक्ता ताजे और रसायनयुक्त फल-सब्जियों की पहचान आसानी से कर सकें।

चारों ओर है कड़ी सुरक्षा व्यवस्था डरने की जरूरत नहीं, बेखौफ करें बाबा के दर्शन

जम्मू (एजेंसी)। पहलगाम हमले ने कश्मीर के टूरिज्म को काफी प्रभावित किया। अब ऐसे में लोगों की निगाहें अमरनाथ यात्रा पर थी कि क्या इस बार भी यात्रा करने लोग आएंगे या नहीं। 38 दिनों की यह तीर्थयात्रा गुरुवार से शुरू हो गई है और पहले दिन ही बाबा अमरनाथ के दर्शन 12 हजार से ज्यादा लोगों ने किए। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि तीर्थयात्रा के पहले दिन कुल 12,348 तीर्थयात्रियों ने गुफा मंदिर में पूजा-अर्चना की। अधिकारियों ने कहा है कि उन्हें पहले दिन इतनी बड़ी संख्या में तीर्थयात्रियों के पहुंचने की उम्मीद नहीं थी। खासकर पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद। इस साल सुचारू तीर्थयात्रा सुनिश्चित करने के लिए अभूतपूर्व सुरक्षा उपाय किए गए हैं। उन्होंने लोगों से बिना किसी डर के यात्रा पर आने का आग्रह किया और कहा कि चारों ओर सुरक्षा व्यवस्था होने के कारण डरने की जरूरत नहीं। एक तीर्थयात्री ने कहा कि बहुत अच्छे इंतजाम हैं। बड़ी संख्या में सुरक्षा बल तैनात हैं। तीर्थयात्रियों में केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे भी शामिल हैं, जो बालटाल के रास्ते बाबा बर्फानी के दर्शन करने जा रही हैं। सरकार ने तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए हैं सुरक्षा तय करने के लिए पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस और अन्य अर्धसैनिक बलों के हजारों जवानों को तैनात किया गया है। तीर्थयात्रा का समापन नौ अगस्त को होगा।

जम्मू में केंद्रीय मंत्री शिवराज ने निभाई मुहर्रम की परंपरा, लोगों को पिलाया शरबत

जम्मू (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुहर्रम की परंपरा के चलते जम्मू-कश्मीर के प्रसिद्ध लाल चौक पर लोगों को गुरुवार को शरबत पिलाया। कश्मीर के दो दिवसीय आधिकारिक दौरे पर आए शिवराज ने शहर के वाणिज्यिक केन्द्र लाल चौक पर राहगीरों को शरबत वितरित किया। मुहर्रम इस्लामी कलैंडर का पहला महीना है। केंद्रीय मंत्री शिवराज ने पत्रकारों से बात में कहा कि लोगों को शरबत पिलाना मुहर्रम परंपरा का हिस्सा बनना एक दिल को छू लेने वाला अनुभव था। उन्होंने मुस्लिम समाज के वंचित वर्गों के लिए केन्द्र सरकार की योजनाओं के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में करीब पांच लाख लोग ऐसे हैं, जिनके पास पक्के मकान नहीं हैं। पीएम आवास योजना के तहत उन सभी को पक्का घर दिया जाएगा। केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि सरकार का मिशन महिलाओं को सशक्त और उन्हें लखपति दीदी बनाना है।

बिहार में महिला मतदाताओं को साधेगी कांग्रेस, 5 लाख सेनेटरी पैड बांटेगी

पटना (एजेंसी)। बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होना है। शुक्रवार को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार ने राज्य की मौजूदा सरकार को घेरा और पार्टी के अन्य कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने ऐलान किया कि कांग्रेस पार्टी राज्य में 5 लाख महिलाओं को सेनेटरी पैड बांटेगी। इस सेनेटरी पैड के कवर (डिब्बे) पर राहुल गांधी की तस्वीर है। राजेश कुमार ने कहा, बिहार के परिपेक्ष्य में महिलाओं के लिए हमने विशेष तैयारी की है। राज्य की महिलाओं को सेनेटरी पैड मिलेगा। ये सेनेटरी पैड प्रत्येक महिला तक पहुंचाया जाएगा। इसके लिए हम अभियान चलाने जा रहे हैं। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य 5 लाख महिलाओं को सेनेटरी पैड बांटना है। महिला कांग्रेस हेल्थ के लिए महिलाओं को जागरूक करेगी। हालांकि, बीजेपी ने सेनेटरी पैड पर राहुल गांधी की फोटो पर ऐतराज जाहिर किया है। बीजेपी प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा, सैनिटरी पैड पर राहुल गांधी की तस्वीर बिहार की महिलाओं का अपमान है। कांग्रेस एक महिला विरोधी पार्टी है। बिहार की महिलाएं कांग्रेस, आरजेडी को सबक सिखाएगी।

बुजुर्ग ने नहीं मानी लोगों की बात, बारिश में पुलिया पार करते समय बहने से मौत

भीलवाड़ा (एजेंसी)। राजस्थान में लगातार हो रही बारिश के बीच भीलवाड़ा जिले से एक हृदय विदारक घटना सामने आई है। चोहली गांव के पास बनास नदी पार करने की कोशिश में एक 60 साल के बुजुर्ग की मौत हो गई। मृतक की पहचान खाखुदा गांव निवासी शंकर लाल के रूप में हुई है। यह घटना तब हुई जब शंकर लाल चोहली से रामगढ़ की ओर जा रहे थे और उन्होंने नदी के पुलिया को पैदल पार करने की कोशिश की। बताया जा रहा है कि बनास नदी की पुलिया पर करीब चार फीट तक पानी बह रहा था। वहां मौजूद लोगों ने शंकर लाल को रोकने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने चेतावनियों को नहीं माना। जैसे ही वे पुलिया पर चढ़े, तेज बहाव में उनका संतुलन बिगड़ा और पानी में बह गए। वीडियो फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि वह बहते-बहते एक पेड़ को पकड़ने का प्रयास करते हैं, लेकिन कुछ ही पलों में तेज धारा उन्हें बहा ले जाती है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासन मौके पर पहुंचे और एनडीआरएफ की मदद से बुजुर्ग का शव बरामद किया है। यह हादसा अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

लॉ कॉलेज स्टूडेंट से गैंगरेप मामले में पुलिस ने क्राइम सीन रीक्रिएट किया

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता पुलिस ने लॉ कॉलेज स्टूडेंट से गैंगरेप की जांच के सिलसिले में क्राइम सीन रीक्रिएट किया। पुलिस गिरफ्तार किए गए चारों आरोपियों के साथ लॉ कॉलेज पहुंची थी। तीनों मुख्य आरोपियों मोनोजीत मिश्रा, मौजूदा स्टूडेंट प्रमित मुखर्जी और जैब अहमद और सुरक्षा गार्ड पिनाकी बनर्जी को सुबह करीब 4.30 बजे कॉलेज ले जाया गया। क्राइम सीन रीक्रिएट करने की प्रक्रिया को पूरा करने में पुलिस को करीब चार घंटे लगे। इसके बाद सभी को पुलिस स्टेशन वापस लाया गया।

महिला को मिल सकती है भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की कमान, तीन नामों पर चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के वरिष्ठ नेता जेपी नड्डा का कार्यकाल जनवरी 2023 में समाप्त हो चुका था, लेकिन पार्टी ने उन्हें जून 2024 तक का विस्तार दिया था। अब नए अध्यक्ष की घोषणा अगले कुछ दिनों में हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक तीन प्रमुख महिला नेताओं के नाम चर्चा में हैं।

लोकसभा चुनाव 2024 के बाद भाजपा में संगठनात्मक बदलाव की प्रक्रिया तेज हो गई है। पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चयन को लेकर चल रही खींचतान के बीच सूत्रों के हवाले से खबर है कि भाजपा पहली बार किसी महिला को राष्ट्रीय अध्यक्ष बना सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि भाजपा ने हाल के वर्षों में महिला मतदाताओं को लुभाने में सफलता पाई है।

विशेष रूप से उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, हरियाणा और दिल्ली जैसे राज्यों में यह सफलता मिली है। बता दें कि जेपी नड्डा का कार्यकाल जनवरी 2023 में समाप्त हो चुका था, लेकिन पार्टी ने उन्हें जून 2024 तक का विस्तार दिया था। अब नए अध्यक्ष की घोषणा अगले कुछ दिनों में हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक तीन प्रमुख महिला नेताओं के नाम चर्चा में हैं। सूत्र बताते हैं कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी इस विचार को समर्थन दिया है कि भाजपा को अब एक महिला को शीर्ष नेतृत्व में लाना चाहिए। यह कदम 33 प्रतिशत महिला आरक्षण विधेयक की भावना के अनुरूप भी होगा, जिसका प्रभाव अगले परिसीमन के बाद लोकसभा में दिखेगा।

वर्तमान वित्त मंत्री और पूर्व रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण पार्टी संगठन में गहरी पैठ और केंद्र सरकार में लंबे अनुभव के चलते सबसे मजबूत दावेदार मानी जा रही हैं। हाल ही में उन्होंने भाजपा मुख्यालय में जेपी नड्डा और महासचिव बीएल संतोष के साथ बैठक की थी। उनका दक्षिण भारत से आना भाजपा के दक्षिण विस्तार रणनीति के लिए भी फायदेमंद माना जा रहा है। आंध्र प्रदेश भाजपा की पूर्व अध्यक्ष डी पुरंदेश्वरी काफी अनुभवी और बहुभाषी नेता हैं। कई राजनीतिक दलों के साथ काम करने का अनुभव और पार्टी में व्यापक स्वीकार्यता है। उन्हें ऑपरेशन सिंदूर जैसे अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक अभियान का हिस्सा भी बनाया गया था। तमिलनाडु की कोयंबटूर दक्षिण सीट से विधायक और भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुकी वनाथी श्रीनिवासन 1993 से भाजपा से जुड़ीं और संगठन में कई पदों पर रही हैं। 2022 में केंद्रीय चुनाव समिति की सदस्य बनीं और ऐसा करने वाली पहली तमिल महिला नेता।

यूपी में बारिश से कई नदिया उफान पर, गंगा में डूबा महादेव मंदिर

-बरसाती नदी में अचानक तेज पानी आने से बाइक सवार बहा, लोगों ने बचाया

लखनऊ। उत्तरप्रदेश में बारिश से नदियां उफान पर हैं। वहीं वाराणसी का रत्नेश्वर महादेव मंदिर गंगा नदी में आधे से ज्यादा डूब गया है। हरिश्चंद्र घाट भी डूब गया। इसके चलते शवदाह स्थल की जगह बदली गई है। इसके अलावा पंडा-पुरोहितों की 300 से ज्यादा स्थान डूब गए हैं। काशी में गंगा का जलस्तर 4 दिन में 15 फीट तक बढ़ा है। गुरुवार रात 11 बजे तक गंगा का जलस्तर 62.63 मीटर था। वहीं खतरे का निशान 71.262 है। शुक्रवार सुबह सहारनपुर में बरसाती नदी में तेज पानी आ गया। उसी समय नदी पार कर रहा बाइक सवार युवक बह गया। ग्रामीणों ने किसी तरह उसे बचाया। वहीं, लखनऊ में भी दोपहर को तेज बारिश शुरू हो गई। हजरतगंज इलाके में दिन में अंधेरा छा गया। मौसम विभाग ने शुक्रवार को 35 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया था। इस दौरान 20-30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। मौसम विभाग का कहना है कि अगले 4 दिनों तक मौसम ऐसा ही रहेगा। पिछले 24 घंटे में सबसे ज्यादा बारिश लखीमपुर खीरी में 245.9 मिमी हुई। प्रदेश में 2.7 मिमी बारिश हुई, जो सामान्य 5.7 मिमी से 53 फीसदी कम है। वहीं एक जून से अब तक प्रदेश में 133.2 मिमी बारिश हो चुकी है, जो सामान्य 122.5 मिमी से 18 फीसदी ज्यादा है। 5 जुलाई को यूपी के अधिकतर जिलों में हल्की से भारी बारिश की संभावना है। कहीं-कहीं पर बिजली भी गिर सकती है। 6 जुलाई को पश्चिमी यूपी के सभी जिलों में बारिश हो सकती है।

किसी की विचारधारा पसंद नहीं आने पर उसे नक्सली कहने का चलन बढ़ा

-शरद पवार ने शिवसेना की एमएलसी मनीषा की टिप्पणी का दिया जवाब

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने कहा है कि अगर किसी का काम या विचारधारा पसंद नहीं आए तो उसे नक्सल करार देने का चलन बढ़ गया है। पवार ने शिवसेना की विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) मनीषा कायंदे की टिप्पणी पर यह बात कही। बता दें मनीषा कायंदे ने बुधवार को विधान परिषद में दावा किया था कि अर्बन नक्सलियों ने वारी वार्षिक तीर्थयात्रा में घुसपैठ की है और वे वारकरियों को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं।

पवार ने कहा कि मुझे इस बारे में पूरी जानकारी नहीं है, लेकिन जिन दो संगठनों के नाम मीडिया के जरिए सामने आए हैं, उनमें से एक है लोकायत। मैंने लोकायत का काम देखा है। पवार ने कहा कि इस संगठन का दृष्टिकोण आधुनिक है और पिछले कई सालों से रूढ़िवादिता के खिलाफ काम कर रहा है। वे नक्सली नहीं हैं। अगर किसी का काम या विचारधारा स्वीकार नहीं है तो उसे नक्सली करार देने का चलन बढ़ रहा है। एनसीपी प्रमुख पवार ने कहा कि पुणे में एल्गार परिषद और कोरेगांव भीमा में जाति हिंसा के बाद माओवादियों के साथ संबंध रखने के आरोप में कई लोगों को गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया था। उन्होंने दावा किया कि यहां भी यही हो सकता है आज, राज्य सरकार उन विचारधाराओं के लिए लोगों को नक्सली करार दे रही है, जो उसे स्वीकार नहीं। पवार ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी, शिवसेना (यूबीटी) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) द्वारा 5 जुलाई यानी शनिवार को आयोजित किए जा रहे कार्यक्रम में हिस्सा लेगी जिसमें तीन नीति के मुद्दे पर जीत का जश्न मनाया जाएगा।

मौलाना तौकीर रजा ने कहा, मुसलमान को अपनी पहचान भी नहीं छुपानी चाहिए

-योगी सरकार के नेम प्लेट लगाने के फरमान को सही बताया

बरेली (एजेंसी)। मुजफ्फरनगर सहित यूपी के हर जिले में कांवड़ यात्रा के मार्ग में पड़ने वाली दुकानों, रेस्टोरेंट और ढाबों पर नेम प्लेट लगाने का फरमान जारी हुआ है। हालांकि, इसकी तस्दीक करने के लिए मुजफ्फरनगर में हिंदू संगठन काफी सक्रिय दिखाई दे रहे हैं, लेकिन इस पर विवाद हो रहा है। इस बीच बरेली के मौलाना तौकीर रजा ने भी मामले में प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने एक ओर योगी सरकार के फैसले का समर्थन किया है। वहीं दूसरी ओर हुड़दंग मचाने वाले कावड़ियों को आतंकवादी कह दिया है।

रजा ने कहा कि जिस प्रकार से मुसलमान दाढ़ी और टोपी रखते हैं, उस प्रकार से हिंदू तिलक नहीं लगाते हैं, सच्चे सनातनी हो, तब तिलक जरूर लगाओ और अपनी पहचान बताओ। उन्होंने कहा कि सरकार ने जो नेम प्लेट का आदेश दिया है, वहां इस बात का समर्थन करते हैं, क्योंकि आस्था के मामले में किसी किस्म की छेड़छाड़ नहीं होना चाहिए। बकौल तौकीर रजा ने कहा कि नेम प्लेट से शिनाख्त तक ठीक है, लेकिन पैंट उतरवाकर चेक करना ये जायज नहीं है।

रजा ने कहा कि मेरा मानना है कि सरकार ने जो नेम प्लेट का आदेश जारी किया है, उसकी मंशा कुछ भी रही है, यकीनन मकसद सिर्फ नफरत फैलाने का ही है। हालांकि, उन्होंने कहा कि मुसलमान को अपनी पहचान भी नहीं छुपानी चाहिए। उन्हें अपनी दाढ़ी, टोपी और लिबास से दिखा देना चाहिए कि वह एक मुसलमान है और सच्चा हिंदुस्तानी है। तौकीर रजा ने कहा कि जब कोई ठाकुर साहब, किसी पंडित जी को खून की जरूरत पड़ती है, तब वह ब्लड बैंक से जो खून लेता है, उस पर कोई नेम प्लेट लगाने का काम क्यों नहीं होता है। पंडित/ठाकुर की रगों में किसी दूसरे का खून चढाया जाता है, तब इससे उसका धर्म भ्रष्ट नहीं होता है क्या। इसलिए ब्लड बैंक में बाकायदा हर बोतल पर नेम प्लेट होनी चाहिए, जैसे खाने-पीने की दुकान पर लगाई जा रही है। मालूम हो कि बीते दिनों मुजफ्फरनगर के स्वामी यशवीर महाराज के लोगों पर आरोप लगा कि उन्होंने पहचान सुनिश्चित करने के लिए एक ढाबे वाले की पैंट उतरवाने की कोशिश की।

पाकिस्तानी हॉकी खिलाड़ियों को भारत में घुसने नहीं देंगे-मौलाना शहाबुद्दीन रजवी

बरेली। आगामी अगस्त और सितंबर माह में बिहार में होने वाले एशिया हॉकी कप में पाकिस्तान की टीम को बुलाने का विरोध शुरू हो गया है। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने इसका विरोध किया है। मौलाना बरेलवी ने कहा है कि खेल मंत्रालय ने पाकिस्तान के खिलाड़ियों को बुलाने का जो फैसला किया है, उस पर पुनर्विचार करना चाहिए। मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने कहा कि यह खिलाड़ी भारत के दुश्मन देश पाकिस्तान से आ रहे हैं, जिसने पहलगाम में बड़ी आतंकी वारदात को अंजाम दिया था। इसके बाद भारत और पाकिस्तान में जंग हुई। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया। उसके तहत पाकिस्तान के अंदर आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त किया गया। उस वक्त यही पाकिस्तान के खिलाड़ी, कलाकार, लेखक भारत के खिलाफ जहर उगल रहे थे। ऐसी सूरते हाल में पाकिस्तान के खिलाड़ियों को कैसे कबूल कर लें। इन खिलाड़ियों को भारत किसी भी सूरत में नहीं आने देना चाहिए। मौलाना ने एलान करते हुए कहा कि अगर पाकिस्तान से खिलाड़ी भारत आए तो इनको बिहार की सरजमीं पर खेलने नहीं दिया जाएगा। पूरे भारत में मुसलमानों के साथ-साथ अन्य दूसरे समुदायों को साथ में लेकर विरोध प्रदर्शन करेंगे।

अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर सोशल मीडिया का दुरुपयोग फैशन हो गया: हाईकोर्ट

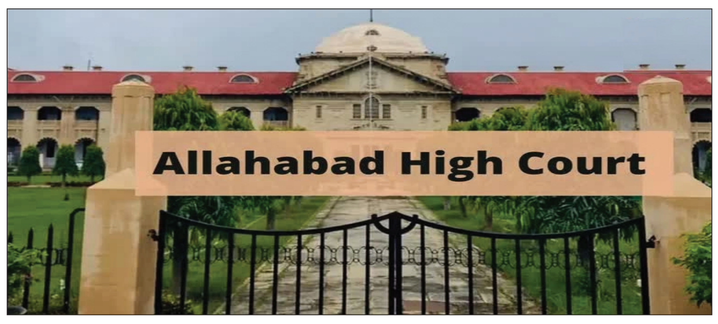

प्रयागराज (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री और भारतीय सेना के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट करने के आरोपी व्यक्ति की जमानत याचिका खारिज करते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा है कि लोगों के कुछ समूहों के बीच अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की आड़ में सोशल मीडिया का दुरुपयोग करना एक फैशन बन गया है। अदालत ने कहा कि उच्च गणमान्य व्यक्तियों के खिलाफ निराधार आरोप लगाकर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की आड़ में सोशल मीडिया का दुरुपयोग करना कुछ लोगों के समूहों के बीच एक फैशन बन गया है। ऐसे पोस्ट से सौहार्द बिगड़ता है और लोगों के बीच घृणा पैदा होती है।

न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल ने अशरफ खान नाम के व्यक्ति की जमानत याचिका खारिज कर दी। साथ यह भी कहा कि संविधान के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी है, लेकिन यह इस हद तक नहीं है कि कोई उच्च गणमान्य व्यक्तियों का अपमान करे और नागरिकों के बीच सौहार्द बिगाड़े। आरोपी अशरफ खान उर्फ निसरत के खिलाफ हाथरस जिले के ससनी पुलिस थाना में बीएनएस की धारा 152 (भारत की संप्रभुता और अखंडता को खतरे में डालने वाला कृत्य) और 197 (राष्ट्रीय एकता को नुकसान पहुंचाने वाले आरोप और दावे) के तहत मामला दर्ज किया गया था। आरोप है कि अशरफ खान ने हाल ही में भारत पाकिस्तान के बीच टकराव के दौरान अपनी फेसबुक आईडी पर संपादित वीडियो अपलोड किए। एक पोस्ट में पाकिस्तानी वायुसेना जिंदाबाद कहा गया है और भारतीय विमान को पाकिस्तानी विमान द्वारा मार गिराया जा रहा है। साथ ही रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अन्य आपत्तिजनक पोस्ट भी किए गए। सुनवाई के दौरान, याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि उसका मुवक्किल निर्दोष है और आपत्तिजनक पोस्ट उसके द्वारा आगे नहीं बढ़ाए गए, यद्यपि ये पोस्ट उसके मोबाइल में पाए गए। वहीं दूसरी ओर, राज्य सरकार के वकील ने दलील दी कि सोशल मीडिया पर कथित पोस्ट ने भारत के लोगों के बीच सौहार्द बिगाड़ा और भारतीय सेना और वायुसेना का अपमान भी किया गया। इसलिए याचिकाकर्ता को जमानत देने का आधार नहीं बनता।

चौंकाने वाला खुलासा: खतरनाक प्रदूषण के कारण 13 फीसदी महिलाओं का हो जाता है गर्भपात

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में बढ़ता प्रदूषण मानव के अस्तित्व के लिए खतरा बन गया है। यहां 13 फीसदी गर्भवती महिलाओं का समय से पहले ही गर्भ गिर जाता है। इसके अलावा 17 प्रतिशत कम वजनी बच्चे पैदा होने का चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। दिल्ली स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई के अंतरराष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान तथा ब्रिटेन और आयरलैंड के संस्थानों के शोधकर्ताओं ने राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 और दूर संवेदी डाटा 2019-21 का अध्ययन करके गर्भावस्था के दौरान वायु प्रदूषण के संपर्क में आने से प्रसव परिणामों पर प्रभावों का विश्लेषण किया।

अध्ययन टीम ने पाया कि गर्भावस्था के दौरान पीएम 2.5 (सूक्ष्म कण प्रदूषण) के अधिक संपर्क में रहने से जन्म के समय कम वजन वाले बच्चे पैदा होने की आशंका 40 प्रतिशत तथा समय से पहले प्रसव की आशंका 70 प्रतिशत तक बढ़ जाती है। जलवायु परिस्थितियों जैसे वर्षा और तापमान का प्रतिकूल जन्म परिणामों से अधिक गहरा संबंध पाया गया। प्रकाशित अध्ययन के मुताबिक, भारत के उत्तरी जिलों में रहने वाले बच्चे परिवेशीय वायु प्रदूषण के प्रति अधिक संवेदनशील हो सकते हैं।

अनुसंधानकर्ताओं के मुताबिक, ऊपरी गंगा क्षेत्र में पीएम 2.5 प्रदूषकों का स्तर अधिक है, जिसमें उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली, पंजाब और हरियाणा जैसे राज्य शामिल हैं, जबकि देश के दक्षिणी और उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों में इसका स्तर कम है। अध्ययन के मुताबिक समय पूर्व जन्म के अधिक मामले उत्तरी राज्यों जैसे हिमाचल प्रदेश (39 प्रतिशत), उत्तराखंड (27 प्रतिशत), राजस्थान (18 प्रतिशत) और दिल्ली (17 प्रतिशत) में सामने आते हैं। मिजोरम, मणिपुर और त्रिपुरा में समय पूर्व बच्चों के जन्म के सबसे कम मामले सामने आए हैं।

पंजाब में कम वजन वाले बच्चे सर्वाधिक

पंजाब में जन्म के समय मानक से कम वजन वाले बच्चे पैदा होने की दर सबसे अधिक 22 प्रतिशत पाई गई। इसके बाद दिल्ली, दादरा और नगर हवेली, मध्य प्रदेश, हरियाणा और उत्तर प्रदेश का स्थान आता है। शोधपत्र लेखकों ने कहा कि इस मानदंड पर पूर्वोत्तर भारत के राज्यों का प्रदर्शन कहीं बेहतर है। अध्ययन में राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण और कंप्यूटर आधारित भौगोलिक आकलन से प्राप्त आंकड़ों का इस्तेमाल किया गया।

नहीं थम रहीं विमानों की आपात लैंडिंग, तकनीकी खराबी या कुछ और उठ रहे सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद विमान हादसे से लगातार विमानों की आपात लैंडिंग के मामले सामने आ रहे हैं। अभी ताजा मामला दिल्ली से वॉशिंगटन डीसी जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-103 का है, जो कि तकनीकी खराबी के चलते विएना में आपात लैंड हुआ। बताया जा रहा है कि यह रुकावट ईंधन भरने के निर्धारित ठहराव के दौरान हुई, जब विमान की जांच में एक्सटेंडेड मेंटेनेंस टास्क यानी विस्तृत रखरखाव कार्य की जरुरत पाई गई। वैसे अब इस पर भी सवाल उठने लगे हैं कि क्या बमों की धमकी और विमानों में आ रही खराबी ही प्रमुख कारण है आपात लैंडिंग का, या कोई और कारण भी हो सकता है?

फिलहाल विएना आपात लैंडिंग मामले में एयर इंडिया की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि विएना में तय ईंधन स्टॉप के दौरान, एक जरूरी मेंटेनेंस टास्क का पता चला, जिसके बाद यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए विमान को वहीं रोका गया और सभी यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया गया है।

एयर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि 2 जुलाई को दिल्ली से रवाना हुई फ्लाइट को विएना में ईंधन भरने के लिए रोका गया था। ईंधन भराई के समय विस्तृत तकनीकी जांच में गंभीर खराबी की जानकारी मिली, जिसे तुरंत ठीक नहीं किया जा सकता था। इसलिए एयरलाइन ने फ्लाइट को रद्द करने का निर्णय लिया। वॉशिंगटन डीसी जा रहे सभी यात्रियों को विएना में सुरक्षित उतार लिया गया है। जिन यात्रियों के पास वैध शेंगेन वीज़ा या वीज़ा-मुक्त प्रवेश पात्रता थी, उन्हें विएना में होटल में ठहरने की सुविधा दी गई जिन यात्रियों के पास प्रवेश की अनुमति नहीं थी, उनके लिए ऑस्ट्रियाई इमिग्रेशन और सुरक्षा एजेंसियों से मंजूरी मिलने तक एयरपोर्ट पर ठहरने की व्यवस्था की गई है।

एयर इंडिया ने यात्रियों को वॉशिंगटन के लिए वैकल्पिक उड़ानों में बुक किया और राशि रिर्टन का विकल्प भी दिया। इसके अलावा वॉशिंगटन डीसी से दिल्ली लौटने वाली वापसी उड़ान एआई-104 को भी रद्द कर दिया गया। इस फ्लाइट के यात्रियों को भी अन्य फ्लाइट्स में शिफ्ट किया गया और उनकी प्राथमिकता के मुताबिक रिफंड भी दिया गया। एयर इंडिया ने कहा कि हमें असुविधा के लिए खेद है, लेकिन यात्रियों और क्रू की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बता दें एयर इंडिया और उसकी सहयोगी कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस हर दिन 1100 से ज्यादा उड़ानें संचालित करती हैं, जिनमें औसतन 1.5 लाख यात्री यात्रा करते हैं। एयरलाइन ने माना कि हाल के दिनों में उसे हवाई क्षेत्र की बंदिशें, यूरोप और पूर्वी एशिया में एयरपोर्ट की पाबंदियां और एयर ट्रैफिक की भीड़ जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। इसी के चलते एयर इंडिया ने पहले ही घोषणा की थी कि वह स्वेच्छा से अपनी फ्लाइट्स की पूर्व-उड़ान जांच को और सख्त बनाएगी। बहरहाल लगातार विमानों की आपात लैंडिंग से सवाल उठने शुरु हो गए हैं, जिस पर ध्यान देना भी आवश्यक हो गया है। इससे जहां विमान कंपनियों को आर्थिक नुक्सान उठाना पड़ रहा है वहीं इनकी साख पर भी असर पड़ा है।

फुहारों की आमद में मेकअप और पहनावा

कुछ दिनों पूर्व एक शादी में जाना हुआ। अभी हम दूल्हा-दुल्हन से मिल ही रहे थे कि मेरी नजर पानी से तरबतर पंडाल में प्रवेश करती एक महिला पर पड़ी जिसके गाढ़े मेकअप ने गीले होकर चेहरे को लाल, सफेद और काला बना दिया था। वह बारिश में भीगी अपनी कांजीवरम की महँगी साड़ी को बार-बार झटक रही थी। शादी-ब्याह और पार्टी प्रत्येक मौसम में होते हैं, परंतु बारिश के मौसम में ऐसे समारोहों में बन-सँवरकर जाना अच्छी-खासी मुसीबत हो जाता है। ऐसे मौसम में अपने सौंदर्य को बरकरार रखना काफी मुश्किल होता है। प्रस्तुत हैं कुछ ऐसे उपयोगी टिप्स जिनको ध्यान में रखकर आप बारिश में भी अपने सौंदर्य और पहनावे को सुरक्षित एवं सुरुचिपूर्ण बना सकती हैं-

मेकअप

- इस मौसम में वाटरप्रूफ एवं हल्का-फुल्का मेकअप करें, जो आपके चेहरे को खूबसूरत तो दिखाए ही, साथ ही भीगने पर उसे बदरंग न बनाए।
- बरसात में गीली बिंदी न लगाएँ, क्योंकि गीली बिंदी भीगने पर बहने लगेगी जिससे आपका चेहरा रंग-बिरंगा हो जाएगा। अगर आप डिजाइन वाली बिंदी लगा सकती हैं तो वाटरप्रूफ लिक्विड बिंदी लगाएँ अन्यथा बाजार में मिलने वाली स्टिकर वाली, नगों वाली या कुंदन वाली सुंदर-सुंदर डिजाइन वाली बिंदिया लगा सकती हैं, ये बिंदिया फैलती नहीं हैं।
- सूखे सिंदूर के स्थान पर रेडीमेड स्टिक वाले सिंदूर का ही प्रयोग करें, यह गीले होने पर बहता नहीं है।
- जहाँ तक संभव हो, फाउंडेशन और फेस पावडर का प्रयोग न करें। यदि आवश्यक हो तो फाउंडेशन लगाने के लिए भीगे नम स्पंज का प्रयोग करें। इससे आपका मेकअप ज्यादा समय तक टिका रहेगा। गाढ़ी और क्रीमी फेस क्रीम के बजाए तरल फेस क्रीम का प्रयोग करें।
- बारिश में गहरे रंग की लिपस्टिक का प्रयोग भूलकर भी न करें, क्योंकि बारिश से भीग जाने पर अक्सर महिलाएँ अपने दुपट्टे या साड़ी के आँचल से अपना मुँह पोंछती हैं। बार-बार ऐसा करने से लिपस्टिक का रंग उनके चेहरे को भी रंगीन बना देता है। लिपस्टिक लगाने से पहले होंठों के चारों ओर लिपलाइन या लिप पेंसिल से होंठों की बाहरी रेखा बनाएँ। ऐसा करने से भीगने पर भी लिपस्टिक फैलेगी नहीं।
- आँखों के लिए काजल के स्थान पर वाटरप्रूफ आइलाइनर या पेंसिल का प्रयोग करें ताकि भीगने पर ये बहे नहीं और आपका सौंदर्य बरकरार रहे। बरसात में ट्रांसपेरेंट वाटरप्रूफ मस्कारे का ही प्रयोग करें। आँखों और आँखों के मेकअप को बारिश से बचाने के लिए हल्के कलर वाले चश्मे का प्रयोग करना उचित रहता है।
- इस मौसम में ग्लिसरीनयुक्त मेडिकेटेड साबुन का ही प्रयोग करें। वैसे जहाँ तक संभव हो, साबुन का प्रयोग कम ही करें।
- बालों में अधिक तेल न डालें एवं भीग जाने पर तुरंत बालों को सुखाएँ अन्यथा गीले बालों में रूसी, जूँ एवं फोड़े-फुँसी होने की आशंका रहती है। सप्ताह में एक या दो बार बालों को शैम्पू से अवश्य धोएँ।
- इस मौसम में बालों का कोई नया हेयर स्टाइल न बनाएँ, क्योंकि भीगने पर आपका स्टाइल खुलकर आपके चेहरे की खूबसूरती को प्रभावित करेगा। इसलिए सीधी चोटी बनाना या छोटे बालों को खुला रखना ही सर्वोत्तम रहेगा।
- सप्ताह में तीन या चार बार रात्रि को सोने से पूर्व क्लींजर या कच्चे दूध से अपनी त्वचा को साफ करें फिर सिरका या टोनर से हल्के हाथ से मालिश करें। आपका चेहरा कांतिमय बना रहेगा।

परिधान

- बारिश में कॉटन, सिल्क और शिफॉन की साड़ियों और सूट के स्थान पर आप सिंथेटिक फेब्रिक से बने वाशेबल कपड़ों का ही चयन करें, क्योंकि ये कपड़े भीग जाने पर शरीर से चिपकते नहीं हैं और जल्दी सूख भी जाते हैं।
- इस मौसम में जहाँ तक संभव हो, ऐसी साड़ियों का चयन करें जिनका ब्लाउज रूबिया या कॉटन के स्थान पर सिंथेटिक कपड़े का हो। साड़ी बहुत अधिक नीची न पहनें ताकि भीग जाने पर यह जमीन से घिसटकर गंदी न हो जाए और आप गीली साड़ी में उलझकर कहीं गिर न जाएँ।
- इस मौसम में एकदम नए वस्त्रों के स्थान पर ऐसे वस्त्रों का ही चयन करें जिनका आप पहले प्रयोग कर चुकी हों, क्योंकि आजकल कुछ वस्त्र ऐसे आते हैं जिनमें प्रथम बार ड्राइक्लीन ही करवानी होती है। बारिश का पानी पड़ने अथवा नमी से नए वस्त्रों के रंग हल्के हो सकते हैं एवं प्रिंट भी धुल सकता है।
- बारिश में रंग छोड़ने वाले कपड़े कभी न पहनें। ऐसे कपड़े भीग जाने पर आपके शरीर को ही रंग-बिरंगा बना सकते हैं। जहाँ तक संभव हो, इस मौसम में आसमानी, गुलाबी, पीले और हल्के रंग के कपड़े पहनें। ये रंग देखने में अच्छे लगते हैं, साथ ही इनके रंग छोड़ने का डर भी नहीं रहता।
- इस मौसम में अच्छी कंपनी की सिंथेटिक लेदर की बरसाती चप्पल या जूतों का प्रयोग करें। इस मौसम में हल्की चप्पल बिलकुल भी न पहनें, क्योंकि रबर की चप्पलों से पैरों के पीछे कीचड़ उछलता है जिससे आपके कपड़ों पर पीछे की ओर छींटें लग जाते हैं, जो देखने में बहुत भद्दे लगते हैं।

मौसम बदल रहा है। बूँदाबाँदी गर्मी की तपन को कुछ देर समेटती है और तन-मन को थोड़ा सुकून मिलता है, पर कुछ ही देर में उमस उस राहत पर पानी फेर देती है। तो इस बदलते मौसम का स्वागत इस तरह से करें कि आपका स्वास्थ्य और सौंदर्य इससे प्रभावित न हो, बस कुछ छुटपुट बातों पर ध्यान दें।

पनीर पकौड़ा

सामग्रीः फिलिंग के लिएः आधा टीस्पून अजवायन (सेंककर दरदरा पिसा हुआ), 1/4 कप कद्दूकस किया हुआ प्याज, 2 टीस्पून कद्दूकस किया हुआ अदरक, 2 टीस्पून कटा हुआ लहसुन, आधा-आधा टीस्पून लालमिर्च पाउडर और गरम मसाला, 1-1 टेबलस्पून धनिया पाउडर और अमचूर, नमक स्वादानुसार।

घोल के लिएः 1 कप बेसन, आधा टीस्पून लालमिर्च पाउडर, 1/4 टीस्पून हल्दी, 1/4 टीस्पून हींग, 1 टेबलस्पून तेल, 2 टेबलस्पून धनिया, 1 चुटकी खानेवाला सोडा, नमक स्वादानुसार।

अन्य सामग्रीः 2 कप पनीर (चौकोर टुकड़ों में कटा हुआ), 2 टेबलस्पून चाट मसाला, तलने के लिए तेल।

विधिः घोल की सभी सामग्रियों में थोड़ा-सा पानी डालकर गाढ़ा घोल बना लें। पनीर के टुकड़ों को बीच में से काटें। फिलिंग की सभी सामग्रियों को मिला लें। थोड़ा-सा चाट मसाला छिड़ककर फिलिंग वाला मिश्रण भरें और अच्छी तरह दबा दें। तेल गर्म करें और तैयार पनीर के टुकड़ों को घोल में डुबोकर तल लें। चाट मसाला छिड़ककर चटनी के साथ परोसें।

पैरों के दें आराम सही जूतों का साथ

अकसर गलत नंबर के जूते पहनने से पांवों में छाले पड़ जाते हैं। परिणामस्वरुप चलने-फिरने में कठिनाई होती है। पैरों में थकान रहने का एक महत्वपूर्ण कारण जूतों का पांव में फिट न बैठना ही है। अतएव जूते खरीदते समय उन्हें हर तरह से चैक कर लें। कहीं दोनो में से एक पांव का जूता अलग नंबर का तो नहीं। हमेशा अपने नाप से एक नंबर बड़े जूते पहनें। इससे जूते काटेंगे नहीं, 'शू टेक्नॉलिस्ट' भी इस बात से सहमत हैं।

- हमेशा पांव तिरछे करके ही जूते पहनें।
- कभी भी नैरो टो का शू ना पहनें। इससे पांव दबेंगे।
- जूते पांवों को आराम पहुंचा रहे हैं, इसका भी ध्यान रखें।
- हर रोज एक जोड़ी जूते पहनने के बजाए बदल कर शू पहनें।
- पांवों से दुर्गंध न आए, इसके लिए जूते पहनने से पहले उनमें पाउडर जरुर छिड़क लें।
- जूतों को हमेशा साफ व पॉलिश करके रखें। यदि उनमें लेस हैं तो उन्हें भी साफ करके ही जूतों में लगाएं।
- हील वाले शूज में धअयान रहे कि हील कहीं से उखड़ तो नहीं रही। यदि ऐसा है, तो उसे तुरंत ठीक कराएं, चलते वक्त हील उखड़ जाने से पांव में मोच आ सकती है।
- हील आपके पोस्चर को भी खराब करती है।
- मोजों को हर रोज बदलें।
- जूतों के साथ मोजे हमेशा पहनें, ये पांवों को धूल-मिट्टी से बचाते हैं। साथ ही पैरों में छाले पड़ने की संभावना भी कम हो जाती है।
- कभी भी फटे हुए मोजे न पहनें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। शुभ कार्यों में व्यय होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। मेहमानों का आगमन होगा। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। संतान पक्ष की समस्या खत्म होगी। अपने काम पर नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-1-3-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। धन लाभ की संभावना। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान हैं अतः वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-2-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): नये लोगों से मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंग। शुभांक-6-8-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। माता-पिता के स्वास्थ्य में गिरावट से चिंता रहेगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। शुभांक-4-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। पुराना विवाद समाप्त होगा। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेंगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-3-6-9

मीन (दी दू थ झ ज दे दो चा ची): आय के नये स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंग। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति होगी। शुभांक-2-4-7

काकुरो पहेली - 5001

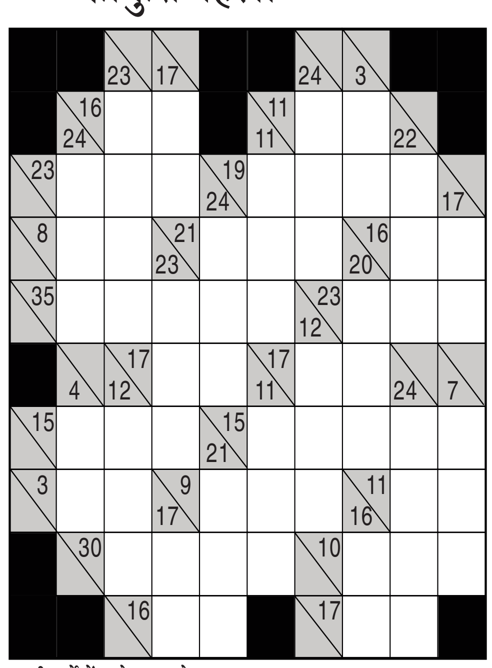

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

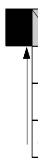

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 5000 का हल

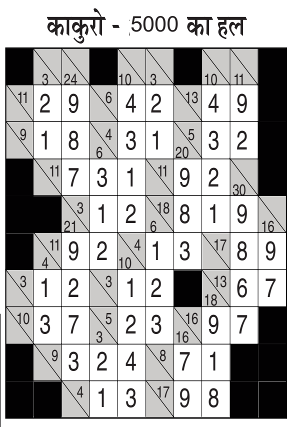

लॉफिंग ज़ोन

संताः 'बचपन में मैं एक बार दूसरी मंजिल से नीचे गिर गया था।'

बंताः 'फिर क्या हुआ ? तुम मर गए या जिंदा बचे ?'

संताः 'बहुत पुरानी बात है यार ... अब याद नहीं।'

□ □ □

संता - बंता एक कार में बम लगा रहे थे।

संताः 'अगर बम लगाते समय यह फट गया तो ?'

बंताः 'अरे तो क्या हुआ मेरा पास एक और बम है।'

□ □ □

पत्नी- घर में सिर्फ1 चम्मच चीनी पडी है और तुम दोस्त के लिए चाय बनाने को कह रहे है।

पति- कोई बात नही, तुम मेरी चाय में चीनी मत डालना।

बस 1 किस दे देना, चाय मीठी हो जाएगी।

पत्नी- आइडिया अच्छा है। मै दोनों ही कंपो में चीनी नही डांलूगी।

□ □ □

शादी पर शहनाई बज रही थी। संतो ने संता से पूछा, ये कौन सी धून बज रही है।

संता बोला, वही जो तूफान के आने से पहले बजाई जाती है।

फिल्म वर्ग पहेली- 5001

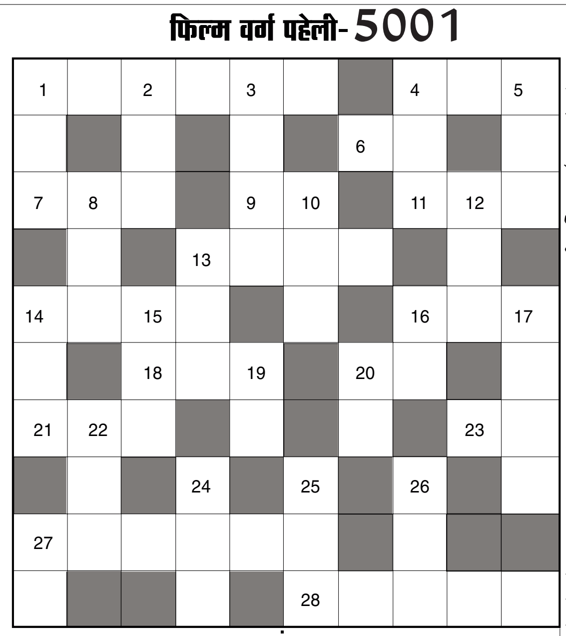

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, सुनील, ऐश, शबाना की 'बहका दिया' गीत वाली फिल्म-४,२
४. 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली सुनील शेट्टी, सुष्मिता, नम्रता की फिल्म-३
६. 'छोड़ो मुझे' गीत वाली फिल्म 'जानू' में जैकी के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'दिल खुश है आज उनसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना कुमारी की फिल्म-३
९. फिल्म 'प्यार का साया' में राहुलराय के साथ नायिका कौन थी-२
११. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'गजगामिनी' में मुंशी प्रेमचंद की 'निर्मला' की भूमिका किसने की है-३
१३. राजेंद्रकुमार, बबीता की 'रिमझिम के गीत सावन गाए' गीतवाली फिल्म-४
१४. 'रामजी की निकली सवारी' गीतवाली ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
१६. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२०. लकी अली, गौरी कार्णिक की 'कभी शाम ढले तू मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'हमीं से मोहब्बत हमीं से' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२३. अनिलकपूर, माधुरी की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'फूल सा चेहरा चाँद सी' गीत वाली प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-२,२,२
२८. देव आनंद, गिरीश, टीना मुनीम की 'आवाज सुरीली का' गीत वाली फिल्म-५

ऊपर से नीचे:-

१. सतीश, सुभाष घई, अर्चना की फिल्म-३
२. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरी चाहत में दीवाना हूँ' गीत वाली फरदीन खान, सेलिना की फिल्म-४
४. संजयदत्त, अतुल, रवीना, करिश्मा की 'काश तुम मुझसे एक' गीत वाली फिल्म-३
५. राजेश खन्ना, ऋषिकपूर, पूनम की फिल्म-३
८. 'तुम भी चलो हम' गीत वाली फिल्म-३
१०. फारूख शेख, नसीरूद्दीनशाह, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
१२. अक्षयकुमार, रवीना टण्डन की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-३
१३. फिल्म 'पुष्पक' में कमल हासन के साथ नायिका कौन थी-३
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१५. 'उड़ जा काले कावां' गीतवाली फिल्म-३
१६. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की फिल्म-२
१७. शशि कपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
१९. अनिलकपूर, जैकी, अजय, मनीषा, माधुरी, सोनाली, रेखा की फिल्म-२
२०. 'मेरा सेहरा तू है' गीत वाली फिल्म-२
२२. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२४. 'चढ़ती जवानी मेरी चाल' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'अजूबा' में 'शहजादी हिना' की भूमिका किसने की थी-३
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली फिल्म-३
२७. फिल्म 'शर्मीली' में शशिकपूर के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 5000

क	ल	यु	ग		जा	न	ए	म	न
भी		वा		दि	ल		ला		या
अ	क्स		शि	वा		खा	न	दा	न
ल		ठि	का	ना		मो			शा
वि			र		आ	शी	र्वा	द	
दा	मि	नी		भा	ई			ह	स्ती
ना		ल	क्ष्य		ना	ला	य	क	
क	स	म		स		ट			मं
ह			दौ	ड़		सा	थ	सा	थ
ना	स्ति	क		क	री	ब			न

सूडोकु 5001

3	9			1	4			2
1	2		6		3		5	
		5		8	7			9
	7			6	9			8
2	1			5			4	6
4			3	2			9	
9			8	4		5		
	6		9		5		2	4
8			1	7			6	3

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 5000 हल

6	9	2	3	7	4	5	8	1
3	8	5	6	2	1	7	4	9
7	4	1	8	9	5	6	2	3
2	3	9	5	4	6	8	1	7
1	7	4	9	8	3	2	6	5
5	6	8	7	1	2	9	3	4
4	5	7	1	6	8	3	9	2
8	2	3	4	5	9	1	7	6
9	1	6	2	3	7	4	5	8

शब्द पहेली - 5001

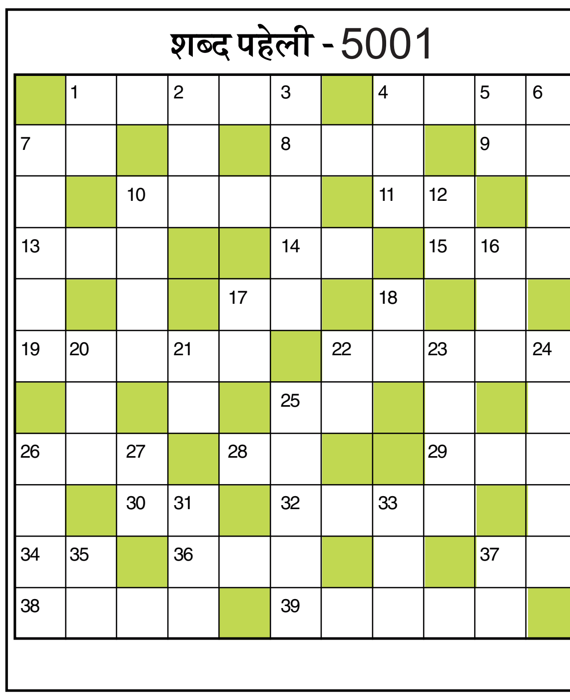

बाएँ से दाएँ

1.सहयोग की भावना-5
4.अकस्मात,एकाएक-4
7.पराजय-2
8.नाव चलाने वाला-3
9.भीगा हुआ-2
10.अनुवाद-4
11.बेल-2
13.योग्य,सही-3
14.घोड़ा गाड़ी-2
15.काव्य,गजल-3
17.अद्वैतभाव,कुर्बान-2
19.नामकरण-2,3
22.राजा का महल-5
25.प्रेम,ममता-2
26.कपड़े की दीवार-3
28.रास्ता,मार्ग-2
29.सिर,खोपड़ी-3
30.माप-2
32.गुस्सा करना-4
34.व्यंग,चुटीली बात-2
36.नायक,नेता-3
37.एक आंख वाला-2
38.रचनाकार-4
39.कृष्ण का एक नाम-3,2

ऊपर से नीचे

1.महोदय (अंग्रेजी-2)
2.डरपोक,भीरू-3
3.व्यंग कसना -5
4.बुद्धि-3
5.झुका हुआ-2
6.कर देने वाला-4
7.चोरी करना,छीनना (मु.-2,3)
10.तहखाना-4
12.एकटक देखना-2
16.वियोग,जुदाई-3
17.आमिर,काजोल की नई फिल्म-2
18.खुजली-2
20.घोटना,मंथन करना-3
21.पत्र,चिट्ठी-2
22.रास्ता-2
23.सुगंधित होना-4
24.बिजली का कौंधना-5
25.कुलीन स्त्री,देवी (उर्दू-5)
26.भगवान,ईश्वर-4
27.पेड़ का मध्य भाग-2
31.पटाखे की बाती,-3
33.अभिव्यक्ति-3
35.नृत्य,डांस-2
37.छोटी सवारी गाड़ी-2

शब्द पहेली -5000 हल

	व	र	दा	न		म	क	स	द	
म			न		अ		ल			नि
न		व्य	व	हा	र	कु	श	ल		य
मा	न	व			दा			कि	म	त
नी		था		आ	स	न		र	न	
	र		हा	रा		ह	त्या		का	
	क	वि		म	क	र		क		रा
ह	म	ला			ल			म	वे	शी
वे		प	र	व	र	दि	गा	र		फ
ली			स		व		य			ल
	र	ह	म	त		घ	ब	रा	ना	

चुनाव आयोग की वजह से बिहार के मतदाता डरे हुए हैं - दीपांकर भट्टाचार्य

एजेंसी

पटना। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन के राष्ट्रीय महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने बिहार विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची की जांच की आलोचना की है। दीपांकर भट्टाचार्य ने समाचार एजेंसी से बात करते हुए कहा, बिहार विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने अचानक मतदाता सूची पुनरीक्षण की घोषणा की। आयोग की इस घोषणा से बिहार के मतदाता परेशानी में आ गए हैं। बिहार में लगभग आठ करोड़ मतदाता हैं। एक महीने में सभी मतदाताओं की जांच नहीं की जा सकती है। लेकिन, चुनाव आयोग इन समस्याओं से बिल्कुल बेफिक्र है। उन्होंने सवाल किया कि अभी 2024 का लोकसभा चुनाव समाप्त हुआ है, क्या उसमें वोटर लिस्ट गलत था कि अभी आयोग को इसमें सुधार की जरूरत पड़ी है। महाराष्ट्र चुनाव के समय भी यह बात उठी थी। बिहार चुनाव से पहले यह बड़ा सवाल है भारतीय जनता पार्टी मतदाता सूची पुनरीक्षण का समर्थन कर रही है। इस पर दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा कि यह किसी पार्टी का मुद्दा नहीं है, न ही किसी गठबंधन का मामला है। यह मतदाताओं से जुड़ा मामला है। उनकी परेशानी से जुड़ा हुआ है, उनके अधिकार से जुड़ा हुआ है। कोई भी पार्टी हमेशा सत्ता में नहीं रहती। सभी को विपक्ष में आना है। इसलिए मैं कह रहा हूं कि यह मतदाताओं का मामला है। उनके साथ अन्याय नहीं होना चाहिए।

हमारी पार्टी महागठबंधन के साथ है, तेजस्वी से मुलाकात कर लूंगा निर्णयः पशुपति पारस

पटना। पूर्व केंद्रीय मंत्री व राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के संरक्षक पशुपति कुमार पारस ने गुरुवार को कहा कि अब एनडीए से उनका कोई नाता नहीं है। बिहार में दो ही गठबंधन हैं, एनडीए और महागठबंधन। अब मैं महागठबंधन के साथ हूं और जल्द ही तेजस्वी यादव से मुलाकात कर अंतिम निर्णय लूंगा। उन्होंने चुनाव आयोग पर भी आरोप लगाए। पूर्व केंद्रीय मंत्री पारस ने आज यहां पत्रकारों से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा कि बिहार में कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। राज्य में अपराधियों को सरकार का संरक्षण प्राप्त है। प्रशासन चाहकर भी अपराधियों पर कार्रवाई नहीं कर पा रहा है। राज्य में कानून का राज नहीं रहा और आम जनता भय के माहौल में जी रही है। उन्होंने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मानसिक रूप से अस्वस्थ हो चुके हैं। मुख्यमंत्री को कुछ पता नहीं है, सत्ता कुछ लोगों के हाथों में केंद्रित हो गई है, जो मनमानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, केंद्र की सरकार केवल जुमलेबाजी कर रही है। महंगाई लगातार बढ़ रही है, बेरोजगारी चरम पर है और युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा।

बंगाली श्रमिकों के उत्पीड़न को लेकर बंगाल सरकार ने ओडिशा सरकार को लिखा पत्र

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव मनोज पंत ने ओडिशा सरकार को पत्र लिखकर राज्य में काम कर रहे बंगाली भाषी प्रवासी श्रमिकों के साथ हो रहे कथित उत्पीड़न पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने ओडिशा के मुख्य सचिव मनोज आहूजा को संबोधित पत्र में इन श्रमिकों को बांग्लादेशी कहकर परेशान किए जाने को निंदनीय बताया है। बंगाल के मुख्य सचिव ने अपने पत्र में लिखा है कि वे गहरे दुख और गंभीर चिंता के साथ यह पत्र लिख रहे हैं क्योंकि ओडिशा के विभिन्न हिस्सों में रोजगार के लिए गए बंगाल के श्रमिकों को केवल उनकी भाषा के आधार पर उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। बताया कि इन श्रमिकों में दैनिक वेतनभोगी, रिक्शा चालक, घरेलू कामगार और व्यापारी तक भी बसे परिवार शामिल हैं, जो ओडिशा की अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका निभा रहे हैं। आरोप लगाया कि इन नागरिकों को बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के हिरासत में लिया जा रहा है, विशेषकर पारादीप और ओडिशा के तटीय जिलों जैसे जगतसिंहपुर, केंद्रापाड़ा, भद्रक, मलकानगिरी, बालासोर और कटक में। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि जब ये लोग आधार कार्ड, राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, बिजली बिल और सार्वजनिक वितरण प्रणाली के दस्तावेज पेश करते हैं, तब भी उनकी पहचान को खारिज किया जा रहा है। कई मामलों में इन श्रमिकों से पुश्तैनी जमीन के दस्तावेज मांगे जा रहे हैं, जो कि प्रवासी कामगारों के लिए न केवल अव्यावहारिक है, बल्कि अन्यायपूर्ण भी है।

मुंगेरीलाल के हसीन सपने देख रहे हैं तेजस्वी यादव, जो पूरा नहीं होगा : जगदंबिका पाल

मुंबई। राष्ट्रीय जनता दल(राजद) के नेता तेजस्वी यादव की ओर वक्फ कानून को लेकर दिए एक बयान पर भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने जोरदार हमला बोला है। भाजपा सांसद ने कहा कि तेजस्वी यादव मुंगेरीलाल की तरह हसीन सपने देख रहे हैं जो कभी पूरा नहीं होगा। जनता ने पहले भी उन्हें नकारा है और आगामी विधानसभा चुनाव में भी नकारने जा रही है। हाल ही में बिहार के पटना स्थित गांधी मैदान में राजद नेता तेजस्वी यादव ने दावा किया कि अगर उनकी सरकार बनी तो वह नए वक्फ कानून को प्रदेश में लागू नहीं होने देंगे और इसे कूड़ेदान में फेंक देंगे। तेजस्वी के इस बयान के बाद भाजपा के नेताओं की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया मिल रही है। भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने समाचार एजेंसी से बातचीत की। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव को नहीं भूलना चाहिए कि कैसे बिहार की जनता ने उनके पिता को नकार दिया था। वे एकमात्र ऐसे नेता हैं जिनपर सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार के मामले हैं।

आउटसोर्सिंग कार्मिकों के लिए ऐतिहासिक कदम, यूपी में बनेगा 'आउटसोर्स सेवा निगम'

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के लाखों आउटसोर्सिंग कार्मिकों के श्रम अधिकारों, पारिश्रमिक और सामाजिक सुरक्षा की रक्षा के लिए एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है। उन्होंने उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम के गठन को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह निगम प्रशासनिक व्यवस्था में पारदर्शिता लाने के साथ-साथ आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के जीवन में स्थायित्व और भरोसा सुनिश्चित करेगा। गुरुवार को सम्पन्न उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित निगम की कार्यप्रणाली, संरचना और दायरे पर विस्तृत विचार-विमर्श करते हुए वरिष्ठ अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार श्रमिकों के श्रम, सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए कृतसंकल्पित है और आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के सामाजिक व आर्थिक हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान व्यवस्था में आउटसोर्सिंग एजेंसियों का चयन विकेन्द्रीकृत तरीके से होता है, जिसके कारण समय पर वेतन न मिलना, वेतन में कटौती, ईपीएफ/ईएसआई लाभों से वंचित रहना, पारदर्शिता की कमी और उत्पीड़न जैसी अनेक शिकायतें मिलती हैं। इस परिप्रेक्ष्य में संपूर्ण व्यवस्था में व्यापक सुधार आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रस्तावित निगम का गठन कंपनी एक्ट के तहत किया जाए। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स और एक महानिदेशक की नियुक्ति की जाएगी। मंडल व जिला स्तर पर भी समितियों का गठन किया जाएगा। एजेंसियों का चयन जेम पोर्टल के माध्यम से न्यूनतम तीन वर्षों के लिए किया जाएगा। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि वर्तमान कार्यरत कार्मिकों की सेवाएं बाधित न हों और चयन प्रक्रिया में उन्हें अनुभव के आधार पर वेटेज मिले।

तेलंगाना में भाजपा को सत्ता में लाना प्राथमिकताः एन. रामचंद्र राव

एजेंसी

नई दिल्ली/हैदराबाद। तेलंगाना प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने राज्य में राजनीतिक बदलाव पर जोर दिया है। उन्होंने पार्टी में सामूहिक नेतृत्व को बढ़ावा देने की बात कही है। हिंदुस्थान समाचार के साथ विशेष बातचीत में उन्होंने पार्टी के लिए अपने दृष्टिकोण, अपनी नेतृत्व शैली और आगामी विधानसभा चुनाव-2028 की रणनीति के बारे में भी विस्तार से बात की। तेलंगाना भाजपा के नवनियुक्त अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने 2028 विधानसभा चुनाव तक राज्य में राजनीतिक बदलाव का वादा किया है। उन्होंने हिंदुस्थान समाचार से विशेष बातचीत में कहा, राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव किसी भी समय होने वाले हैं। यह हमारी पहली चुनौती है और हमें संगठनात्मक और चुनावी तौर पर इसका सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

उन्होंने कहा, उससे आगे, मेरा ध्यान पार्टी को जमीनी स्तर यानी बूथ स्तर से फिर से खड़ा करने पर है। हमारा मिशन यह सुनिश्चित करना है कि 2028 तक तेलंगाना में भाजपा सत्ता में आए। लोग मौजूदा सरकार से निराश हैं। प्रदेश में सत्ता विरोधी लहर है और भाजपा स्वाभाविक विकल्प के तौर पर उभर रही है। हमारा काम लोगों को संगठित करना, उनमें जोश भरना और उस जनभावना को चुनावी हकीकत में बदलना है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि वे सामूहिक नेतृत्व के माध्यम से काम करना चाहते हैं। यह पार्टी और पार्टी नेताओं, दोनों के लिए महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री के मूल मंत्रों के साथ संगठन को आगे ले जाएंगे नए प्रदेश अध्यक्षः शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी

भोपाल। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने अपने कार्यकाल के दौरान अभूतपूर्व काम किया है। निकाय चुनावों से लेकर विधानसभा-लोकसभा चुनावों में बड़ी सफलता अर्जित करने में बड़ी भूमिका अदा की। नव निर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने हमेशा पार्टी के कार्यकर्ता के तौर पर पूरी निष्ठा के साथ कार्य किया और पार्टी को आगे बढ़ाने के लिए हमेशा लगे रहे। उन्हें जो कार्य दिया गया उन्होंने उसे सही ढंग से संपादित किया। अब आने वाले समय में चुनौतियां बढ़ी हैं, लेकिन हेमंत खंडेलवाल चुनौतियों का सामना कर सफलता प्राप्त करने के लिए जाने जाते हैं, आगे भी उनका यह सिलसिला जारी रहेगा। केन्द्रीय मंत्री चौहान भोपाल में भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष के निर्वाचन की घोषणा के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जब मैं मुख्यमंत्री था तब एक आदर्श विधायक का उदाहरण हेमंत खंडेलवाल ने प्रस्तुत किया और बैतूल के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी। खंडेलवाल के दिमाग में नई-नई योजनाएं चलती रहती हैं। जब मैं स्कूली शिक्षा के लिए सीएम राइज योजना लेकर आया तो उसके पहले खंडेलवाल के साथ भी चर्चा हुई थी, उन्होंने कई सुझाव दिए जिन्हें शामिल किया गया। उन्होंने कहा कि सन 2014 में भारतीय राजनीति में एक नया उदय हुआ, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की कमान संभाली। प्रधानमंत्री मोदी विकसित भारत के संकल्प के साथ देश को वैभवशाली और गौरवशाली बनाकर दुनिया में भारत का डंका बजा रहे हैं। मोदी जी का सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास का मूल मंत्र देश के सभी वर्गों और क्षेत्रों के विकास के साथ रोज नया इतिहास लिख रहा है। हेमंत खंडेलवाल भी प्रधानमंत्री के इस मूल मंत्र के साथ आगे बढ़ेंगे तो आने वाले चुनावों में पिछले विधानसभा और लोकसभा चुनावों से ज्यादा मत भाजपा को मिलेगा और प्रदेश की जनता का साथ पार्टी को मिलता रहेगा। पार्टी के निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि मध्य प्रदेश का संगठन आदर्श है।

धर्मवीर मीना ने संभाला पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक का अतिरिक्त कार्यभार

एजेंसी

गांधीनगर। मध्य रेलवे के महाप्रबंधक धर्मवीर मीना ने पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण किया। वह भारतीय रेलवे सेवा सिग्नल इंजीनियर्स सेवा (आईआरएसएसई) के 1988 बैच के अधिकारी हैं। मध्य रेल के महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण करने से पहले वे मध्य रेल के प्रमुख मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर के पद पर कार्यरत थे। 1992 में दक्षिण पूर्व रेलवे, शहडोल में सहायक सिग्नल और दूरसंचार इंजीनियर के रूप में अपना कैरियर शुरू किया और 1998 तक इस पद पर रहें।

उन्होंने 1988 में एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज, जोधपुर से इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार में बीई की डिग्री पूरी की और कानून में मास्टर्स भी किया। मार्च 1990 में रेलवे में शामिल हुए और दक्षिण पूर्व रेलवे, पश्चिमी रेलवे, पश्चिम मध्य रेलवे और मध्य रेलवे में फील्ड और मुख्यालय दोनों में विभिन्न भूमिकाएं निभाई। उन्होंने सिग्नलिंग परियोजनाओं और विभिन्न मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं, सुरक्षा कार्यों से संबंधित सिग्नलिंग कार्यों को रिकॉर्ड समय में पूरा किया है। बिलासपुर में मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर तथा खुर्दा रोड पर

वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर के पद पर कार्यरत रहे। इसके बाद पश्चिम रेलवे में उन्होंने विभिन्न पदों पर कार्य किया, जिसमें सिस्टम की समग्र विश्वसनीयता में सुधार, सिग्नलिंग इंस्टॉलेशन, सिग्नलिंग कार्य, रिकॉर्ड मल्टीट्रैकिंग परियोजनाएं शामिल हैं। (जिसमें वीरमगाम जंक्शन-समाख्यापाली जंक्शन तथा सुरेन्द्रनगर-राजकोट, अहमदाबाद-मेहसाणा जंक्शन का दोहरीकरण-सह-आमान परिवर्तन शामिल है।) उनके अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप हर सप्ताह एक से अधिक इंस्टॉलेशन चालू किए जा रहे हैं। नवीन तरीकों तथा भविष्य की प्रौद्योगिकियों को अपनाकर गतिशीलता, थ्रूपुट वृद्धि कार्य उनके कार्यकाल की प्रमुख विशेषताएं थीं।

अहमदाबाद डिवीजन के वडनगर तथा विसनगर के बीच प्रथम एम्बेडेड ब्लॉक को पूरा करने में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। आपने 2020 में भारतीय रेलवे सिग्नल इंजीनियरिंग मैनुअल (आईआरएसईएम) समीक्षा समिति के सदस्य के रूप में भी कार्य किया है।

शिक्षा ही सशक्तिकरण का सबसे प्रभावी माध्यम : राष्ट्रपति

एजेंसी

गोरखपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अकादमिक भवन, प्रेक्षागृह एवं पंचकर्म सेंटर का लोकार्पण करने के साथ ही महिला छात्रावास का शिलान्यास किया। इस मौके पर अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि नए महिला छात्रावास का शिलान्यास कर सबसे अधिक खुशी हो रही है। शिक्षा ही सशक्तिकरण का सबसे प्रभावी माध्यम है। इसलिए यह कदम नारी सशक्तिकरण की दिशा में अमूल्य पहल है। राष्ट्रपति ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की सराहना की। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप के आदर्शों से प्रेरित सभी संस्थानों में राष्ट्र सर्वोपरि की भावना प्रसारित होती है। लगभग 700 वर्ष पहले महाराणा प्रताप ने राष्ट्रगौरव के लिए त्याग और पराक्रम का जो आदर्श प्रस्तुत किया था, वह देशवासियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। महामहिम ने आशा जताई कि इस विश्वविद्यालय के सभी विद्यार्थी प्रोफेशनल एजुकेशन पर आधारित उत्कृष्टता प्राप्त करने के साथ-साथ आध्यात्मिकता तथा राष्ट्रप्रेम के आदर्शों को अपने आचरण में ढालेंगे। यह संस्थान महंत दिग्विजयनाथ एवं महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की परंपरा से जुड़ा हुआ है। उनकी परंपरा के अनुरूप गोरक्षपीठ व महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद से जुड़े सभी संस्थानों, व्यक्तियों (विशेषकर युवाओं) को जनसेवा, शिक्षा तथा भारत के सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति अगाध श्रद्धा के साथ कार्य करना चाहिए। विश्वविद्यालय के नए एकेडमिक भवन में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होने से विद्यार्थी, शिक्षक और अधिक निष्ठा के साथ आगे बढ़ेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि मानव शरीर को दोषमुक्त बनाने में पंचकर्म की प्रक्रिया बहुत प्रभावी सिद्ध हुई है। इस क्रिया की सहायता से असाध्य रोगों के सफल उपचार के उदाहरण देखने को मिलते हैं। आशा है कि नए पंचकर्म केंद्र से अधिकाधिक लोग लाभान्वित हो पाएंगे। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि कक्षा सात की पढ़ाई पूरी करके मैं सत्र 1970-71 में आठवीं व उसके आगे की पढ़ाई करने के लिए अपने गांव से 300 किमी. दूर भुवनेश्वर गई। 55 वर्ष पहले वह दूरी भी बहुत अधिक थी, क्योंकि तब आवागमन के साधन बहुत सीमित हुआ करते थे। मुझसे पहले मेरे गांव की कोई बालिका बाहर पढ़ने नहीं गई थी। भुवनेश्वर में मुझे महिला छात्रावास में रहने की सुविधा मिली। अब तो बहुत बदलाव आ चुका है। हमारी बेटियां विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति के नए प्रतिमान स्थापित कर रही हैं।

झारखंड में भारी बारिश से जन जीवन प्रभावित, अब तक सामान्य से 88 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज

एजेंसी

रांची। झारखंड में हो रही भारी बारिश से प्रदेश का जन-जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इससे राज्य के कई जिलों में पुल-पुलिया टूट गए हैं।नदी-नाले उफान पर हैं और राजधानी सहित विभिन्न जिलों के कई मोहल्ले पानी में डूबे हुए हैं। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में एक से 30 जून तक सामान्य से 88 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई है। इस दौरान राजधानी रांची में सबसे अधिक सामान्य से 213 प्रतिशत अधिक बारिश हुई है। मॉनसून के दौरान अब तक राज्य के 24 में से पांच जिलों को छोड़कर शेष 19 जिलों में भारी बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार राज्य में छह जुलाई तक भारी बारिश होने की संभावना व्यक्त की गई है। मौसम विभाग के अनुसार दो और तीन जुलाई को उत्तरी-पश्चिमी और उत्तरी-मध्य भागों में कहीं-कहीं भारी बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की आशंका है।जबकि चार जुलाई को उत्तरी-मध्य और उत्तरी-पूर्वी भागों में कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है, जबकि कुछ इलाकों में आकाशीय बिजली गिरने की आशंका जताई गई है। मौसम विज्ञान केन्द्र ने पांच और छह जुलाई को राज्य के उत्तरी-पश्चिमी जिले पलामू, गढवा, चतरा, लातेहार, कोडरमा और लोहरदगा में और उत्तरी-मध्य भागों में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना व्यक्त की है।

निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष चुनकर कार्यकर्ताओं ने विशिष्ट परंपरा को किया और पुष्टः धर्मेंद्र प्रधान

एजेंसी

भोपाल। केंद्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के निर्वाचन अधिकारी धर्मेंद्र प्रधान ने पार्टी कार्यालय में आयोजित एक समारोह में बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल को मध्य प्रदेश के नए प्रदेश अध्यक्ष के रूप में निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा की। साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों के निर्वाचन की भी घोषणा की। केंद्रीय मंत्री प्रधान ने विधायक हेमंत खंडेलवाल को प्रदेश अध्यक्ष के रूप में उनके निर्वाचन का प्रमाण-पत्र सौंपा। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल सभी को साथ लेकर चलते हुए पार्टी संगठन को मजबूती देंगे। आप सभी ने हेमंत खंडेलवाल को निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष चुनकर मध्य प्रदेश के संगठन पर्व में एक नया अध्याय जोड़ा है, परंपरा को पुष्ट किया है, जिसके लिए सभी कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ नेताओं को धन्यवाद देता हूं।केन्द्रीय मंत्री प्रधान ने कहा कि मैं हेमंत खंडेलवाल को काफी समय से जानता हूं और एक जनप्रतिनिधि के रूप में उन्हें काम करते हुए देखा है। सहज, मृदुभाषी, गंभीर और संगठन की जड़ों तक पहुंचकर काम करने वाले हेमंत खंडेलवाल प्रदेश अध्यक्ष के रूप में सभी को साधते हुए सभी को साथ लेकर संगठन का खूंटा पूरी मजबूती के साथ गाड़ेंगे, ऐसा मेरा विश्वास है। केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि 50 के दशक में जनसंघ के रूप में शुरू हुई भारतीय जनता पार्टी आज दुनिया के सबसे बड़े और ताकतवर संगठन का रूप ले चुकी है। पहले श्रद्धेय अटल जी के नेतृत्व में हमें देश में सरकार चलाने का अवसर मिला और विकास तथा जनकल्याणकारी योजनाओं के कई कीर्तिमान बने। पिछले 11 साल से दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार जनता की सेवा का कार्य कर रही है।

भूस्खलन से मणिपुर-नगालैंड के बीच सड़क यातायात बाधित, एनएच-2 पर मार्ग परिवर्तन

एजेंसी

इंफाल। कोहिमा और माओ के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग-02 के एक महत्वपूर्ण हिस्से पर भारी भूस्खलन के कारण मणिपुर और नगालैंड के बीच आवागमन पूरी तरह से बाधित हो गया है।

ज़रूरी सामान और यात्री वाहनों की आवाजाही थम गई है। भूस्खलन फेसामा गांव में हुआ, जिससे दोनों राज्यों को जोड़ने वाली प्रमुख सड़क पूरी तरह से ध्वस्त हो गई। राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत में जुटा है। अधिकारियों के अनुसार, नगालैंड सरकार ने आवश्यक भूमि उपलब्ध करा दी है, लेकिन क्षति अत्यधिक है और मरम्मत में काफी समय लगेगा।स्थिति को देखते हुए, हल्के और मध्यम वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग तय किए गए हैं।

हल्के वाहनः डिमापुर - कोहिमा - फेसामा - किसामा - जखामा - माओ - मरम - इंफाल (कुल दूरीः 193 किमी) तथा 2-एक्सल तक के वाहनः डिमापुर - कोहिमा - चाकाबामा - किडिमा - माओ - मरम - इंफाल (कुल दूरीः 207 किमी) तक।

माओ से चाकाबामा तक 28 किमी की

सड़क, जिसमें मणिपुर की सीमा में 9 किमी शामिल है, पर पीडब्ल्यूडी मणिपुर द्वारा रखरखाव का कार्य जारी है। जीएसबी बिछाने का कार्य चल रहा है, जबकि डब्ल्यूएमएम और एसडीबीसी लेयर का कार्य मौसम में सुधार होने के बाद शुरू होगा। हालांकि निर्माण कार्य चल रहा है, यह वैकल्पिक मार्ग सभी प्रकार के वाहनों के लिए खुला है और मणिपुर सीमा के भीतर यातायात सामान्य रूप से जारी है। मणिपुर सरकार के संबंधित विभाग के प्रमुख सचिव ने नगालैंड सरकार के सचिव से समन्वय कर भारी वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग भी प्रस्तावित किए हैं।

इनमें विकल्प 1ः डिमापुर - झरनापानी - जलुकी - पेरेन - मरम - इंफाल (कुल दूरीः 293 किमी) तथा विकल्प 2ः डिमापुर - कोहिमा - चाकाबामा - जेसामी - उखरूल - इंफाल (कुल दूरीः 372 किमी) शामिल हैं। मानसून के इस संवेदनशील समय में भूस्खलन ने क्षेत्र में रसद की चुनौतियों को और बढ़ा दिया है। दोनों राज्यों की सरकारें मिलकर रास्ता बहाल करने और यातायात को सामान्य करने की दिशा में तेजी से काम कर रही हैं।

केंद्रीय राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने 'एनीमल टैक्सोनॉमी समिट-2025' के समापन सत्र की अध्यक्षता की

एजेंसी

कोलकाता। जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (जेडएसआई) द्वारा आयोजित 'एनीमल टैक्सोनॉमी समिट-2025' का गुरुवार को समापन हुआ। समापन सत्र की अध्यक्षता केंद्रीय राज्य मंत्री, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा विदेश मंत्रालय, कीर्ति वर्धन सिंह ने की। इस समिट का उद्देश्य पशु वर्गीकरण के क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान और संरक्षण प्रयासों को सुदृढ़ करना था। अपने संबोधन में कीर्ति वर्धन सिंह ने जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस संस्था ने भारत में एक लाख से एक लाख पांच हजार प्रजातियों का दस्तावेजीकरण किया है, जो एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वतंत्रता दिवस संबोधन का उल्लेख किया, जिसमें प्रधानमंत्री ने 'पंच प्रण' को अपनाने का आह्वान किया था। केंद्रीय मंत्री ने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत वैश्विक जैव विविधता प्रयासों में एक विचारशील नेतृत्व के रूप में उभरा है। उन्होंने भारतीय परंपरा में ज्ञान के प्रति सम्मान का उदाहरण देते हुए कहा कि संत दत्तात्रेय के 24 गुरुओं में से कई जानवर थे, जो प्राकृतिक दुनिया से सीखने की पवित्रता को दर्शाते हैं। उन्होंने जेडएसआई के वैज्ञानिकों को आधुनिक ऋषियों के रूप में संबोधित किया, जो जीवन के विभिन्न प्रजातियों को सटीकता और समर्पण के साथ डिकोड कर रहे हैं।

हिमाचल में मानसून का कहर जारी, 9 जुलाई तक येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून भारी तबाही मचा रहा है। लगातार हो रही भारी बारिश, बादल फटने और भूस्खलनों से राज्य में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बीते 72 घंटों के दौरान राज्य में बादल फटने की 14 और फ्लैश फ्लड की 3 घटनाएं दर्ज की गई हैं। इनमें अकेले मंडी जिले में 13 स्थानों पर बादल फटे, जिससे सबसे अधिक तबाही हुई है। मौसम विभाग ने 9 जुलाई तक येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है मंडी जिले में 30 जून की रात को बादल फटने से भारी तबाही हुई है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र द्वारा गुरूवार शाम जारी रिपोर्ट के मुताबिक मंडी जिला में 14 की मौत हो चुकी है और 31 अभी भी लापता हैं। 5 घायल हुए हैं। जिला के गोहर, थुनाग, करसोग और जंजैहली इलाकों में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें राहत व बचाव कार्यों में जुटी हुई हैं। अब तक 348 लोगों को रेस्क्यू किया जा चुका है। 154 मकान पूरी तरह ध्वस्त हो गए हैं और 31 वाहन क्षतिग्रस्त। दो दुकानें और 106 पशुशालाएं ढह गई हैं, जबकि 14 पुल भी बह गए हैं। इस दौरान 165 मवेशियों की भी मौत हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, गुरूवार शाम तक प्रदेश में 246 सड़कों पर यातायात बंद है। सबसे ज्यादा 145 सड़कें मंडी में बंद पड़ी हैं। कुल्लू में 36, सिरमौर में 25 और शिमला में 22 सड़कें बंद हैं। इसके अलावा कुल्लू में 15 ट्रांसफार्मर बंद हैं, जबकि मंडी में सबसे ज्यादा 353 ट्रांसफार्मर ठप हैं। कुल मिलाकर 404 ट्रांसफार्मर पूरे राज्य में प्रभावित हुए हैं। इसके अलावा, पेयजल आपूर्ति पर भी मानसून का कहर टूटा है। मंडी जिले की 605 पेयजल योजनाएं बंद हो गई हैं। हमीरपुर में 104 और सिरमौर में 21 पेयजल स्कीमें ठप हैं। पूरे प्रदेश में 784 पेयजल योजनाएं बाधित हैं, जिससे लोगों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग ने कांगड़ा, मंडी, हमीरपुर, शिमला और सिरमौर जिलों में अगले 24 घंटों के दौरान फ्लैश फ्लड की चेतावनी जारी की है। अगले दोदिन येलो अलर्ट, वहीं 5 से 9 जुलाई तक ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। बीते 24 घंटों में सिरमौर के पच्छाद में सर्वाधिक 133 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा हमीरपुर के बड़सर में 92 मिमी, शिमला के जुब्बड़हट्टी में 59 मिमी, ऊना में 55 मिमी, नाहन में 42 मिमी, कांगड़ा में 32 मिमी, सराहन में 29 मिमी, सुंदरनगर में 19 मिमी और शिमला शहर में 10 मिमी बारिश दर्ज हुई है।

शिमला के ढली क्षेत्र के लिंडीधार गांव में फोरलेन निर्माण के दौरान बन रही सुरक्षा दीवार गुरूवार को अचानक ढह गई, इससे सैकड़ों सेब के पौधे दब गए और आसपास के कई घरों को खतरा पैदा हो गया। लोग अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन को मजबूर हैं।

स्पंदन राधा कृष्ण का

राधा का अर्थ है ...मोक्ष की प्राप्ति। रा का अर्थ है मोक्ष और ध का अर्थ है प्राप्ति। कृष्ण जब वृन्दावन से मथुरा गए, तब से उनके जीवन में एक पल भी विश्राम नही था। उन्होंने आतताइयों से प्रजा की रक्षा की, राजाओं को उनके लुटे हुए राज्य वापिस दिलवाए और सोलह हज़ार स्त्रियों को उनके स्त्रीत्व की गरिमा प्रदान की। उन्होंने अन्य कई जनहित कार्यों में अपने जीवन का उत्सर्ग किया। श्रीकृष्ण ने किसी चमत्कार से लड़ाइयाँ नहीं जीती। बल्कि अपनी बुद्धि योग और ज्ञान के आधार पर जीवन को सार्थक किया। मनुष्य का जन्म लेकर , मानवता की...उसके अधिकारों की सदैव रक्षा की। वे जीवन भर चलते रहे , कभी भी स्थिर नही रहे ।जहाँ उनकी पुकार हुई,वे सहायता जुटाते रहे। उधर जब से कृष्ण वृन्दावन से गए, गोपियाँ और राधा तो मानो अपना अस्तित्व ही खो चुकी थी। राधा ने कृष्ण के वियोग में अपनी सुधबुध ही खो दी। मानो उनके प्राण ही न हो केवल काया मात्र रह गई थी। राधा को वियोगिनी देख कर ,कितने ही महान कवियों– लेखकों ने राधा के पक्ष में कान्हा को निर्मोही जैसी उपाधि दी। दे भी क्यूँ न ?

राधा का प्रेम ही ऐसा अलौकिक था...उसकी साक्षी थी यमुना जी की लहरें, वृन्दावन की वे कुंजन गलियाँ , वो कदम्ब का पेड़, वो गोधुली बेला जब श्याम गायें चरा कर वापिस आते थे , वो मुरली की स्वर लहरी जो सदैव वहाँ की हवाओं में विद्यमान रहती थी। राधा जो वनों में भटकती ,कृष्ण कृष्ण पुकारती,अपने प्रेम को अमर बनाती,उसकी पुकार सुन कर भी ,कृष्ण ने एक बार भी पलट कर पीछे नही देखा। ...तो क्यूँ न वो निर्मोही एवं कठोर हृदय कहलाए। राधा का प्रेम ही ऐसा अलौकिक था...उसकी साक्षी थी यमुना जी की लहरें , वृन्दावन की वे कुंजन गलियाँ , वो कदम्ब का पेड़, वो गोधुली बेला जब श्याम गायें चरा कर वापिस आते थे , वो मुरली की स्वर लहरी जो सदैव वहाँ की हवाओं में विद्यमान रहती थी ... किन्तु कृष्ण के हृदय का स्पंदन किसी ने नहीं सुना। स्वयं कृष्ण को कहाँ कभी समय मिला कि वो अपने हृदय की बात..मन की बात सुन सकें। या फिर क्या यह उनका अभिनय था ? जब अपने ही कुटुंब से व्यथित हो कर वे प्रभास –क्षेत्र में लेट कर चिंतन कर रहे थे तब जरा के छोडे तीर की चुभन महसूस हुई। तभी उन्होंने देहोत्सर्ग करते हुए, राधा शब्द का उच्चारण किया। जिसे जरा ने सुना और उद्धव को जो उसी समय वह पहुँचे..उन्हें सुनाया। उद्धव की आँखों से आँसू लगतार बहने लगे। सभी लोगों को कृष्ण का संदेश देने के बाद ,जब उद्धव ,राधा के पास पहुँचे ,तो वे केवल इतना कह सके –

राधा, कान्हा तो सारे संसार के थे,
किन्तु राधा तो केवल कृष्ण के हृदय में थी

कष्टहरता जय हनुमान...

हनुमान बजरंगबली और महावीर के नामों से जाने जाने वाले पवनसुत सप्त चिरंजीवियों में से एक हैं। पद्म–पुराण के 56–6–7 वें श्लोक में उनका अन्य छः चिरंजीवियों के साथ नाम इस प्रकार आता है–

अश्वत्थामा बलिव्यासो ह्नुमानन्च विभीषण।
कृप परशुरामश्च सप्तैत चिरंजीविन ।

वस्तुतः रामभक्त, संकटमोचन, रामसेवक, रामदूत, केशरीनंदन, आंजनेय, अंजनीसुत, कपीश, कपिराज, पवनसुत और संकटमोचक के रूप में विख्यात हनुमान अपने भक्तों को व्याधियों व संकटों, वेदनाओं तथा परेशानियों से मुक्ति दिलाते हैं।

हनुमान भक्ति व पूजा का लाभ

हर व्यक्ति को जीवन में अनेक समस्याओं से गुजरना पड़ता है, ऐसे में हनुमानजी का स्मरण उसकी कष्टों से रक्षा करता है। जहाँ हनुमानजी का नाम मुश्किलों से बचाव करता है, वहीं वह मन से अनजाने भय को निकालकर शुभ व मंगल का पथ प्रशस्त करता है, विपत्तियों से मुक्ति दिलाता है।

वास्तव में, हनुमानजी रामभक्ति, सत्य मर्यादा, ब्रह्मचर्य, सदाचार व त्याग की चरम सीमा हैं। इसका सविस्तार वर्णन हमें सुंदरकांड में मिलता है। इसीलिए सुंदरकांड का पाठ करने से अनिष्ट, अमंगल तथा संकट की समाप्ति होती है, और नेष्ट का रास्ता खुलता है। सुंदरकांड का पाठ करने से हनुमानजी प्रसन्न होते हैं, तथा भक्त को सुपरिणाम प्रदान करते हैं।

कार्यसिद्धि के लिए भी सुंदरकांड का पाठ किया जाता है। परंतु इस हेतु पाठ अमावस्या की रात्रि से शुरू करके नियमित रूप से 45 दिन करना चाहिए। इसके अतिरिक्त नवरात्रि के समय भी सुंदरकांड का पाठ करना उचित माना जाता है। एक ऐसी भी मान्यता है कि नौ ग्रहों को रावण की कैद से केशरीनंदन ने ही म ु क्त कराया था। उस समय शनि ने हनुमानजी को वचन दिया था कि– हे हनुमान! जो कोई भी आपकी पूजा–अर्चना करेगा, मैं उसे नहीं सताऊँगा। साधक को मंगलवार व शनिवार की पूजा करने से विशेष लाभ प्राप्त होता है। यथार्थ तो यह है कि कलियुग में महावीर हनुमान का नाम सही अर्थों में संकटमोचन है।

माँ गंगा का प्राकट्य

शिव का हिमालय और गंगा से घनिष्ठ संबंध है और गंगा से उनके संबंध की कथा से लोकप्रिय चित्रांकन बड़ा समृद्ध हुआ है। हिंदुओं के लिए समस्त जल, चाहे वह सागर हो या नदी, झील या वर्षाजल, जीवन का प्रतीक है और उसकी प्रकृति दैवी मानी जाती है। इस संदर्भ में प्रमुख हैं तीन पवित्र नदियाँ– गंगा, यमुना और काल्पनिक सरस्वती। इनमें से पहली नदी सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

चूँकि गंगा स्त्रीलिंग हैं, इसलिए उसे लंबे केशों वाली महिला के रूप में अंकित किया जाता है। देवी के रूप में गंगा उन सबके पाप धो देती है जो इतने भाग्यशाली हों कि उनकी भस्म उसके पवित्र जल में प्रवाहित की जाए। ब्रह्मवैवर्त पुराण में गंगा को संबोधित करने वाले एक पद में स्वयं शिव कहते हैं– पृथ्वी पर लाखों जन्म–जन्मान्तर के दौरान एक पापी जो पाप के पहाड़ जुटा लेता है, गंगा के एक पवित्र स्पर्श मात्र से लुप्त हो जाता है। जो भी व्यक्ति इस पवित्र जल से आर्द्र हवा में साँस भी ले लेगा, वह निष्कलंक हो जाएगा। विश्वास किया जाता है कि गंगा के दिव्य शरीर के स्पर्श मात्र से हर व्यक्ति पवित्र हो जाता है। भारतीय देवकथा में सर्वाधिक रंगीन कहानियाँ हैं उन परिस्थितियों के बारे में जिनमें गंगा स्वर्गलोक से उतरकर पृथ्वी पर आई थीं।

एक समय कुछ राक्षस थे जो ब्राह्मण ऋषि–मुनियों को तंग करते थे और उनके भजन–पूजा में बाधा डाला करते थे। जब उनका पीछा किया जाता था तो वे समुद्र में छिप जाते थे, मगर रात में फिर आकर सताया करते थे। एक बार ऋषियों ने ऋषि अगस्त्य से प्रार्थना की कि वे उनको राक्षसी प्रलोभन की यातना से मुक्त करें। उनकी सहायता के उद्देश्य से अगस्त्य ऋषि राक्षसों समेत समुद्र को पी गए। इस प्रकार उन राक्षसों का अंत हो गया किंतु पृथ्वी जल से शून्य हो गई। तब मनुष्यों ने एक और ऋषि भगीरथ से प्रार्थना की कि वे सूखे की विपदा से उन्हें छुटकारा दिलाएँ। इतना बड़ा वरदान पाने के योग्य बनने के लिए भगीरथ ने तपस्या करने में एक हजार वर्ष बिता दिए और फिर ब्रह्मा के पास गए और उनसे प्रार्थना की कि वे स्वर्गलोक की नदी गंगा को– जो आकाश की नक्षत्र धाराओं में से एक थी– पृथ्वी पर उतार दें। भगीरथ की तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्मा ने यथाशक्ति प्रयत्न करने का वचन दिया और कहा कि वे इस मामले में शिव से सहायता माँगेंगे। उन्होंने समझाया कि अगर स्वर्गलोक की वह महान नदी अपने पूरे वेग और समस्त जल के भार के साथ पृथ्वी पर गिरी तो भूकंप आ जाएँगे और उसके फलस्वरूप बहुत विध्वंस होगा। अतः किसी को उसके गिरने का आघात सहकर उसका धक्का कम करना होगा और यह काम शिव के अतिरिक्त और कोई नहीं कर सकता। भगीरथ उपवास और प्रार्थनाएँ करते रहे। समय आने पर शिव पसीजे। उन्होंने गंगा को अपनी धारा पृथ्वी पर गिराने दी और उसके आघात को कम करने के लिए उन्होंने पृथ्वी और आकाश के बीच अपना सिर रख दिया। स्वर्गलोक का जल तब उनके केशों से होकर हिमालय में बड़े सुचारु रूप से बहने लगा और वहाँ से भारतीय मैदानों में पहुँचा जहाँ वह समृद्धि, स्वर्गलोक के आशीर्वाद और पापों से मुक्ति लेकर आया।

कुछ आसान और अचूक टोटके

समय की कमी और भागदोड़ से भरी जिंदगी ने आज इंसान को हेरान परेशान कर रखा है। यहां हम जिन टोटकों यानि कि युक्तियों को दे रहें हैं वे ऐसी ही अद्भुत और कारगर युक्तियां हैं। ये तुलसी रामायण के प्रामाणिक और शक्ति सम्पन्न अंस हैं। जिनको सूर्योदय से पूर्व पूर्ण शांत एवं पूर्ण एकांत स्थान पर मात्र 15 मिनिट मंत्र की तरह जपने से इच्छित मनोकामना अवश्य पूर्ण होती है।

- धन–समृद्धि की वृद्धि के लिये – जे सकाम नर सुनहिं जे गावहिं, सुख सम्पति नाना विधि पावहिं ।
- मुकद्दमा जीतने के लिये – पवन तनय बल पवन समाना, बुद्धि विवेक विज्ञान निधाना ।
- पुत्र प्राप्ति के लिये – प्रेम मगन कोशल्या निशिदिनि जात न जान, पुत्र सनेह बस माता बालचरित कर गान ।

कौन थीं कृष्ण की 16108 रानियां ?

श्रीकृष्ण का नाम आते ही हमारे मन असीम प्रेम उमड़ता है। सभी जानते हैं कि असंख्य गोपियां थी जो श्रीकृष्ण से अनन्य प्रेम करती थीं। परंतु उनकी शादी श्रीकृष्ण से नहीं हो सकी। श्रीकृष्ण की प्रमुख पटरानी रुकमणी पटरानी रुकमणी सहित उनकी 8 पटरानियां एवं 16100 रानियां थीं। कुछ विद्वानों का यह मत है कि कृष्ण की प्रमुख रानियां तो आठ ही थीं, शेष 16,100 रानियां प्रतीकात्मक थीं। इन्हें वेदों की ऋचाएं माना गया है। ऐसा माना जाता है चारों वेदों में कुल एक लाख श्लोक हैं। इनमें से 80 हजार श्लोक यज्ञ के हैं, चार हजार श्लोक पराशक्तियों के हैं। शेष 16 हजार श्लोक ही गृहस्थों या आम लोगों के उपयोग के अर्थात भक्ति के हैं। इन श्लोकों को ऋचाएं कहा गया है, ये ऋचाएं ही भगवान कृष्ण की पत्नियां थीं। श्रीकृष्ण की प्रत्येक रानी से 10–10 पुत्र एवं प्रत्येक रानी से 1–1 पुत्री का जन्म हुआ।

क्या है कृष्ण की रासलीला का सच ?

कुछ लोग अपने आपको कृष्ण भक्त या कृष्ण के अनुयाई बताकर चेहरे पर बड़े गर्व के भाव व्यक्त करते हुए घूमते हैं। यदि उनसे पूछा जाए कि क्या है कृष्ण का मतलब ? क्या था कृष्ण का व्यक्तित्व, और क्या क हते हैं कृष्ण अपनी गीता में क्या रसिया कृष्ण की गीता में रासलीला का बड़ा ही सुन्दर वर्णन आया है इतना पूछने पर, अपने आप को कृष्ण का अनुयाई कहने वाले ये तथाकथित कृष्ण भक्त खिसियाकर बगलें झांकने लगते हैं।

वास्तविकता यह है कि रास शब्द रस से ही बना है। जबकि रस शब्द का अर्थ है आनंद। आगे चलकर हम देखते हैं कि संगीत के साथ किये जाने वाले नृत्य को ही काव्य अथवा साहित्य में रास संज्ञा से सूचित किया जाने लगा। पता नहीं रासलीला को लेकर समाज में यह गलत मान्यता कैसे प्रचलित हो गई। संस्कृत कवि जयदेव ने अपने काव्य में कृष्ण को नायक बनाकर कई श्रृंगारिक गीतों की रचना की जो कि पूरी तरह काल्पनिक एवं मनगढ़ंत हैं। जयदेव की परंपरा को ही बाद में विद्यापति....से लेकर सूरदास ने आगे बढ़ाया।

नौ वर्ष के कृष्ण– एक अति महत्वपूर्ण बात और भी है जिससे बहुत कम ही लोग परिचित हैं। वह यह है कि जब कृष्ण ने हमेशा–हमेशा के लिये गोकुल–वृंदावन छोड़ा तब उनकी उम्र मात्र नौ वर्ष की थी। इससे यह तो स्पष्ट ही है कि कृष्ण जब गोप–गोपिकाओं के साथ गौकुल–वृंदावन में थे तब नौ वर्ष से भी छोटे रहे होगें। अति मनोहर रूप, बांसुरी बजाने में अत्यंत निपुण, अवतारी आत्मा होने के कारण जन्मजात प्रतिभाशाली आदि तमाम बातों के कारण वे आसपास के पूरे क्षेत्र में अत्यंत् लोकप्रिय थे। नौ वर्ष के बालक का गोपियों के साथ नृत्य करना एक विशुद्ध प्रेम और आनंद का ही विषय हो सकता है। अत कृष्ण रास को शारीरिक धरातल पर लाकर उसमें मोजमस्ती या भोग विलास जेसा कुछ ढूंढना इंसान की स्यवं की फितरत पर निर्भर करता है। कृष्ण के प्रति कोई राय बनाने से पूर्व इंसान को गीता को समझना होगा क्योंकि उसके बिना कोई कृष्ण को वास्तविक रूप में समझ ही नहीं पाएगा।

एक्शन सीन की शूटिंग के दौरान घायल हुईं अदा शर्मा

फिल्म अभिनेत्री अदा शर्मा अपनी आने वाली फिल्म की शूटिंग के दौरान घायल हो गईं। एक्शन-थ्रिलर फिल्म की शूटिंग के दौरान उनकी नाक पर गंभीर चोट लगी है। 'द केरल स्टोरी' फेम अदा ने बताया कि यह चोट एक एक्शन सीन की शूटिंग के दौरान लगी। फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि अदा इस फिल्म में जोरदार एक्शन सीक्वेंस करती नजर आएंगी। यह हादसा एक स्टंट रिहर्सल के दौरान हुआ। 'कमांडो 2' और 'कमांडो 3' में अपने शानदार एक्शन के बाद, अदा इस नई फिल्म में एक्शन का स्तर और ऊंचा करने वाली हैं। चोट के बावजूद, अदा ने अपने जज्बे को बनाए रखा और कहा, दर्द अस्थायी है, लेकिन सिनेमा हमेशा चलता रहेगा। अब मैं एक एक्शन हीरोइन जैसी दिखती हूं। जिस रात मुझे चोट लगी, अगले दिन मैं एक रोमांटिक म्यूजिक वीडियो की शूटिंग कर रही थी। शूटिंग के बीच में सूजन कम करने के लिए आइस पैक का इस्तेमाल कर रही थी और मेकअप की मदद से चोट को छिपाया गया। अदा की अपकमिंग एक्शन-थ्रिलर के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। इसके अलावा, अभिनेत्री तीन भाषाओं में बनी फिल्म में 'देवी' की भूमिका निभाती नजर आएंगी, जिसकी तैयारी उन्होंने पूरी कर ली है। फिल्म का निर्देशन बीएम गिरिराज कर रहे हैं। अदा के पास 'रीता सान्याल सीजन 2' और एक अनटाइटल्ड हॉरर फिल्म भी है, जिसमें वह लीड रोल में नजर आएंगी। अदा ने अपनी भूमिकाओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के बारे में बताया, मुझे इतने शानदार किरदार निभाने और प्रतिभाशाली फिल्म मेकर्स के साथ काम करने का मौका मिला, मैं बहुत लकी हूं। चाहे वह 'द केरल स्टोरी' जैसी कहानियां हों या 'रीता सान्याल' जैसे किरदार, मैं इन्हें और भी वास्तविक और प्रामाणिक बनाने की कोशिश करती हूं।

पुरी जगन्नाथ की फिल्म में विजय सेतुपति के साथ दिखेंगी संयुक्ता

निर्देशक पुरी जगन्नाथ की बहुप्रतीक्षित अपकमिंग फिल्म की शूटिंग अब जुलाई के पहले सप्ताह से शुरू होगी। फिल्म में अभिनेता विजय सेतुपति मुख्य भूमिका में हैं। पुरी जगन्नाथ की इस महत्वाकांक्षी फिल्म को लेकर प्रशंसकों और सिने प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह है। पहले यह शूटिंग जून के आखिरी सप्ताह में शुरू होने वाली थी, लेकिन अब इसे जुलाई के पहले सप्ताह में शुरू करने का फैसला लिया गया है। फिल्म की शूटिंग के पहले शेड्यूल में विजय सेतुपति के साथ अन्य एक्टर्स भी नजर आएंगे। यह फिल्म पुरी जगन्नाथ के प्रोडक्शन हाउस पुरी कनेक्ट्स के बैनर तले बन रही है, जिसे चार्मी कौर प्रस्तुत कर रही हैं। इसके साथ ही जेबी मोशन पिक्चर्स और जेबी नारायण राव कोंड्रोल्ला के सहयोग से फिल्म की भव्यता को और बढ़ाया जाएगा।

फिल्म में अभिनेत्री संयुक्ता, विजय सेतुपति के साथ मुख्य भूमिका में दिखेंगी, जबकि तब्बू और विजय कुमार महत्वपूर्ण किरदारों में नजर आएंगे। सूत्रों के अनुसार, संयुक्ता का किरदार कहानी में महत्वपूर्ण होगा। वह शानदार अंदाज में फिल्म में दिखेंगी। संयुक्ता इस कहानी और अपने किरदार को लेकर बेहद उत्साहित हैं।

पहले शेड्यूल के लिए हैदराबाद और चेन्नई में लोकेशन की खोज पूरी हो चुकी है। यह पैन-इंडिया फिल्म हिंदी के साथ तेलुगू, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषा में रिलीज होगी। पुरी जगन्नाथ अपनी शानदार कहानी कहने की शैली के लिए जाने जाते हैं। इस फिल्म में वह विजय सेतुपति की प्रभावशाली स्क्रीन प्रेजेंस के साथ अपने खास अंदाज को पेश करेंगे। यह फिल्म एक कमर्शियल एंटरटेनर फिल्म होगी, जिसमें अनूठी कहानी और पुरी के खास निर्देशन का मिश्रण होगा। सभी प्री-प्रोडक्शन तैयारियां हो चुकी हैं। फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू होने वाली है। पुरी जगन्नाथ साउथ फिल्म इंडस्ट्री के सफल निर्देशक हैं, जो तेलुगू फिल्म बदरी, इत्लु श्रावणी सुब्रमण्यम, अप्पू, इडियट, देसमुदुरु, बिजनेसमैन, और पोकरी जैसी सफल फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं।

तेजस्वी के साथ रिश्ते में दरार की अफवाहों पर करण ने दिया जवाब

करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश चार साल से रिलेशनशिप में हैं। कपल की मुलाकात रियलिटी शो बिग बॉस 15 में हुई थी। तब से दोनों को कई मौकों पर साथ देखा गया है। मगर कुछ यूट्यूब चैनल की तरफ से ऐसा दावा किया गया कि दोनों का रिश्ता फर्जी है। कुछ में कहा गया कि रिश्ते में दरार आ गई है। ऐसी अफवाहों पर करण कुंद्रा ने प्रतिक्रिया दी है।

फेक रिलेशनशिप की खबरों को बताया फर्जी

करण कुंद्रा पर अपनी एक्स गर्लफ्रेंड अनुषा दांडेकर को धोखा देने का आरोप भी लगाया है। इस तरह की खबरों और दावों पर रिएक्ट करते हुए करण ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक स्क्रीनशॉट शेयर किया है। उन्होंने फर्जी खबरें प्रसारित करने वाले यूट्यूब चैनल को आड़े हाथों लिया है। करण कुंद्रा कुछ यूट्यूब वीडियोज के स्क्रीनशॉट्स शेयर करते हुए लिखा है, थोड़ा और पैसा लगाओ मेरे शुभचिंतकों, दाल गल नहीं रही तुम्हारी।

गो फंड मी स्थापित करने पर विचार कर रहा हूं

करण कुंद्रा ने एक्स पर भी कई नेटिजन्स को जवाब दिए हैं। एक को जवाब देते हुए उन्होंने लिखा है, इन लोगों के लिए एक गो फंड मी स्थापित करने के बारे में सोच रहा हूं, क्योंकि बेचारे कम बजट वाले पेजों को ही भुगतान कर रहे हैं दुखद। करण के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे कुकिंग-रियलिटी शो लाफ्टर शेफ्स सीजन 2 में नजर आ रहे हैं। इसमें उनके पार्टनर एल्विश यादव हैं।

ये मीडिया पेज नहीं

करण कुंद्रा का कहना है कि उनके खिलाफ चल रही ऐसी खबरें पेड हैं। इसके अलावा एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर कुछ नेटिजन्स को जवाब देते हुए यह भी स्पष्ट किया है कि ऐसी खबरें प्रसारित करने वाले मीडिया पेज नहीं हैं, बल्कि ये यूट्यूब चैनल हैं, जो सिर्फ पैसे के लिए झूठी खबरें फैला रहे हैं। करण कुंद्रा ने कहा, ये मीडिया पेज नहीं हैं। ये पेज पैसे के लिए ऐसा करते हैं।

टीवी इंडस्ट्री में बदल रही महिलाओं की स्थिति सराहनीय

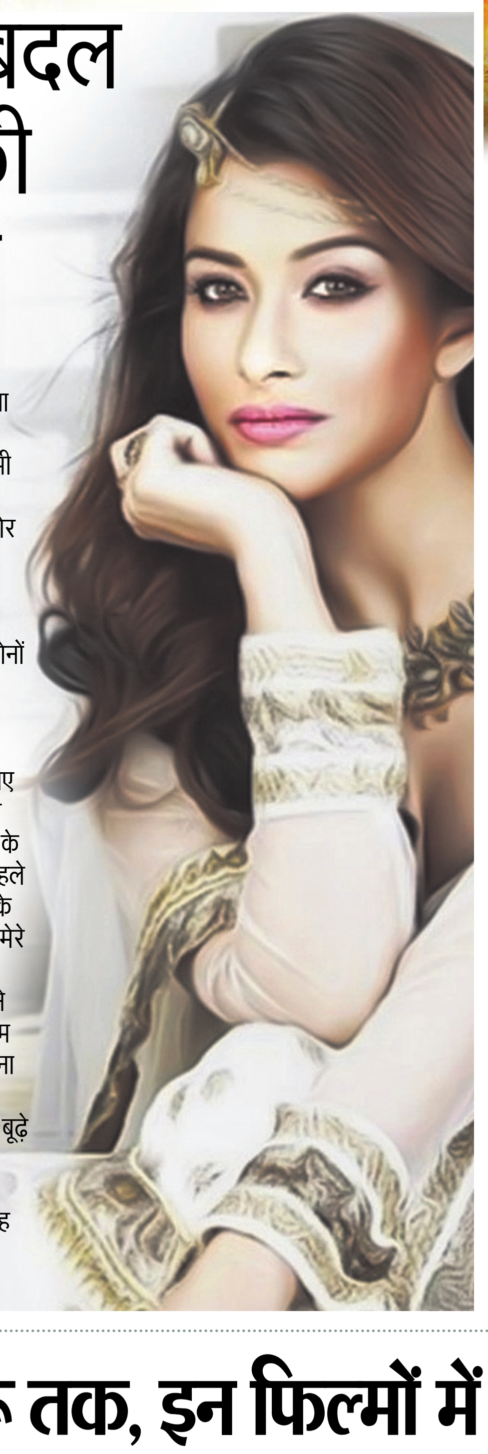

टेलीविजन अभिनेत्री नायरा बनर्जी ने छोटे पर्दे पर जेंडर भेदभाव से परे भूमिकाओं के बदलते स्वरूप पर बात की। उन्होंने महिला-केंद्रित शो की बढ़ती लोकप्रियता की सराहना की। हालांकि, अभिनेत्री का मानना है कि वास्तविक रूप से जिंदगी के गाड़ी के ये दोनों पहिए जरूरी हैं। समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में नायरा ने कहा, सच्ची कहानियां दोनों जेंडर की भावनाओं को दिखाती हैं, क्योंकि परिवार और अच्छी कहानियां साझा अनुभवों पर बनती हैं। उन्होंने बताया, पहले फिल्मों में महिलाएं सिर्फ सजावटी किरदार थीं। अब टीवी पर स्थिति उलट है, महिलाएं मुख्य भूमिकाओं में हैं और पुरुष पृष्ठभूमि में। मुझे लगता है कि दोनों को बराबर महत्व मिलना चाहिए। परिवार जोड़ों से बनते हैं और दोनों की भावनाएं मायने रखती हैं। टीवी भले ही महिलाओं को ज्यादा तवज्जो देता हो, लेकिन वास्तविक कहानियों में दोनों का योगदान जरूरी है। नायरा ने अपने नए म्यूजिक वीडियो 'मैं तेरी हूं' के बारे में भी बताया। इस गाने को अहान ने गाया और लिखा है। नायरा ने कहा, इस गाने के बोल 'मैं तेरी हूं' ने मुझे बहुत प्रभावित किया। छह महीने पहले मैंने इसे सुना और तुरंत पसंद कर लिया, लेकिन व्यस्तता के कारण शूटिंग नहीं कर पाई। बाद में जब यह गाना फिर से मेरे पास आया, मैंने तुरंत हामी भर दी। 'दिव्या दृष्टि' फेम अभिनेत्री ने सच्चे प्यार की परिभाषा पर भी बात की। उन्होंने कहा, आज के भावनात्मक रूप से नाजुक दौर में आत्म-प्रेम सबसे जरूरी है। मानसिक और शारीरिक शांति बनाए रखना महत्वपूर्ण है। मुझे प्यार और शादी का विचार पसंद है। दो लोग मिलकर जिंदगी बनाएं और दोस्तों की तरह एक साथ बूढ़े हों। मुझे उम्मीद है कि ऐसा प्यार आज भी मौजूद है। अभिनय करियर की बात करें तो नायरा ने 'दिव्या दृष्टि' में मुख्य भूमिका से लोकप्रियता हासिल की। इसके अलावा, वह 'फियर फैक्टर- खतरों के खिलाड़ी 13' और 'बिग बॉस 18' में भी अपनी मौजूदगी दर्ज करवा चुकी हैं।

धनुष-कृति सेनन स्टारर तेरे इश्क़ में... की शूटिंग पूरी

आनंद एल राय द्वारा निर्देशित और धनुष व कृति सेनन अभिनीत बहुप्रतीक्षित फिल्म तेरे इश्क़ में की शूटिंग अब सफलतापूर्वक पूरी हो चुकी है। इस फिल्म का निर्माण आनंद एल राय, हिमांशु शर्मा और भूषण कुमार ने किया है, और इसके भावनात्मक कहानी व नई ऑन-स्क्रीन जोड़ी को लेकर दर्शकों में पहले से ही जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। अभिनेता धनुष ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर यह रोमांचक अपडेट साझा करते हुए फैंस के साथ अपनी खुशी जाहिर की। यह घोषणा उन अटकलों को खत्म करती है जो फिल्म के निर्माण की स्थिति के बारे में चल रही थीं। आनंद एल राय के सिग्नेचर स्टोरीटेलिंग स्टाइल के साथ तेरे इश्क़ में एक गहराई से भरी और भावनात्मक सिनेमाई यात्रा होने का वादा करती है। यह फिल्म दर्शकों को प्यार, रिश्ते और मानवीय भावनाओं के जटिल ताने-बाने को एक नए दृष्टिकोण से दिखाएगी। गुलशन कुमार और टी-सीरीज़ के साथ-साथ कलर येलो प्रस्तुत करते हैं तेरे इश्क़ में। फिल्म को आनंद एल राय और हिमांशु शर्मा ने प्रोड्यूस किया है, जबकि भूषण कुमार और कृष्ण कुमार सह-निर्माता हैं। आनंद एल राय द्वारा निर्देशित इस फिल्म की पटकथा हिमांशु शर्मा ने लिखी है। धनुष और कृति सेनन द्वारा अभिनीत यह फिल्म 28 नवंबर 2025 को हिंदी और तमिल दोनों भाषाओं में दुनिया भर के सिनेमाघरों में एक साथ रिलीज होने वाली है।

धूम से लेकर गुरू तक, इन फिल्मों में शानदार अभिनय के लिए मशहूर हैं अभिषेक बच्चन

30 जून 2000 में अभिषेक बच्चन ने बॉलीवुड की दुनिया में डेब्यू किया था। उनकी पहली फिल्म रिफ्यूजी थी, जिसकी आज सिल्वर जुबली मनाई जा रही है। इस फिल्म में अभिनेता की एक्टिंग को काफी सराहना मिली थी। अभी तक के करियर में अभिषेक बच्चन ने कई फिल्मों में शानदार काम किया है। इसके अलावा आजकल अभिनेता अपनी आगामी फिल्म कालीधर लापता से भी चर्चा में हैं, जो 4 जुलाई को जी5 पर रिलीज होने वाली है। चलिए जानते हैं उनकी जबरदस्त फिल्मों के बारे में।

युवा

मणिरत्नम के निर्देशन में साल 2004 में एक क्राइम थ्रिलर फिल्म आई युवा। इसमें अभिषेक बच्चन ने लल्लन सिंह की भूमिका निभाई थी, जो एक षणयंत्र में फंस जाते हैं। फिल्म में अभिनेता के अलावा अजय देवगन, करीना कपूर खान और विवेक ओबरॉय जैसे कलाकार भी मुख्य भूमिका में थे।

गुरू

साल 2007 में मणिरत्नम के निर्देशन में एक फिल्म रिलीज हुई गुरू। इस फिल्म में अभिषेक बच्चन के साथ ऐश्वर्या राय बच्चन, मिथुन चक्रवर्ती, आर माधवन और विद्या बालन नजर आए थे। फिल्म की कहानी की बात करें तो इसमें दिखाया जाता है कि बेहद ही सरल और सामान्य आदमी मुंबई आता है और वो बहुत बड़ा उद्योगपति बन जाता है। इसमें अभिषेक बच्चन ने शानदार अभिनय किया था।

मनमर्जियां

अभिषेक बच्चन अभिनीत मनमर्जियां साल 2016 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म की कहानी रोमांटिक-ड्रामा जॉनर की थी। इसमें अभिनेता ने बॉबी भाटिया का किरदार निभाया था। फिल्म का निर्देशन अनुराग कश्यप ने किया था। मनमर्जियां में अभिषेक बच्चन के अलावा विक्की कौशल, तापसी पन्नू जैसे कलाकार मौजूद थे।

पा

आर बाल्की के निर्देशन मे साल 2009 में पा फिल्म रिलीज हुई थी। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन और अभिषेक बच्चन नजर आए थे। फिल्म में असल जिंदगी से उलट अभिषेक बच्चन, बिग बी के पिता बने थे और अमिताभ बच्चन उनके बेटे के रोल में नजर आए थे। इस फिल्म ने काफी सुर्खियां बटोरी थीं।

रिद्धि डोगरा ने दिया जीवन का मूल मंत्र, बोलीं- 'दिखावे में अपने जड़ों को ना भूलें'

बॉलीवुड अभिनेत्री रिद्धि डोगरा ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। शेयर की गई तस्वीरों में एक्ट्रेस मॉडर्न ऑफ शोल्डर ड्रेस पहने नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस बेहद ही कूल अंदाज में पोज देकर फोटोज क्लिक करा रही हैं। इस तस्वीर में अभिनेत्री हंसती-खिलखिलाती हुई पलों को एंजाय करती दिख रही हैं। अगर इसकी बात करें तो इसमें अभिनेत्री ने लिखा कि आप अपने जिंदगी को खुलकर जिएं, जो आप हैं उसी तरह। बहुत दिखावटी में ना जिएं। इसके अलावा अभिनेत्री ने पोस्ट के साथ कैप्शन में दिया है। उन्होंने कहा कि आप अपने मूल का ना भूलें, क्योंकि वही आपके लिए सबसे बड़ा उपहार है। इसके साथ ही आपको मिली एक-एक सांस बहुत कीमती है, उसका आनंद लें। रिद्धि डोगरा के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्हें आखिरी बार द साबरमती रिपोर्ट में देखा गया था।

बर्मिंघम में जेमी स्मिथ ने बल्ले से मचाई तबाही, वनडे की तरह टेस्ट में सेंचुरी ठोक कर बनाया दिया ये रिकॉर्ड

लंदन (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच बर्मिंघम में दूसरा टेस्ट मैच खेला जा रहा है। जहां इस मैच के तीसरे दिन मोहम्मद सिराज ने भारतीय टीम को कमाल की शुरुआत दिलाई। सिराज ने इंग्लैंड के लगातार 2 बल्लेबाजों को आउट कर टीम को बेहतरीन शुरुआत दिलाई। लेकिन इसके बाद इंग्लैंड के विकेटकीपर जेमी स्मिथ ने भारतीय गेंदबाजों के फीते खोल दिए। जेमी ने इस मैच में इंग्लैंड की वापसी कराते हुए एक बेहतरीन शतक लगाया। जेमी स्मिथ ने सिर्फ 80 गेंदों में अपना शतक ठोका।

भारतीय टीम के गेंदबाजों पर जेमी स्मिथ ने गजब का हमला बोला। जेमी स्मिथ ने 80 गेंदों पर शतक पूरा करते हुए टीम इंडिया को प्रेशर में डाल दिया। स्मिथ ने अपनी पारी में 14 चौके और 3 छक्के लगाए हैं। उन्होंने अपना शतक बी रविंद्र जडेजा की लगातार दो गेंदों पर दो चौके जड़कर पूरा किया। वहीं वह इंग्लैंड के लिए तीसरा सबसे तेज शतक टेस्ट क्रिकेट में जड़ने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।

दाएं हाथ के बल्लेबाज जैमी स्मिथ ने 80 गेंदों में 14 चौके और 3 छक्कों की मदद से अपना शतक पूरा किया। उनका स्ट्राइक रेट 126.25 का था। वे इंग्लैंड के संयुक्त रूप से तीसरे ऐसे बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने 80 या इससे कम गेंदों में शतक ठोका है। उनसे पहले हैरी ब्रूक, जॉनी बेयरस्टो और गिलबर्ट जेसोप ने 80 या इससे कम गेंदों में शतक इंग्लैंड के लिए जड़ा है। बेन स्टोक्स पांचवें नंबर पर हैं।

एशियाई युवा एवं जूनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप : भारत की पुंगनी तारा ने जीता रजत पदक

अस्ताना (कजाकिस्तान) (एजेंसी)। भारत की पुंगनी तारा ने शुक्रवार को 2025 एशियाई युवा एवं जूनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप 2025 के पहले दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए 44 किलोग्राम भार वर्ग (युवा बालिका) में रजत पदक जीता।

पुंगनी ने कुल 141 किलोग्राम वजन उठाया। उनके व्यक्तिगत भारोत्तोलनों में 60 किलोग्राम स्नैच, 81 किलोग्राम क्लीन एंड जर्क शामिल थे, जिससे उनका उठाया कुल वजन 141 किलोग्राम हो गया। इस प्रदर्शन के साथ, फुंगनी ने क्लीन एंड जर्क में स्वर्ण पदक और कुल भारोत्तोलन में रजत पदक हासिल किया।

भारतीय भारोत्तोलन महासंघ के अध्यक्ष सहदेव यादव ने पुंगनी को बधाई दी। उन्होंने कहा, 'मैं इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए पुंगनी तारा को हार्दिक बधाई देता हूं और सभी कोचों और सहयोगी स्टाफ को उनके अथक प्रयासों के लिए बधाई देता हूं। यह परिणाम हमारे एथलीटों के समर्पण और हमारी कोचिंग टीम की कड़ी मेहनत का प्रमाण है, खासकर सीमित तैयारी के समय को देखते हुए। इस सफलता से चैंपियनशिप में भारतीय दल के लिए एक प्रेरक शुरुआत हो।

148 सालों में सबसे खराब गेंदबाज ! प्रसिद्ध कृष्णा ने भारत बनाम इंग्लैंड मैच में बनाया शर्मनाक रिकॉर्ड

लंदन (एजेंसी)। प्रसिद्ध कृष्णा के इंग्लैंड के खिलाफ काफी उम्मीदे थें। लेकिन वह मौजूदा टेस्ट सीरीज में इन उम्मीदों पर खर नहीं उतर रहे हैं। एजबेस्टन टेस्ट की पहली पारी में अपने खराब प्रदर्शन के साथ प्रसिद्ध के नाम एक शर्मनाक रिकॉर्ड जुड़ गया है। वह टेस्ट क्रिकेट के 148 वर्ष के इतिहास में सबसे खराब इकॉनमी रेट वाले गेंदबाज बन गए हैं।

वर्तमान में टेस्ट में प्रसिद्ध का इकॉनमी रेट 5.26 है, जो लगातार लाइन और लेंथ पर गेंदबाजी करने और विरोधियों को मुफ्त में मौका देने में उनकी अक्षमता को दर्शाता है। सोशल मीडिया पोस्ट के अनुसार प्रसिद्ध के नाम अब टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे खराब इकॉनमी रेट (न्यूनतम 500 गेंद) का रिकॉर्ड है। प्रसिद्ध ने अपने टेस्ट करियर में प्रति ओवर पांच से ज़्यादा रन दिए हैं।

वहीं इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट की बात करें तो उन्होंने 12 ओवर में 71 रन लुटाए हैं और एक भी विकेट नहीं ले पाए हैं। इस दौरान उन्होंने केवल एक ओवर ही खाली फेंका। ऐसे में इस मैच में ही उनका इकोनॉमी रेट 5.90 हो गया है। इससे पहले बांग्लादेश के शहादत हुसैन के नाम यह रिकॉर्ड था, जिन्होंने 38 मैचों में 4.16 की इकॉनमी रेट से 3,731 रन दिए थे। हुसैन ने 2005 से 2015 के बीच बांग्लादेश का प्रतिनिधित्व किया था।

मैच की बात करें तो एक समय 84 रन पर 5 विकेट गंवाने वाली इंग्लैंड टीम अब काफी मजबूत नजर आती है जिसने जेमी स्मिथ और हैरी ब्रूक के शतकों की बदौलत 290/5 का स्कोर बना लिया है। भारत ने अपनी पहली पारी में 587 रन बनाए जिसमें शुभमन गिल के दोरहे शतक (269) के साथ-साथ यशस्वी जायसवाल (87) और रविंद्र जडेजा (89) की पारियों ने भी इस स्कोर तक पहुंचने में मदद की।

बांग्लादेश में वनडे और टी20 सीरीज नहीं खेलेगी भारतीय टीम !, सरकार ने वहां न जाने की सलाह दी

लंदन (एजेंसी)। नई दिल्ली ~भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के सूत्रों के अनुसार अगस्त में होने वाला भारत का बांग्लादेश दौरा पिछले कुछ महीनों में देश में व्याप्त स्थिति के कारण रद्द होने की संभावना है। भारत को 17 अगस्त से तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला खेलनी है जिसके बाद 26 अगस्त से तीन मैचों की टी20आई श्रृंखला खेली जाएगी।

भारत के बांग्लादेश दौरे के बारे में बात करते हुए BCCI के एक सूत्र ने बताया, 'भारत का बांग्लादेश दौरा रद्द होने की संभावना है, क्योंकि सरकार ने BCCI को वहां न जाने की सलाह दी है क्योंकि वहां स्थिति ठीक नहीं है। इस बारे में आधिकारिक घोषणा जल्द ही की जाएगी।' भारत ने आखिरी बार 2024 में बांग्लादेश का दौरा किया था, जहां दोनों टीमों ने तीन मैचों की टी20आई (3-0) और दो मैचों की टेस्ट सीरीज (2-0) में एक-दूसरे के खिलाफ मुकाबला खेला था। मेहमान टीम ने बांग्लादेश टाइगर्स पर क्लीन स्वीप दर्ज की क्योंकि उन्होंने दौरे पर एक भी मैच नहीं गंवाया। इससे पहले भारत ने ढाका में दुर्गा मंदिर के विध्वंस की निंदा की थी और मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार की भूमिका की आलोचना की थी।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, 'हमें पता चला है कि चरमपंथी खिलखेत, ढाका में दुर्गा मंदिर के विध्वंस के लिए शोर मचा रहे थे। अंतरिम सरकार ने मंदिर को सुरक्षा प्रदान करने के बजाय इस घटना को अवैध भूमि उपयोग के रूप में पेश किया और मंदिर को नष्ट होने दिया। इसके परिणामस्वरूप देवता को स्थानांतरित करने से पहले ही नुकसान पहुंचा है। हम इस बात से निराश हैं कि बांग्लादेश में ऐसी घटनाएं बार-बार हो रही हैं। मैं इस बात पर जोर देना चाहता हूं कि हिंदुओं, उनकी संपत्तियों और धार्मिक संस्थानों की सुरक्षा करना बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की जिम्मेदारी है।'

इससे पहले मई में भारत ने बांग्लादेश के अंतरिम मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस की विवादास्पद टिप्पणियों के बाद अपने पूर्वोत्तर भूमि बंदरगाहों असम, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम और पश्चिम बंगाल में फुलबारी और चंगराबांधा के माध्यम से बांग्लादेशी रेडीमेड गारमेंट्स (आरएमजी) और अन्य उत्पादों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया था।

चीन में एक भाषण के दौरान बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार यूनुस ने भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को 'समुद्र तक पहुंच नहीं रखने वाले भूमि से घिरे क्षेत्र' के रूप में वर्णित किया था। इस टिप्पणी ने कूटनीतिक घर्षण को जन्म दिया है, भारतीय अधिकारियों ने इसे क्षेत्र की कनेक्टिविटी और स्थिति को कमजोर करने के रूप में देखा है। नए प्रतिबंधों ने बांग्लादेश को रेडीमेड गारमेंट्स (आरएमजी), प्लास्टिक, मेलामाइन, फर्नीचर, जूस, कार्बोनेटेड पेय, बेकरी आइटम, कन्फेक्शनरी और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों सहित निर्यात को पश्चिम बंगाल में कोलकाता बंदरगाह या महाराष्ट्र में न्हावा शेवा बंदरगाह के माध्यम से पुनर्निर्देशित करने के लिए मजबूर किया है जिससे रसद लागत बढ़ गई है।

नोवाक जोकोविच ने जीत के साथ विंबलडन में बनाया एक और रिकॉर्ड

लंदन (एजेंसी) । नोवाक जोकोविच ने बुधवार को सेंटर कोर्ट पर डैन इवांस पर 6-3, 6-2, 6-0 की जीत के साथ 19वीं बार विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के तीसरे दौर में पहुंचकर एक और रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया । जोकोविच ने विंबलडन में कुल मिलाकर 99वां मैच जीता और तीसरे दौर में 19वीं बार जगह बनाई जो ओपन युग में किसी पुरुष खिलाड़ी का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है । महान खिलाड़ी रोजर फेडरर ने 18 बार तीसरे दौर में प्रवेश किया था । हालांकि यह 38 वर्षीय जोकोविच के लिए शायद ही कोई प्रतिष्ठित रिकॉर्ड है जिनके नाम सात विंबलडन सहित कुल 24 ग्रैंड स्लैम खिताब हैं जो पुरुष खिलाड़ियों के बीच रिकॉर्ड है । जोकोविच ने कहा, '19 बार, यह एक शानदार आंकड़ा है । यह शायद (यानिक) सिनर और (कार्लोस) अल्कारेज की उम्र के बराबर है ।% पिछले दो विंबलडन फाइनल में जोकोविच को हराने वाले अल्कारेज 22 जबकि दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी सिनर 23 साल के हैं । महिल एकल में सातवीं वरीय मीरा आंद्रीवा और 10वीं वरीय ऐमा नवारो ने सीधे सेट में जीत दर्ज की । आंद्रीवा ने इटल की लूसिया ब्रोंजेटी को 6-1, 7-6 से हराया जबकि नवारो ने एकतरफा मुकाबले में वेरोनिका कुदरमेतोवा को 6-1, 6-2 से शिकस्त दी । विंबलडन 2022 चैंपियन एलेना रिबाकिना ने मारिया सकारी को 6-3, 6-1 से हराया । पुरुष एकल में एलेक्स डि मिनोर ने आर्थर केजॉक्स को 4-6, 6-2, 6-4, 6-0 से शिकस्त दी जबकि 19वें वरीय ग्रेगोर दिमित्रोव ने कोरेनटिन मोटेट को 7-5, 4-6, 7-5, 7-5 से हराया ।

डब्ल्यूटीसी में रोहित को पीछे छोड़ने शुभमन को चाहिये तीन शतक

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के नये टेस्ट कप्तान शुभमन गिल आजकल इंग्लैंड दौरे में छाये हुए हैं । शुभमन ने बर्मिंघम में दूसरे टेस्ट में भी शतक लगाया है । इससे उनके शतकों की संख्या अब सात हो गयी है । इस प्रकार देखा जाये तो शुभमन विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) में 7 शतकों के साथ ही सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीय खिलाड़ियों की सूची में दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं । डब्ल्यूटीसी में सबसे ज्यादा शतक भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के नाम है । रोहित ने इस चैंपियनशिप में कुल 9 शतक जड़े हैं । उन्होंने टेस्ट से संन्यास ले लिया है । वहीं शुभमन जिस प्रकार खेल रहे हैं उससे वह पांच टेस्ट मैचों की इस सीरीज में रोहित की बराबरी कर सकते हैं या उन्हें पीछे छोड़ सकते हैं । शुभमन अगर दो शतक लगा दें तो रोहित की बराबरी पर आ जाएंगे । वहीं तीन शतक से उन्हें पीछे छोड़ देंगे । भारत की ओर से ऋषभ पंत के नाम 6 हैं और वह तीसरे नंबर पर हैं । वहीं डब्ल्यूटीसी में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज की सूची में इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट 18 शतकों के साथ टॉप पर हैं । वहीं रूट के अलावा कोई बल्लेबाज अभी तक 15 शतक से आगे नहीं आ पाया है । वहीं 13 शतकों के साथ ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ दूसरे नंबर पर हैं । डब्ल्यूटीसी में सबसे अधिक शतक लगाने के मामले में रुट 18 शतक के साथ पहले । वहीं ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ 13 शतकों के साथ ही दूसरे व ऑस्ट्रेलिया के ही मार्नस लाबुशेन 11 शतक लगाकर तीसरे नंबर पर हैं । भारत के रोहित 9 शतक के साथ ही चौथे नंबर पर हैं जबकि श्रीलंका के डी सिल्वा 8 शतक सके साथ ही पांचवें नबर पर हैं । पाकिस्तान के बाबर आजम 8 शतक के साथ ही छठे जबकि ऑस्ट्रेलि के उस्मान ख्वाजा के भी 8 शतक हैं और वह भी छठे नंबर पर है ।

भारत-पाक तनावों के बीच क्या पाकिस्तान की टीम भारत खेलने आएगी या नहीं? पीसीबी का बयान आया सामने

जाग्रेब , क्रोसिया (एजेंसी)। पाकिस्तान की हॉकी टीमों का इस साल भारत में होने वाले दो बड़े टूर्नामेंटों में हिस्सा लेना अभी भी तय नहीं है। पाकिस्तान खेल बोर्ड (PSB) और पाकिस्तान हॉकी महासंघ (PHF) के वरिष्ठ अधिकारियों ने जानकारी दी है कि उन्हें अब तक सरकार से टूर्नामेंट में भाग लेने की इजाज़त नहीं मिली है।गौरतलब है कि इस साल एशिया कप का आयोजन बिहार के राजगीर में 27 अगस्त से 7 सितंबर तक होना है, जबकि जूनियर हॉकी विश्व कप 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में खेला जाएगा।

भारत के खेल मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा है कि पाकिस्तान की टीमों को इन बहुराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने से रोका नहीं जाएगा, क्योंकि ऐसा कोई भी फैसला ओलंपिक चार्टर का उल्लंघन माना जाएगा। यानी भारत की तरफ से पाकिस्तान की टीमों को आने से रोकने की कोई योजना नहीं है।

पाकिस्तान हॉकी महासंघ के महासचिव राणा मुजाहिद ने बताया कि उन्होंने आधिकारिक रूप से पाकिस्तान खेल बोर्ड (PSB) से भारत में टीम भेजने की मंजूरी मांगी है। लेकिन अब तक इस पर कोई जवाब नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि पीएसबी ने उनका अनुरोध आगे संबंधित मंत्रालयों को भेज दिया है।

पीएसबी के प्रवक्ता खुर्रम शहजाद ने भी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि जब तक सरकार भारत में टीम भेजने को लेकर कोई नीति नहीं बनाती, तब तक पाकिस्तान की भागीदारी को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकती। उन्होंने बताया कि पीएचएफ की तरफ से जो अनुरोध आया था, उसे अंतर-प्रांतीय समन्वय मंत्रालय को भेजा गया है, और वहां से यह मामला गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय के पास भेजा गया है। अब सभी को उनके अंतिम फैसले का इंतजार है। यानी फिलहाल पाकिस्तान की हॉकी टीमों की भारत यात्रा और टूर्नामेंट में भागीदारी पर संशय बना हुआ है, और सबकी नजर अब पाक सरकार के फैसले पर टिकी है।

'मुझे अब शतरंज खेलने में मजा नहीं आ रहा है', गुकेश से हारने के बाद बोले वर्ल्ड नम्बर 1 कार्लसन

जगरेब (क्रोसिया) । विश्व चैम्पियन डी गुकेश के खिलाफ लगातार दूसरी हार के बाद दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने कहा कि उन्हें अब शतरंज खेलने में मजा नहीं आ रहा है । भारत के 19 वर्ष के ग्रैंडमास्टर गुकेश ने पूर्व विश्व चैम्पियन को सुपर युनाइटेड रैपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट के रैपिड वर्ग में हराया । इससे पहले नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में उन्होंने क्लासिकल प्रारूप में मात दी थी । कार्लसन ने हार के बाद कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मुझे अब शतरंज खेलने में मजा नहीं आ रहा है । जब मैं खेल रहा हूं तो कोई प्रवाह नहीं लग रहा । मेरा खेल लगातार खराब हो रहा है ।' उन्होंने गुकेश के बारे में कहा, 'वह शानदार खेल रहा है । अभी टूर्नामेंट काफी लंबा है लेकिन लगातार पांच मैच जीतना कोई छोटी बात नहीं है ।' सुपरयूनाइटेड रैपिड के दूसरे दिन का समापन हो गया । गुकेश ने दिन की शुरुआत पहले उज्बेकिस्तान के अब्दुसत्तारोव को पराजित करते हुए की और उसके बाद उन्होने यूएसए के फबियानों करूआना को मात देते हुए लगातार दूसरी जीत से एकल बढ़त कायम कर ली । लेकिन इसके बाद सबसे बड़े मुकाबले में गुकेश ने विश्व के नंबर एक खिलाड़ी और पांच बार के विश्व चैम्पियन नॉर्वे के मैगनस कार्लसन के बीच मुकाबला हुआ जिसमें काले मोहरो से खेल रहे गुकेश एक समय इंग्लिश ओपनिंग मे मुश्किल मे नजर आ रहे थे पर कार्लसन की प्यादे की एक गलत चाल के बाद गुकेश नें बेहद शानदार खेल दिखाते हुए 49 चालों मे जीत दर्ज की । गुकेश की यह जीत इसीलिए भी खास है क्योंकि प्रतियोगिता के पहले कार्लसन नें गुकेश को रैपिड मे कमजोर खिलाड़ी करार दिया था । फिलहाल अब गुकेश 10 अंको के साथ सबसे आगे चल रहे है । गुकेश न केवल हर मैच में गहरी तैयारी और आत्मविश्वास दिखा रहे हैं बल्कि उन्होंने समय का भी बेहतरीन प्रबंधन किया है, जिससे उनके विरोधियों पर लगातार दबाव बना हुआ है । अब टूर्नामेंट में तीन राउंड बाकी हैं और गुकेश फिलहाल सभी को पछाड़ते हुए पहले स्थान पर काबिज हैं ।

वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया को दूसरे टेस्ट मैच में 286 रनों पर समेटा

-ख्वाजा ने पूरे किये 6000

सेंट जॉर्ज (एजेंसी)। अल्जारी जोसेफ की शानदार गेंदबाजी से वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया को दूसरे टेस्ट मैच में 286 रनों पर ही आउट कर दिया। इस मैच में मेहमान टीम ऑस्ट्रेलिया की ओर से केवल एलेक्स कैरी और बीयू वेबस्टर ही अर्धशतक लगा पाये। वहीं सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने इस मैच में 16 रन बनाने के साथ ही टेस्ट क्रिकेट में अपने 6000 रन पूरे कर लिए। वे ऐसा करने वाले ऑस्ट्रेलिया के 16वें बल्लेबाज हैं। ख्वाजा ने 83 टेस्ट की 149 पारियों में से रन बनाये हैं। वहीं स्टीव स्मिथ केवल 3 रन ही बना पाये।

बारिश से बाधित इस मैच में मेजबान गेंदबाज हावी रहे। अल्जारी ने 16 ओवर में 61 रन देकर 4 विकेट लिए। वहीं जेडन सील्स ने दो विकेट हासिल किये जबकि शमार जोसेफ, एंडरसन फिलिप और जस्टनी ग्रीव्स को एक-एक विकेट मिला।

बारिश से प्रभावित इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई शीर्ष बल्लेबजा विफल रहे। सलामी बल्लेबाज ओपनर सैम कांस्टास ने 25, उस्मान ख्वाजा ने 16 और कैमरन ग्रीन ने 26 रन बनाए। वहीं ट्रैविस हेड ने 29 रन बनाये। छठे नंबर पर उतरे बीयू वेबस्टर ने 60 रन की पारी खेलकर पारी संभाली। सातवें नंबर के उतरे एलेक्स कैरी ने 63 रन बनाये। इननों ने छठे विकेट के लिए 112 रन की साझेदारी कर ऑस्ट्रेलिया को 200 रन के पार पहुंचाया। कप्तान पैट कमिंस ने भी 17 रन जबकि. नाथन लायन ने 11 और जोश हेजलवुड ने 10 रन बनाए।

राष्ट्रपति ने डूरंड कप फुटबॉल 2025 ट्रॉफी का अनावरण करने के साथ ही खेलों का महत्व बताया

-अनुशासन, संकल्प और टीम भावना को मिलता है बढ़ावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज एक भव्य समारोह में डूरंड कप फुटबॉल प्रतियोगिता 2025 की ट्रॉफियों का अनावरण किया। राष्ट्रपति ने इस दौरान खेलों के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि इससे अनुशासन, संकल्प और टीम भावना को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने कहा कि खेलों में लोगों, क्षेत्रों और देशों को जोड़ने की ताकत है। इसी कारण हम इसे राष्ट्रीय एकीकरण का भी एक साधन मानते हैं। इसी कारण ओलंपिक या किसी भी अंतरराष्ट्रीय आयोजन में जब तिरंगा फहराया जाता है तो सभी नागरिक रोमांचित हो जाते हैं।

राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, डूरंड कप जैसे आयोजन न केवल खेल भावना को बढ़ावा देते हैं बल्कि इससे फुटबॉल खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी को विकसित करने के लिए भी एक मंच मिलता है। जिसपर खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर आगे बढ़ते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि फुटबॉल का लाखों लोगों के दिलों में एक विशेष स्थान है। यह सिर्फ एक खेल नहीं है; यह एक जुनून है। फुटबॉल का खेल रणनीति, धैर्य और एक साझा लक्ष्य की ओर मिलकर काम करने के बारे में बताता है।

डूरंड कप का 2025 संस्करण इसी माह 15 जुलाई से 23 अगस्त तक पांच राज्यों - पश्चिम बंगाल, असम, मणिपुर, मेघालय और झारखंड के छह स्थानों पर खेला जाएगा। असम के कोकराझार में लगातार तीसरे साल डूरंड कप होने जा रहा है । इस टूर्नामेंट ने 2019 में अपना घरेलू मैदान नई दिल्ली से कोलकाता में स्थानांतरित कर दिया था और लगातार छठे संस्करण के लिए यह बना रहेगा। डूरंड कप ने देश की प्रमुख प्रतियोगिता के रूप में स्थापित कर लिया है, तथा इसमें भाग लेने वाली टीमों की संख्या 16 से बढ़कर 24 हो गई है, जिसमें सभी इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) टीमों की भागीदारी भी शामिल है। यह टूर्नामेंट इस मायने में खास है कि इसमें सेना की टीमें भारत के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल क्लबों के खिलाफ मुकाबला करती हैं और पिछले कुछ संस्करणों में पड़ोसी देशों की सेना टीमों के साथ विदेशी भागीदारी भी देखी गई है।

शुभमन की पारी से गर्व का अनुभव कर रहे उनके मेंटोर युवराज

नई दिल्ली । भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह आजकल बेहद खुश हैं । युवराज की खुशी का कारण उनके शिष्य और भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल का शानदार प्रदर्शन है । शुभमन ने इंग्लैंड के खिलाफ दोहरा शतक लगाया है । युवराज ने कहा कि उसने बल्लेबाजी को बेहद आसान बना दिया है । युवराज ने कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान युवा गिल और टी20 सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को कोचिंग दी थी। युवराज ने खुशी जताते हुए सोशल मीडिया में लिखा, ''शुभमन गिल को सलाम! बड़े मंच पर उसने सब कुछ इतना आसान बना दिया। शानदार खेला और दोहरे शतक का अधिकारी था, यह उदाहरण है कि जब इरादा साफ हो तो आपको कोई नहीं रोक सकता।'' वहीं दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने ने भी शुभमन की सराहना की है। अश्विन ने लिखा, ''शुभमन का दोहरा शतक। कप्तानी की उनकी शुरुआत शानदार रही, इससे उन्हें आगे बढ़ने में बहुत सहायता मिलेगी। वहीं महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने लिखा, ''शुभमन गिल और जडेजा द्वारा आज दिखाए गए इरादे और प्रतिबद्धता को देखकर बहुत खुशी हुई। शानदार खेल दिखाया!''